मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	44.1	29.1
जमशेदपुर	43.7	23.2
डालटनगंज	43.6	21.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

* * *

चुनावी समर 2024

रांची, सोमवार 06 मई 2024 बैशाख कृष्ण पक्ष 13 , संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 27

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सपा के गढ़ में बोले पीएम नरेंद्र मोदी

मेरे आगे-पीछे कुछ नहीं हम खप रहे आपके लिए

इटावा (यूपी)। सपा के गढ़ कहे जानेवाले इटावा में पीएम नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर करारा प्रहार किया. मोदी ने कहा, सपा-कांग्रेस के नारे झूठे और वादे भी झूठे. इनकी नीयत में भी खोट है. मुलायम सिंह ने संसद में कहा था मोदी जी आप दोबारा जीतकर

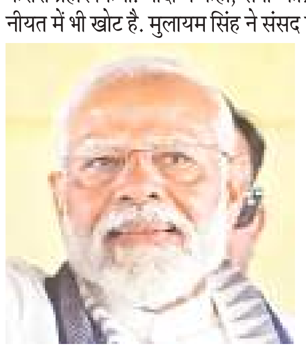

आएंगे. 2019 में उनका आशीर्वाद मुझे लगा और दोबारा पीएम बना. मैं सशक्त भारत की नींव तैयार कर रहा हूं, मोदी रहे या न रहे लेकिन देश हमेशा रहेगा. ये सपा-कांग्रेस वाले चुनाव लड़ रहे हैं अपने भविष्य के लिए, बच्चों के लिए, लेकिन मोदी ने अपने आगे-पीछे कुछ रखा ही नहीं, हम खप रहे आपके बच्चों के लिए. हम खप रहे आपके बच्चों का भविष्य बनाने के लिए, यही है विकसित भारत का संकल्प. मोदी विरासत, गरीब का घर, शौचालय, मुफ्त अनाज, मुफ्त इलाज,राष्ट्रीय शिक्षा नीति है. शाही परिवार का ही बेटा पीएम-सीएम बनने की कुप्रथा चाय वाले ने तोड़ दी. मोदी ने तुष्टीकरण की पोल खोली. चाय वाले ने शाही परिवार की कुप्रथा तोड़ी है.

राहुल गांधी बोले- लड़ाई दो विचारधाराओं के बीच

मोदी आरक्षण विरोधी, आपका अधिकार छीन लेना चाहते हैं

हैदराबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी आरक्षण के खिलाफ हैं और वह आरक्षण छीनना चाहते हैं. तेलंगाना में चुनावी रैली में गांधी ने दावा किया कि मौजूदा आम चुनाव दो विचारधाराओं के बीच है, जिसमें कांग्रेस संविधान की रक्षा

की कोशिश कर रही, जबकि भाजपा - आरएसएस मिल कर इसे और जनता के अधिकारों को खत्म करना चाहते हैं. मोदी जी आरक्षण के खिलाफ हैं. वह आपसे आरक्षण छीनना चाहते हैं. देश के सामने सबसे बड़ा मुद्दा आरक्षण को 50%बढ़ाना है.अपने घोषणापत्र में वादा किया है कि अगर पार्टी की सरकार बनी, तो वह 50% की सीमा को समाप्त कर देगी और आरक्षण 50% से अधिक बढ़ा देगी. उन्होंने दावा किया कि भाजपा के अन्य नेता भी आरक्षण खत्म करना चाहते हैं. राहुल ने कहा कि कांग्रेस का चुनावी मेनिफेस्टो क्रांतिकारी है. हम अगर सरकार में आये, तो मेनिफेस्टो पर पूरा अमल करेंगे. मोदी हमारे मेनिफेस्टो से हताश हैं और लगातार झूठे आरोप लगा रहे हैं.

ममता बनर्जी ने लगाया गंभीर आरोप

संदेशखाली की घटनाओं के पीछे भाजपा की बड़ी साजिश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भाजपा पर राज्य को बदनाम करने के लिए संदेशखाली की घटनाओं को अंजाम देने का आरोप लगाया है, जहां टीएमसी नेताओं के खिलाफ यौन शोषण के आरोप सामने आए हैं. टीएमसी ने सोशल

मीडिया पर वीडियो जारी करके दावा किया कि यह उसके उस रुख की पुष्टि करता है कि संदेशखाली के पीछे भाजपा का हाथ था. बनर्जी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, मैं लंबे समय से कह रही हूं कि भाजपा संदेशखाली घटना को अंजाम देकर बंगाल की छवि खराब करने की कोशिश कर रही है. स्टिंग ऑपरेशन से असली चेहरा सामने आ गया, क्योंकि उन्होंने मेरी मां-बहनों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया. कथित वीडियो में भाजपा मंडल अध्यक्ष होने का दावा करने वाले गंगाधर कायल को यह कहते सुना जा सकता है कि पूरी साजिश के पीछे बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी का हाथ है. हालांकि इस वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की गयी है.

अखिलेश यादव बोले- भाजपा की झूठी सरकार

जो पहले मन की बात करते थे, वो संविधान बदलने की बात करते हैं

आगरा (उप्र)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा इस चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा की झूठी सरकार को जनता के सच्चे सवालों का सामना करना पड़ेगा. उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, जो लोग मन की बात करते थे, हम उनसे कहेंगे

कि अब संविधान बदलने की बात न करें. ये मनमर्जी नहीं चलेगी. भाजपा के लिए सच्चा सवाल है कि उसने अपने नेताओं से बार-बार बाबा साहब का दिया संविधान बदलने की बात क्यों कहलवाई? क्या भाजपा के पास इसका जवाब है? भाजपा ने शोषितों, वंचितों व पीड़ितों की रक्षा करने वाले संविधान को बदलने की तथा आरक्षण को खत्म करने की बात क्यों उठाई. भाजपा ने सरकारी नौकरी न निकाल कर आरक्षण से मिलने वाली नौकरियां देने से क्यों रोका? पेपर लीक करवाकर किसी भी भर्ती को क्यों पूरा नहीं होने दिया? सेना की पक्की नौकरी को चार साल की कच्ची नौकरी में क्यों बदलने दिया? ये वो सच्चे सवाल हैं जो हम जनता की तरफ से पूछ रहे हैं.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	66,800
चांदी (किलो)	83,000

ब्रीफ खबरें

मोदी 14 को वाराणसी से भरेंगे नामांकन पर्चा

वाराणसी (उप्र)। पीएम नरेंद्र मोदी 14 मई को वाराणसी सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे. भाजपा की शहर इकाई के अध्यक्ष विद्यासागर राय ने रविवार को यह जानकारी दी. राय ने बताया कि मोदी 13 मई को निर्वाचन क्षेत्र में एक रोड शो करेंगे और इसकी तैयारी जारी है. वाराणसी में सातवें दौर में एक जून को मतदान होगा.

पीओके पर बलपूर्वक कब्जा करने की जरूरत नहीं

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर अपना दावा कभी नहीं छोड़ेगा, लेकिन इसपर बलपूर्वक कब्जा करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, क्योंकि इसके लोग कश्मीर में विकास देखने के बाद स्वयं इसका (भारत का) हिस्सा बनना चाहेंगे.

आतंकियों की तलाश जारी, कई हिरासत में

मेंढर/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारतीय वायुसेना के काफिले पर हमले में शामिल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए व्यापक तलाशी अभियान रविवार को दूसरे दिन भी जारी रहा और कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी.

भारत में अनखोजे अवसर: वॉरेन बफे

वाशिंगटन। अरबपति वॉरेन बफे ने कहा कि भारतीय बाजार में अनखोजे अवसर हैं, जिन्हें उनकी कंपनी बर्कशायर हैथवे में तलाशना चाहेगी. बफे की यह टिप्पणी बर्कशायर की वार्षिक बैठक में आई. भारतीय इक्विटी में निवेशक राजीव अग्रवाल ने उनसे भारत की संभावनाओं के बारे में पूछा. बफे से कहा, यह एक अच्छा सवाल है. भारत में बहुत सारे अनखोजे अवसर हैं.

लोकसभा चुनाव : पहले चरण में झारखंड के 15 उम्मीदवार धनकुबेर

दलीय से अमीर निर्दलीय

रवि भारती। रांची

झारखंड के पहले चरण के चुनाव में 15 उम्मीदवार करोड़पति हैं. इनमें भाजपा से तीन, कांग्रेस से एक, झामुमो से एक और चार निर्दलीय उम्मीदवारों की संपत्ति एक करोड़ रुपए से अधिक है. इन धनकुबेरों ने नामांकन में दाखिल एफिडेविट में किसी ने पति के नाम पर संपत्ति दिखाई है, तो किसी ने पत्नी के नाम पर. ज्वेलरी से लेकर जमीन, जायदाद और बैंक खाता में जमा राशि भी इसी तरह से दर्शाया है. एडीआर और द नेशनल इलेक्शन वॉच की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है. इसमें इन करोड़पति उम्मीदवारों की कुल औसतन संपत्ति करीब 1.75 करोड़ रुपए बताई गई है. दिलचस्प बात यह है कि पहले चरण में दलीय प्रत्याशियों से ज्यादा अमीर निर्दलीय हैं.

रामवचन राम के पास सबसे अधिक संपत्ति : पलामू सीट से किस्मत आजमा रहे बहुजन मुक्ति पार्टी के उम्मीदवार राम वचन राम की सबसे अधिक 18 करोड़ से अधिक संपत्ति बताई गई है. वहीं दूसरे नंबर पर खूंटी सीट से भाजपा उम्मीदवार अर्जुन मुंडा की संपत्ति 16 करोड़ से अधिक है. वहीं निर्दलीय उम्मीदवारों में खूंटी से पास्टर संजय कुमार तिर्की, लोहरदगा से चमरा लिंडा, पवन तिग्गा, और मारयुनिस तिग्गा भी करोड़पति हैं.

भाजपा के तीन,कांग्रेस और झामुमो के एक-एक प्रत्याशी करोड़पति

- पलामू से लड़ रहे रामवचन राम सबसे धनी करोड़पति, कांग्रेस के कालीचरण मुंडा हैं सिर्फ लखपति

जानिए किस सीट से कौन उम्मीदवार हैं करोड़पति

खूंटी लोकसभा सीट
- अर्जुन मुंडा (बीजेपी)- 16 करोड़ 56 लाख 55 हजार 057 रुपए
- अर्पणा हंस (झारखंड पार्टी)- एक करोड़ 85 लाख 64 हजार 229 रुपए
- कालीचरण मुंडा (कांग्रेस)- 54 लाख 07 हजार 803 रुपए
- पास्टर संजय कुमार तिर्की (निर्दलीय)- 04 करोड़ 20 लाख, 90 हजार रुपए

लोहरदगा लोकसभा सीट
- चमरा लिंडा (निर्दलीय)- दो करोड़ 84 लाख 79 हजार 905 रुपए
- मणि मुंडा-(भागीदारी पार्टी)-एक करोड़ नौ लाख 55 हजार
- पवन तिग्गा (निर्दलीय)- पांच करोड़ 68 लाख 70 हजार 977 रुपए
- मारयुनियस तिग्गा(निर्दलीय)- एक करोड 18 लाख 95 हजार
- सुखदेव भगत (कांग्रेस)- दो करोड़ 46 लाख 88 हजार 449 रुपए

पलामू लोकसभा सीट
- ममता भुइंया (राजद)- दो करोड़ 43 लाख 96 हजार 183 रुपए
- रामवचन राम (बहुजन मुक्ति पार्टी)-18 करोड 56 लाख 50 हजार रुपए
- सानन राम (लोकहित अधिकार पार्टी)- एक करोड़ 59 लाख 20 हजार रुपए
- बीडी राम (बीजेपी)- तीन करोड 90 लाख 81 हजार 116 रुपए
- वृंदा राम (पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया,डेमोक्रेट्रिक)- एक करोड़ 12 लाख 82 हजार 848 रुपए

सिंहभूम लोकसभा सीट
- गीता कोड़ा (बीजेपी)- चार करोड़ 12 लाख 45 लाख 715 रुपए
- जोबा मांझी (झामुमो)- दो करोड़ 28 लाख 60 हजार 659 रुपए

सिर्फ तीन पोस्ट ग्रेजुएट उम्मीदवार

11 उम्मीदवार हैं 12वीं पास, एक उम्मीदवार है सिर्फ साक्षर

रांची। झारखंड में लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 45 उम्मीदवार चुनावी अखाड़े में ताल ठोंक रहे हैं. पहले चरण में खूंटी, लोहरदगा, पलामू और सिंहभूम में चुनाव होना है. इन उम्मीदवारों में से सिर्फ तीन उम्मीदवार पोस्ट ग्रेजुएट हैं. इनमें अपर्णा देव भगत, आशा कुमारी रूंडा और सुखदेव भगत शामिल हैं. वहीं एक उम्मीदवार महेंद्र बैठा सिर्फ साक्षर हैं. एडीआर की रिर्पोट में इसका जिक्र किया गया है.

16 उम्मीदवार हैं ग्रेजुएट

पहले चरण के चुनाव में ताल ठोंक रहे 16 उम्मीदवार ग्रेजुएट हैं. इनमें अर्जुन मुंडा, अर्पणा हंस, बबिता कच्छप, बसंत लोंगा, बिहारी भगत, ब्रजेश तुरी, चमरा लिंडा, गीता कोड़ा, महादेव चंद्र कुंकल, ममता भुइंया, मारयुनिस तिग्गा, पनमानी सिंह, परदेशी लाल मुंडा, रंजीत भगत, बीडी राम और वृंदा राम शामिल हैं.

छह उम्मीदवार हैं आठवीं पास

पहले चरण के चुनावी अखाड़े में किस्मत आजमा रहे छह उम्मीदवार सिर्फ आठवीं पास हैं. इनमें वीर सिंह देवगम, कामेश्वर बैठा, पास्टर संजय कुमार तिर्की, राम वचन राम, सानिया उरांव और स्टीफन किंडों का नाम शामिल है.

सात 10 वीं पास और 10 हैं 12वीं पास

पहले चरण के चुनाव में सात उम्मीदवार सिर्फ 10वीं पास हैं. इनमें गिरिजानंदन उरांव, जोबा मांझी, मणि मुंडा, पवन तिग्गा, रामचंद्र भगत, सानन राम और संग्राम मार्डी के नाम शामिल हैं. वहीं 12वीं पास उम्मीदवारों में अर्जुन टोप्पो, विश्वा विजय मार्डी, चित्रसेन सिंकू, दामोदर हांसदा, गणेश रवि, कालीचरण मुंडा, कृष्णा मार्डी, साधु बेसरा, सावित्री देवी और समीर उरांव के नाम शामिल हैं.

थमा तीसरे चरण का प्रचार 94 सीटों पर वोटिंग कल

1352 उम्मीदवार मैदान में हैं

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा चुनाव में 7 मई को होने वाले तीसरे चरण के मतदान के लिए रविवार शाम को चुनाव प्रचार थम गया. तीसरे चरण में 12 राज्यों की 94 सीटों के लिए वोट पड़ेंगे. तीसरे चरण के मतदान में अमित शाह, शिवराज चौहान, दिग्विजय सिंह, डिंपल यादव, सुप्रिया सुले समेत कई दिग्गजों का फैसला होगा. बता दें कि अब तक पहले चरण में 19 अप्रैल को 102 सीटों पर मतदान हुआ था. इसके बाद 26 अप्रैल को दूसरे चरण में 88 सीटों पर मतदान हुआ. अब 7 मई को तीसरे चरण के मतदान होगा.

इसके बाद 13 मई को चौथे, 20 मई को पांचवे, 25 मई को छठे, 1 जून को सातवें चरण के मतदान होना है. वहीं 4 जून को वोटों की गिनती की जाएगी. चुनाव आयोग तीसरे चरण की वोटिंग को लेकर तैयारियों में जुटा हुआ है. आयोग मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाता जागरूकता अभियान के कई कार्यक्रम चला रहा है. इस बार भी मतदान का समय सुबह 7 बजे से शाम छह बजे तक रहेगा. इस चरण में कुल 1352 उम्मीदवार मैदान में हैं.

कहां-कहां होगा मतदान
- **असम :** धुबरी, कोकराझार, बारपेटा, गुवाहाटी
- **बिहार :** झंझारपुर, सुपौल, अररिया, मधेपुरा, खगड़िया
- **छत्तीसगढ़ :** सरगुजा, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, कोरबा, बिलासपुर, दुर्ग, रायपुर
- **दादर और नगर हवेली और दमन और दीव**
- **गोवा :** उत्तरी गोवा, दक्षिणी गोवा
- **गुजरात :** कच्छ, बनासकांठा, पाटन, महेसाणा, साबरकांठा, गांधीनगर, अहमदाबाद पूर्व, अहमदाबाद पश्चिम, सुरेंद्रनगर, राजकोट, पोरबंदर, जामनगर, जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, आनंद, खेड़ा, पंचमहल, दाहोद, वडोदरा, छोटा उदयपुर, भरूच, बारडोली , नवसारी, वलसाड
- **कर्नाटक :** चिक्कोडी, बेलगाम, बागलकोट, बीजापुर, गुलबर्गा, रायचूर, बीदर, कोप्पल, बेल्लारी, हावेरी, धारवाड़, उत्तर कन्नड़, दावणगेरे, शिमोगा
- **मध्य प्रदेश :** मुरैना, भिंड, ग्वालियर, गुना, सागर, विदिशा, भोपाल, राजगढ़, बैतूल
- **महाराष्ट्र :** बारामती, रायगढ़, धाराशिव, लातूर (एससी), सोलापुर (एससी), माधा, सांगली, रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग, कोल्हापुर, हटकनंगले
- **उत्तर प्रदेश :** संभल, हाथरस, आगरा (एससी), फ़तेहपुर सीकरी, फ़िरोज़ाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं, आंवला, बरेली
- **पश्चिम बंगाल :** मालदा उत्तर, मालदा दक्षिण, जंगीपुर, मुर्शिदाबाद

सीआईएससीई की 10वीं 12वीं कक्षा के नतीजे आज

भाषा। नयी दिल्ली

काउंसिल फॉर इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) सोमवार को 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित करेगा. बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सचिव जोसेफ इमैनुएल ने बताया परिणाम की घोषणा सोमवार को दिन में 11 बजे की जाएगी. परिणाम बोर्ड की वेबसाइट, करियर्स पोर्टल और डिजीलॉकर पर उपलब्ध होंगे. बोर्ड ने इस सत्र से 10 वीं और 12वीं कक्षा के लिए कंपार्टमेंट परीक्षा बंद करने का भी निर्णय लिया है.

पुरानी यादें सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने सुनाया अपने स्कूल का न भूलने वाला किस्सा

छोटी सी गलती पर 5वीं में टीचर ने मुझे बेंत से पीटा...

शुभम संदेश नेटवर्क

स्कूल में पिटाई यानी शारीरिक दंड अब बच्चों को अनुशासित करने के लिए एक क्रूर तरीका माना जाता है. हालांकि, कुछ दशक पहले तक स्कूली शिक्षा प्राप्त करने वाले लोगों के लिए ये एक वास्तविकता थी. भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के लिए भी ये ज्यादा अलग नहीं था. इस बात का जिक्र उन्होंने एक सेमिनार में किया है.

सीजेआई ने बताया कि एक बार छोटी-सी गलती के लिए उन्हें स्कूल में डंडे से पीटा गया था. उन्होंने कहा कि मुझे अभी भी याद है कि मैंने अपने टीचर से रोते हुए कहा था कि आप मेरे हाथ पर नहीं बल्कि मेरे पीछे डंडे से मारिए. बावजूद इसके मेरे शिक्षक ने मेरी एक नहीं सुनी. सीजेआई ने कहा कि उस समय मैं पांचवीं कक्षा में पढ़ रहा था, जब मेरे टीचर ने छोटी-सी गलती पर मुझे बेंत से पीटा था. उन्होंने बताया कि शर्म के कारण वह अपने माता-पिता को भी यह बात नहीं बता सके यही नहीं उनसे अपनी चोटिल दाहिनी हथेली को 10 दिनों तक छिपाना पड़ा था.

सीजेआई ने कहा कि आप बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं, इसका उनके पूरे जीवन में दिलो-दिमाग पर गहरा असर पड़ता है. मैं स्कूल में बिताए उस दिन को कभी नहीं भूल सकता. जब मेरे हाथों पर बेंत मारे गए, तब मैं कोई अपराधी नहीं था. मैं क्राफ्ट सीख रहा था और असाइनमेंट के लिए सही आकार की सुइयां क्लास में नहीं लाया था.

काठमांडू के सेमिनार में बोल रहे थे चंद्रचूड़

चंद्रचूड़ काठमांडू में नेपाल के सुप्रीम कोर्ट की ओर से जुवेनाइल जस्टिस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल होने पहुंचे थे. इसी में बोलते हुए उन्होंने यह घटना साझा की. कहा कि बच्चे मासूम होते हैं लोग बच्चों से जैसा व्यवहार करते हैं, उसका उनके दिमाग पर गहरा प्रभाव पड़ता है. मुझे अभी भी याद है कि 5वीं क्लास में जब टीचर मुझे मार रहे थे, तो मैंने उनसे कहा था कि वे मेरे हाथ पर नहीं बल्कि मेरे पीछे मारें. हालांकि,उन्होंने ऐसा नहीं किया. शारीरिक घाव तो भर गया, लेकिन मन और आत्मा पर वह घटना अमिट छाप छोड़ गई. बच्चों पर ऐसे अपमान का प्रभाव गहरा होता है. किशोर न्याय पर चर्चा करते समय, हमें कानूनी विवादों में उलझे बच्चों की कमजोरियों और विशिष्ट जरूरतों को पहचानने की जरूरत है. तय करना होगा कि हमारी न्याय प्रणाली करुणा, पुनर्वास और समाज में फिर एकीकरण के अवसरों के साथ रिएक्ट करे.

जुवेनाइल जस्टिस पर खुल कर बोले सीजेआई

सेमिनार में भारत के प्रधान न्यायाधीश ने सुप्रीम कोर्ट में दायर एक याचिका का भी जिक्र किया, जिसमें नाबालिग बलात्कार पीड़िता के गर्भ को समाप्त करने की मांग की गई थी. उन्होंने भारत की जुवेनाइल जस्टिस के सामने आनेवाली चुनौतियों के बारे में भी बात की. इसमें एक बड़ी चुनौती अपर्याप्त बुनियादी ढांचा और संसाधन हैं, खासकर ग्रामीण इलाकों में, जिसके कारण जुवेनाइल जस्टिस सेंटर्स में भीड़भाड़ और घटिया दर्जे की स्थिति है. इसी कारण किशोर अपराधियों को उचित सहायता प्रदान करना और पुनर्वास प्रदान करने के प्रयासों में बाधा आ सकती है.

घुसपैठ के मुद्दे को ले भाजपा पर बरसे सीएम चंपाई सोरेन, पूछा

अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर चौकीदारी का जिम्मा झारखंड सरकार को कब मिला?

प्रमुख संवाददाता। रांची

- झारखंड में घुसपैठिये आते कहां से हैं, सीमा को सील क्यों नहीं करते
- इतिहास में पहली बार जनता ने देखी है इतनी गरीबी

सीएम चंपाई सोरेन ने एक बार फिर से भाजपा और केंद्र की मोदी सरकार को निशाने पर लिया है. झारखंड में घुसपैठिए के मामले में कहा कि झारखंड सरकार को अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर पर चौकीदारी का जिम्मा कब मिला? यह गलती किसकी है? सीमा को सील क्यों नहीं किया जाता? भाजपा झूठ में आरोप लगाती है कि यहां की डेमोग्राफी बदल रही है. भाजपा ही बताए गलती किसकी है. भाजपा के एजेंडे से महंगाई, बेरोजगारी और युवाओं की बदहाली जैसे बड़े मुद्दे गायब हैं. ये बातें सीएम ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखी हैं.

सीएम ने दी नसीहत, जुमलों से बचिए : सीएम ने जनता को भी नसीहत देते हुए कहा है कि भाजपा और मोदी के जुमलों से बचिए. वैसे लोगों को अपना सांसद चुनिए, जो आपके मुद्दों को देश की सबसे बड़ी पंचायत में उठा सकें. झारखंड के अधिकतर सांसदों द्वारा जिस प्रकार झारखंड की जनता की मांगों व अपेक्षाओं को लगातार नकारा गया है, जिस तरह से उन्हें महंगाई, 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति, ओबीसी आरक्षण, सरना-आदिवासी धर्म कोड समेत अन्य मुद्दों पर जुमले सुनाये गए हैं, उसका जवाब जनता इस चुनाव में देगी.

नागरिकता देना भी केंद्र के अधिकार क्षेत्र में : सीएम ने कहा कि झारखंड में राशन कार्ड तक आधार संख्या के बिना नहीं बनता. जब आधार कार्ड बनाने वाली एजेंसी केंद्र सरकार के अधीन काम करती है, नागरिकता देना भी केंद्र के अधिकार क्षेत्र आता है, तो फिर इस प्रक्रिया में होने वाली गड़बड़ी के लिए कौन जिम्मेदार है. सीएम ने कहा कि इतिहास में जनता ने पहली बार इतनी गरीबी देखी है.

झारखंड में पांचवे चरण में 68 प्रत्याशियों ने किया था नामांकन, स्क्रूटनी के बाद 57 प्रत्याशी बचे हैं चुनाव मैदान में

चतरा से 23, हजारीबाग व कोडरमा से 17-17 प्रत्याशी चुनाव मैदान में आजमा रहे किस्मत

संवाददाता। रांची

लोकसभा चुनाव को लेकर शनिवार को पांचवे चरण के नॉमिनेशन फॉर्म का स्क्रूटनी की गयी. इसके बाद चतरा से 23, हजारीबाग से 17 और कोडरमा से 17 प्रत्याशी मैदान में बचे हैं. नाम वापसी की अंतिम तिथि छह मई है. झारखंड में पांचवे चरण में कुल 148 नामांकन फॉर्म जमा हुए थे, लेकिन सिर्फ 68 प्रत्याशियों ने ही नामांकन किया था. स्क्रूटनी के बाद 57 प्रत्याशी मैदान में बचे हैं. चतरा लोकसभा से सबसे अधिक आठ, हजारीबाग से दो और कोडरमा से एक प्रत्याशी का नामांकन रद्द किया गया है. वहीं गांडेय उपचुनाव में दो प्रत्याशियों का नॉमिनेशन अस्वीकृत किया गया. गांडेय से कुल 11 प्रत्याशी मैदान में हैं.

चतरा लोकसभा से प्रत्याशी

महेश बांडो	बहुजन मुक्ति पार्टी
लव कुमार पंडित	भागीदारी पार्टी
दुलेश्वर साव	भारतीय जवान किसान पार्टी
कालीचरण सिंह	भारतीय जनता पार्टी
कृष्णानंद त्रिपाठी	कांग्रेस
अर्जुन कुमार	भाकपा
नागमणि	बसपा
योगेश कुमार सिंह	झारखंड पार्टी
विक्रांत कुमार सिंह	निर्दलीय
अमित कुमार सिंह	निर्दलीय
अर्जुन प्रजापति	निर्दलीय
विमल लकड़ा	अंबेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया
सुमित कुमार यादव	समाटा पार्टी
डॉ अभिषेक कुमार सिंह	निर्दलीय
संजय कुमार स्नेही	लोक अधिकार पार्टी
श्रीराम सिंह	निर्दलीय
चंदन कुमार	निर्दलीय
कर्मलाल उरांव	पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक)
कामदेव डीहो राणा	राष्ट्रीय जन उत्कर्ष पार्टी
दर्शन गंझु	झारखंड पार्टी
दीपक कुमार गुप्ता	निर्दलीय
जयप्रकाश सिंह भोक्ता	निर्दलीय
मो अबुजर खान	निर्दलीय

चतरा से इन प्रत्याशियों का नामांकन रद्द

सीताराम सिंह	जयप्रकाश जनता दल
सुचित्रा सिन्हा	बसपा
रूपेश उरांव	निर्दलीय
नब्बू भुईयां	निर्दलीय
अनुज कुमार	निर्दलीय
उमेश गंझू	निर्दलीय
राजेश कुमार सिंह	निर्दलीय
अशेष सिंह	निर्दलीय

हजारीबाग लोकसभा से प्रत्याशी

संजय कुमार मेहता	निर्दलीय
जय प्रकाश भाई पटेल	इंडियन नेशनल कांग्रेस
राजकुमार दल	झारखंड पार्टी
श्याम बिहारी प्रजापति	भागीदारी पार्टी (पी)
कुंज बिहारी कुमार	लोकहित अधिकार पार्टी
मनोज कुमार बेदिया	निर्दलीय
मनीष कुमार जायसवाल	भारतीय जनता पार्टी
छठी देवी	अखिल भारतीय परिवार पार्टी
भुनेश्वर बेदिया	समता पार्टी
विनोद कुमार राणा	निर्दलीय
निशांत कुमार सिन्हा	पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक)
अनिरुद्ध कुमार	कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया
शशि भूषण केसरी	निर्दलीय
मो मोइनउद्दीन अहमद	बीएसपी
मो सिराज	निर्दलीय
अभिषेक कुमार	निर्दलीय
प्रकाश सोनी - भारतीय आजाद सेना	

हजारीबाग से इन प्रत्याशियों का नामांकन रद्द

सुरेश राम उर्फ सुरेश ठाकुर	भारतीय सर्वजन विकास पार्टी
प्रकाश कुमार	निर्दलीय

गांडेय विधानसभा उपचुनाव के प्रत्याशी

कल्पना मुर्मू सोरेन	झारखंड मुक्ति मोर्चा
मो सईद आलम	निर्दलीय
अवधेश कुमार सिंह	निर्दलीय
दिलीप कुमार वर्मा	भारतीय जनता पार्टी
मो शब्बीर अंसारी	निर्दलीय
इंतेखाब अंसारी	एआईएमआईएम
मो कौसर आजाद	निर्दलीय
ताहिर अंसारी	राष्ट्रीय समानता दल
शहादत अंसारी	निर्दलीय
अर्जुन बैठा	निर्दलीय
गुलाब प्रसाद वर्मा	निर्दलीय

कोडरमा से इन प्रत्याशियों का नामांकन रद्द

वीरेंद्र यादव	निर्दलीय

कोडरमा लोकसभा से प्रत्याशी

अन्नपूर्णा देवी	भारतीय जनता पार्टी
विनोद कुमार सिंह	कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया
जयप्रकाश वर्मा	निर्दलीय
जयनारायण दास	बहुजन मुक्ति पार्टी
मनोज कुमार	निर्दलीय
राजेश	निर्दलीय
रामेश्वर	निर्दलीय
सीटन रविदास	बहुजन समाज पार्टी
मो सगीर	निर्दलीय
रामेश्वर प्रसाद यादव	निर्दलीय
सुरेंद्र कुमार	निर्दलीय
जीतलाल किस्कू	निर्दलीय
तौहिद अंसारी	निर्दलीय
अजय कृष्णा	मूलवासी समाज पार्टी
शहादत अंसारी	निर्दलीय
आशीष कुमार	राइट ऑफ रिकॉल पार्टी
अक्लेश्वर साव	लोकहित अधिकार पार्टी

राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा, भारत ने लिया बड़ा निर्णय

चुनाव में इंडिया गठबंधन को समर्थन

विशेष संवाददाता। रांची

राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा, भारत ने केंद्र की भाजपा सरकार को आदिवासी विरोधी बताते हुए झारखंड सहित 13 आदिवासी बहुल राज्यों के अध्यक्ष एवं महासचिव को पत्र लिख कर इंडिया गठबंधन को समर्थन देने का फरमान जारी किया है. सभा द्वारा सरना धर्म कोड, मणिपुर और एमपी घटना, हेमंत को जेल भेजने, यूसीसी कोड, आदिवासी राष्ट्रपति को अपमानित करने, हसदेव जंगल में पूंजीपतियों का प्रवेश सहित अन्य मुद्दों पर भाजपा की मानसिकता को आदिवासी विरोधी करार दिया गया है.

राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा, भारत ने बड़ा निर्णय लिया है. झारखंड समेत 13 आदिवासी बहुल राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों को पत्र लिखा है. पत्र में वर्तमान केंद्र सरकार को आदिवासी विरोधी बताते हुए एनडीए के खिलाफ और इंडिया गठबंधन को समर्थन देने का फरमान जारी किया है. संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय पाहन ने यह पत्र सभी प्रदेश अध्यक्षों को भेजा है. पाहन ने बताया कि राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि केंद्रीय कमेटी ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए देश के वर्तमान राजनीतिक, सामाजिक एवं धार्मिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए व्यापक चिंतन मंथन के पश्चात आदिवासियों के हित निर्णय लिया गया. जिसमें लोकसभा चुनाव 2024 पर मुख्य फोकस है.

इन्हें भेजा गया पत्र

जीतू उरांव, प्रदेश अध्यक्ष पश्चिम बंगाल, भगवान दास मुंडा, महासचिव पश्चिम बंगाल, मणीलाल केरकेट्टा, प्रदेश अध्यक्ष ओडिशा, सुशील लकड़ा महासचिव ओडिशा, रवि तिग्गा प्रदेश, अध्यक्ष झारखंड, एतवा किसपोट्टा, महासचिव, मिटकू भगत, प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़, रामसाय उरांव, महासचिव छत्तीसगढ़, कृष्णा उरांव, प्रदेश अध्यक्ष, बिहार, जितेंद्र लकड़ा, प्रदेश अध्यक्ष, उत्तरप्रदेश, विश्वनाथ कुजूर, प्रदेश अध्यक्ष असम, रामा कच्छप, प्रदेश महासचिव असम, अनिल भगत, प्रदेश अध्यक्ष एनसीआर दिल्ली आदि शामिल हैं.

अन्य मुद्दे

- केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की 90 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति (आदिवासी) बहुल लोगों की मांग पर छठी अनुसूची में सूचीबद्ध करना आदिवासी/पर्यावरण हित में आवश्यक है.
- कॉमन सिविल कोड को लागू होने से आदिवासियों के विशेषाधिकार प्रभावित होने की पूर्ण संभावना है.
- देश में व्यापक महंगाई, बेरोजगारी, धार्मिक तुष्टीकरण, तानाशाही प्रवृति (आदिवासी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व विपक्ष के अनेकों नेताओं को जेल में डालना, प्रजातांत्रिक व्यवस्था का मखौल उड़ना है.
- संवैधानिक व्यवस्था के तहत देश के स्वातंत्र सरकारी संस्थाओं यथा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), सीबीआई, आयकर विभाग, के दमनकारी नीति व दुरूपयोग किया जा रहा है.
- मनुवादी विचार के तहत शिक्षा, नौकरी, जनप्रतिनिधि के चुनाव में आरक्षण समाप्त कर दिया जाएगा.
- इलेक्टोरल बॉण्ड के माध्यम से चन्दा संग्रह का कुकृत्य किया गया है.
- आदिवासी महिला को देश के राष्ट्रपति पर आसीन किया गया मगर कई मौके पर उन्हें अपमानित किया गया.

इन कारणों से लिया गया निर्णय

सरना धर्म कोड को सूचीबद्ध नहीं किया जाना धोखा

अनेकजन आंदोलन, वार्ताओं, पत्राचारों, निवेदन के उपरांत भी वर्तमान केंद्र सरकार द्वारा सरना धर्म को भारतीय जनगणना प्रपत्र में मुख्य धर्म के रूप में कॉलम सात (7) पर सूचीबद्ध नहीं करना सरना समाज के साथ धोखा है.

पांचवी एवं छठी अनुसूची को लागू नहीं करना बड़ा छल

अनेक आंदोलनों के उपरांत भी देश के आदिवासी बहुल अनुसूचित राज्यों में भारतीय संविधान में प्रदत आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों पांचवीं व छठी अनुसूची को लागू नहीं करना समस्त आदिवासियों के साथ छल है.

मणिपुर की घटना पर भाजपा नेताओं की चुप्पी

मणिपुर के दंगे में आदिवासी महिलाओं के साथ हुए अमान्य अत्याचार आदिवासियों के मान-सम्मान के साथ खिलवाड़ है .आदिवासी युवक के सिर पर भाजपा नेता द्वारा खुलेआम पेशाब की गयी, जिस पर भाजपा और आदिवासी भाजपा नेता द्वारा कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गई.

हसदेव जंगल को औद्योगिक घरानों को देना

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा हसदेव जंगल की कटाई व्यापक रूप से की जाने लगी, ताकि उस भूखंड को औद्योगिक घरानों को खनन के दिया जा सके. जंगल के बचाव में आए आदिवासियों पर दमनकारी कार्रवाई की गई जिससे आदिवासियों एवं पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है.

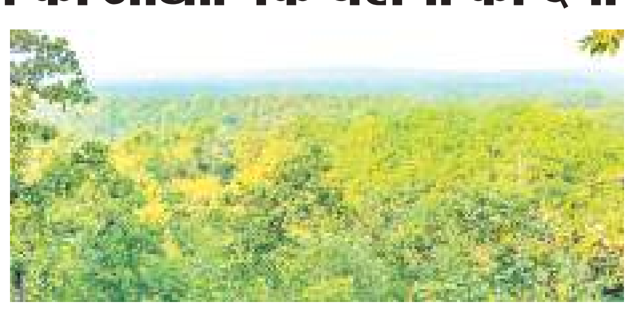

मेरिट स्कॉलरशिप में अन्य का कॉलम हटाना खतरनाक

वर्तमान केंद्र सरकार द्वारा आदिवासियों के साथ भेदभाव को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है. उदाहरण स्वरूप झारखंड एकेडमी कांउसिल द्वारा निर्गत विहित प्रपत्र जो कि मेरिट (प्रतिभा) स्कॉलरशिप से संर्दभित है, में धर्म कॉलम पर अन्य का विकल्प नहीं रखा गया है. वैसी परिस्थिति में सरना धर्मावलंबी बच्चों का अवसर समाप्त हो गया है. इस पर राज्य सरकार कोई छेड़छाड़ नहीं कर सकती है. ऐसी स्थिति अन्य राज्यों जैसे बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार आदि राज्यों में भी की गई होगी.

गांडेय विधानसभा के गिरिडीह प्रखंड में महिलाओं से मिलीं कल्पना सोरेन, कहा

भाजपा नहीं चाहती कि झारखंड बढ़े

- पेंशन समस्याओं के शीघ्र निष्पादन का दिया भरोसा
- विधानसभा क्षेत्र की जनता से किया सीधा संवाद

विशेष संवाददाता। रांची/गिरिडीह

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय विधानसभा उपचुनाव में झामुमो प्रत्याशी कल्पना सोरेन ने रविवार को खूब पसीना बहाया. वह गिरिडीह प्रखंड में महिलाओं से मिलीं. महिलाओं ने उन्हें पेंशन से जुड़ी समस्याओं के बारे में बताया. कल्पना ने आश्वासन दिया कि जो भी समस्याएं हैं, उसका शीघ्र ही निराकरण किया जाएगा. उन्होंने महिलाओं से कहा कि आप सभी के बेटे और भाई हेमंत द्वारा सर्वजन पेंशन योजना शुरू की गयी.

इससे राज्य के 36 लाख बुजुर्ग, विधवा, एकल और परित्यक्त महिला और दिव्यांगजनों को हक-अधिकार से जोड़ा गया. कल्पना ने कहा कि भाजपा ने 20 साल राज्य में शासन कर जानबूझकर लाखों लोगों को अपने अधिकार से वंचित रखा था. भाजपा नहीं चाहती कि झारखंड आगे बढ़े और झारखंडवासियों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हो. कल्पना सोरेन अपने विधानसभा के कई क्षेत्रों एवं पंचायतों को दौरा किया और लोगों से बात कर के उनकी समस्याओं से अवगत हुईं.

इस दौरान उन्होंने हेमंत सोरेन द्वारा चार साल में और अब मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में भाजपा का सफाया कर देना है. क्योंकि ये लोग नहीं चाहते हैं कि आदिवासी-मूलवासी तरक्की करें. उन्हें उनका हक मिले.

अपने वोट से भाजपा वालों को मुंहतोड़ जवाब दें

कल्पना सोरेन का जनता से सीधा संवाद कार्यक्रम रविवार को आयोजित किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि आपलोगों को पता है न कि आपके नेता, भाई, बेटा के साथ भाजपा वालों ने क्या किया? हेमंत सोरेन आपलोगों के लिए काम कर रहा था, तो ये भाजपा वाालें को हजम नहीं हुआ. एक झूठे केस में जेल में डाल दिया गया. आप ऐसे लोगों को मुंहतोड़ जवाब दें. आपको वोट देकर जवाब देना है. 20 को पहले मतदान, उसके बाद जलपान करें. यह आपलोगों को बड़ी जिम्मेदारी है. अपने हेमंत दादा को जीत दिलाना है तो यह जीत आपकी होगी.

सात को चाईबासा व बसिया में राहुल की चुनावी सभा

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं स्टार प्रचारक राहुल गांधी सात मई को एक दिवसीय चुनावी दौरे पर झारखंड आएंगे. वे अपने दौरे पर सबसे पहले टाटा कॉलेज, चाईबासा में झामुमो उम्मीदवार जोबा मांझी के समर्थन में सुबह 11:30 बजे चुनावी सभा को संबोधित करेंगे. इसके बाद गुमला जिले के बसिया के कोनवीर में कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव भगत के समर्थन में दिन के 2 बजे चुनावी सभा को संबोधित करेंगे. यह जानकारी प्रदेश प्रवक्ता सोनल शांति ने एआईसीसी से एप्रूव कार्यक्रम को जारी करते हुए दी.

लोस चुनाव में राहुल का झारखंड में पहला दौरा

कांग्रेस की प्रदेश प्रवक्ता ने बताया कि झारखंड के प्रथम चरण में होने वाले चार लोकसभा सीटों के लिए होनेवाले चुनाव को लेकर राहुल गांधी का यह झारखंड में पहला प्रथम दौरा है. इस कड़ी में चाईबासा व गुमला में होने वाली राहुल की दोनों सभाएं अभूतपूर्व और सफल होंगी. इसके पूर्व भी राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत आठ दिनों तक झारखंड में रहे थे.

प्रथम जेपीएससी नियुक्ति घोटाला मामले में झामुमो ने भाजपा को घेरा

पहली सरकार के काला चिट्ठा का खुलासा

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के कार्यकाल में हुए प्रथम जेपीएससी घोटाले में सीबीआई द्वारा पूर्व जेपीएससी अध्यक्ष समेत 37 लोगों के खिलाफ चार्टशीट दाखिल करने पर झामुमो ने भाजपा पर हमला बोला है. झामुमो ने अपने 'एक्स' हैंडल पर लिखा है कि झारखंड में भाजपा की पहली ही सरकार का काला चिट्ठा सबको पता था. अब उद्भेदन भी हो गया.

भाजपा बताये कि उस समय राज्य में किसकी सरकार थी. 20 साल राज कर सुनियोजित तरीके से भाजपा ने राज्य को पिछड़ा रखने का काम किया. आगे लिखा कि पिछले साढ़े चार साल से भाजपा सत्ता से दूर हैं, इसलिए तिलमिलाये हुए हैं. भाजपा इसी षड्यंत्र में लगी हुई है कि कैसे सत्ता पायी जाये और राज्य को फिर लूटा जाये.

पहली व दूसरी जेपीएससी परीक्षा में धांधली का था आरोप

झारखंड राज्य अलग होने के बाद जेपीएससी प्रथम और द्वितीय सिविल सेवा नियुक्ति में गड़बड़ी का मामला आया था. दोनों परीक्षाओं में धांधली का भी आरोप लगा था. इसके बाद साल 2012 में झारखंड हाईकोर्ट ने सीबीआई को इस मामले की जांच का आदेश दिया था. करीब 12 साल बाद अब जाकर सीबीआई ने अपनी जांच पूरी करने के बाद सीबीआई की विशेष कोर्ट में जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष दिलीप प्रसाद, सदस्य गोपाल प्रसाद, राधा गोविंद सिंह नागेश, शांति देवी, परीक्षा नियंत्रक एलिस उषा रानी के अलावा अपर समाहर्ता रैंक के अधिकारी समेत 37 के खिलाफ चार्टशीट दाखिल की है.

16 महीने के दौरान मुठभेड़ में 15 नक्सलियों की मौत, 142 बड़े नक्सलियों को किया जा चुका है गिरफ्तार

झारखंड में फ्रंट फुट पर जवान, बैकफुट पर नक्सली

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड के अलग राज्य बनने के बाद यह पहला अवसर है, जब जवान फ्रंटफुट पर अभियान चला रहे हैं और नक्सली बैकफुट पर हैं. एक तरफ सुरक्षाबलों ने पिछले 16 महीने के दौरान 15 नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया है. वहीं 142 बड़े नक्सलियों को गिरफ्तार भी किया गया है. साथ ही पुलिस की दबिश से परेशान होकर 52 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया. सुरक्षाबलों की तैयारी को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि अब झारखंड में नक्सलियों की कमर पूरी तरह टूट गयी है.

अब ग्रामीणों की हत्या कर रहे बौखलाए नक्सली : सुरक्षाबलों की ओर से नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है. इस अभियान के दौरान नक्सलियों को काफी नुकसान पहुंचा है. अब तक 36 मुठभेड़ की घटना हुई है. इस कार्रवाई से बौखलाए भाकपा माओवादी अब ग्रामीणों की हत्या कर रहे हैं. पिछले 16 महीने में नक्सलियों ने 20 ग्रामीणों की हत्या की है. साथ ही पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में पुलिस बल के सात जवान भी शहीद हुए हैं.

झारखंड में सिर्फ 72 इनामी नक्सली बचे : झारखंड में अब सिर्फ 72 इनामी नक्सली बचे हैं. इसमें मिसिर बेसरा, पतिराम मांझी, असीम मंडल, प्रयाग मंडल, चमन उर्फ लंबू, लालचंद्र हेंब्रम, रघुनाथ हेंब्रम, अजय महतो, संतोष उर्फ विश्वनाथ, प्रकाश महतो, ब्रजेश गंझू, अनुज, मेहनत, संजय महतो, छोटू खेरवार, मार्टिन केरकेट्टा, आक्रमण गंझू, रामप्रसाद मारडी, नितेश यादव, रविंद्र गंझू, अमित मुंडा, बेला सरकार, पूनम, आरिफ, रणविजय महतो, मदन महतो, रामदयाल महतो, मृत्युंजय, पप्पू लोहरा, मनोहर गंझू, नीरज सिंह खेरवार, साहेबराम मांझी, विवेक यादव, सीताराम रजवार, गोदराय यादव,बिरसेन गंझू, श्याम सिंह सिंकू, बल्लू, सालुका कायम, नेशनल भुइयां, रंथू उरांव, गुलशन मुंडा, सहदेव महतो,रविंद्र यादव, लवलेश गंझू, जयंती, प्रभात मुंडा, प्रभात गंझू, सुखलाल बिरजिया, बैजनाथ गंझू, पंकज कोरवा, कुंवर मांझी, बिरेन सिंह, बलराम लोहरा, सागेन अंगरिया, करीम, बाबूलाल जी, ब्रजेश मांझी, पवन मांझी, अमृत, रामचंद्र यादव, राहुल चंपिया, सुलेमान हांसदा, फिरोज अंसारी, विरेंद्र गंझू, सैमुअल बुध, पांचा उरांव, संतोष गंझू, मीता उर्फ नयनतारा, सहेंद्र यादव, लक्ष्मण राय, अमोज मोदक, कृष्णा यादव, गुलशन उरांव, बबलू,राजू यादव शामिल हैं.

अलर्ट

झारखंड में बदलेगा का मौसम का मिजाज, गर्मी से मिलेगी राहत, बारिश के साथ ओले भी पड़ने की संभावना

दो-तीन दिन में चार से छह डिग्री तक तापमान में हो सकती है गिरावट

प्रमुख संवाददाता। रांची

- 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी हवा
- गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना

झारखंड में मौसम का मिजाज बदलने वाला है. मौसम विभाग ने छह और सात मई को आंधी के साथ वज्रपात होने की संभावना जताई है. सात मई को ओले पड़ सकते हैं. रामगढ़, बोकारो, धनबाद, जामताड़ा, दुमका, देवघर जिले में कहीं-कहीं ओला पड़ने की संभावना है. मौसम विभाग के अनुसार अगले दो से तीन दिनों में तापमान में धीरे-धीरे चार से छह डिग्री तक गिरावट हो सकती है.

छह मई को राज्य के उत्तर-पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी भाग में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है. इसका प्रभाव देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा जिलों में पड़ने की संभावना है.

छह मई को तेज हवा के साथ वज्रपात की आशंका

छह मई को राज्य के उत्तर-पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं गर्जन और तेज हवा का झोंका चलने के साथ वज्रपात होने की आशंका है. हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है. इसका असर देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा जिले में देखने को मिल सकता है.

सात से नौ मई तक गर्जन के साथ हो सकती बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, सात से नौ मई तक कई स्थानों पर गर्जन के साथ हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है. हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा होने की संभावना है. राज्य में कुछ स्थानों पर 10 मई को भी बारिश होगी. 11 मई को राज्य में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है.

राजधानी में भी तीन दिनों तक बारिश के आसार

राजधानी रांची में छह मई को अधिकतम तापमान 39 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रहेगा. वहीं सात मई को अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रहने की संभावना है. आठ व नौ मई को अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमश: 34 व 23 डिग्री रहने की संभावना है. वहीं, सात, आठ व नौ मई को हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश और बादल छाये रहने की संभावना है.

खरगे, सोनिया, राहुल और प्रियंका के नाम शामिल

कांग्रेस ने पांचवें चरण के लिए स्टार प्रचारकों की सूची जारी की

विशेष संवाददाता। रांची

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने 20 मई को पांचवें चरण के होनेवाले लोकसभा चुनाव को लेकर झारखंड के लिए स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है. पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह सांसद केसी वेणुगोपाल द्वारा जारी इस सूची में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाद्रा के नाम शामिल हैं. इसके अतिरिक्त केसी वेणुगोपाल, गुलाम अहमद मीर, राजेश ठाकुर, भूपेश बघेल, सुखविंदर सिंह सुक्खू, ए रेवंत रेड्डी, सलमान खुर्शीद, जयराम रमेश, तारिक अनवर, डॉ. अजय कुमार, सुबोधकांत सहाय, राना केपी सिंह, आलमगीर आलम, डॉ. रामेश्वर उरांव, बादल पत्रलेख, बन्ना गुप्ता, इमरान प्रतापगढ़ी, सुप्रिया श्रीनेत, दीपिका पांडे सिंह, फुरकान अंसारी, चन्द्र शेखर दुबे, डॉ. प्रदीप कुमार बलमुचू, बंधु तिर्की, जलेश्वर महतो, शहजादा अनवर, रामचन्द्र सिंह, अंबा प्रसाद, उमाशंकर अकेला, योगेंद्र साव, ममता देवी, अशोक चौधरी, जयशंकर पाठक, अमूल्य नीरज खलखो, केदार पासवान, गुंजन सिंह, अभिजीत राज आदि के नाम शामिल हैं.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

तापमान
39.2⁰ अधिकतम 23.2⁰ न्यूनतम

फोटो : रमीज

बीएसएनएल कार्यालय में भीषण आग

सौरभ सिंह। रांची

एनएच 33 रांची-रामगढ़ रोड पर मेसरा ओपी क्षेत्र के जुमार नदी के पास स्थित बीएसएनएल कार्यालय कैंपस में रविवार की दोपहर भीषण आग गई. आग इतनी तेजी से फैली कि पूरा बीएसएनएल कार्यालय परिसर काले धुएं से भर गया. काफी ऊंचाई तक आग की लपटें उठ रही थीं और काले धुएं से पूरा आसमान भी काला-काला नजर आ रहा था. आसपास के बड़े इलाके में धुआं फैलने की वजह से लोगों को सांस लेने में भी दिक्कत हो रही थी.

आसपास के इलाके में अगलगी की खबर तेजी से फैल गई, जिससे काफी संख्या में लोग कैंपस के बाहर सड़क पर जुट गये. गनीनत है कि रविवार की छुट्टी होने के कारण कार्यालय बंद था, इसलिए वहां कर्मचारी व अधिकारी मौजूद नहीं थे, अन्यथा जान की भी क्षति हो सकती थी. वहां जुटे सभी लोग इस बात की ही चर्चा कर रहे थे कि

खास बातें

- एनएच 33 और जुमार नदी के किनारे है बीएसएनएल कार्यालय
- रविवार की छुट्टी होने के कारण कार्यालय बंद था

आखिर आग लगी कैसे? मामले की जानकारी मिलते ही एकसाथ 16 दमकल मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गयीं. कड़ी मशक्कत के बाद भी आग पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका. अग्निशमन विभाग की दमकल लगभग आठ घंटे से लगातार आग पर काबू पाने में जुटी थीं, लेकिन देर रात तक आग पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका था. अग्निशमन विभाग के डीजी अनिल पालटा ने बताया कि विभाग के कर्मी तत्परता से आग पर काबू पाने में जुटे हुए हैं. आग पर पूरी तरह से काबू पाने में 24 घंटे से ज्यादा समय लग सकता है.

आसमान छू रही थीं लपटें, काले धुएं के गुबार से सांस लेने में हो रही थी परेशानी

16 दमकल लगे थे आग बुझाने में, काबू पाने में लग सकते हैं 24 घंटे से ज्यादा समय

कार्यालय कैंपस में रखे स्पेयर पार्टर्स से धधकी आग

बीएसएनएल कार्यालय परिसर में रखे स्पेयर पार्टर्स में सबसे पहले आग लगी. देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया. कैंपस में रखे केबल में आग लगने की वजह से लपटें तेज हो गईं. धीरे-धीरे केबल में लगी आग कैंपस में उग आयीं झाड़ियों में फैल गई. देखते ही देखते आग ने विकराल व भयावह रूप धारण कर लिया. अगलगी की सूचना पर सदर थाना और बीआईटी ओपी पुलिस भी फायर ब्रिगेड की टीम के साथ मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गयी. वैसे आग की लपटें इतनी तेज थीं कि उसे बुझाने में फायर ब्रिगेड टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी.

करोड़ों की संपत्ति के नुकसान का जताया जा रहा अंदेशा

बीएसएनएल कर्मचारियों से मिली जानकारी के अनुसार, आग की भयावहता को देखकर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि अगलगी में करोड़ों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ होगा. हालांकि फिलहाल इसका आकलन नहीं हो पाया है, क्योंकि देर रात तक कुछ भी साफ नहीं था और न आग पर ही पूरी तरहर से काबू पाया जा सका था. केबल सहित और स्पेयर पार्टर्स में आग कैसे लगी, इसका देर रात तक पता नहीं चल पाया था. बीएसएनएलकर्मी भी अगलगी को लेकर कयास ही लगा रहे हैं. वैसे सोमवार को कार्यालय खुलने पर ही पता चल पाएगा कि अगलगी से कितना नुकसान हुआ है.

एनएच पर लगी भीड़, तो लगा जाम, रेंगने लगे वाहन

बीएसएनएल कार्यालय कैंपस काफी बड़े एरिया में फैला हुआ है और एनएच-33 से बिलकुल सटा हुआ है. कैंपस में आग लगने की सूचना फैलते ही काफी संख्या में लोग एनएच पर कार्यालय कैंपस के पास जुट गये. लोगों की भीड़ की वजह से कैंपस के पास एनएच से गुजरनेवाले वाहनों की रफ्तार भी धीमी हो गई. वाहन चालक भी अगलगी के कारण जानने के लिए थोड़ी देर रुक रहे थे, जिससे वहां रुक-रुक कर जाम भी लगता रहा.

राजद ने सुबोधकांत को सौंपी प्रखंड के पदधारियों की सूची

रांची। रांची जिला राजद अध्यक्ष धर्मेंद्र महतो के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय से मुलाकात की. उन्होंने रांची लोकसभा क्षेत्र में पड़ने वाले जिले के सभी नौ प्रखंडों के राजद पदाधिकारियों की सूची उन्हें सौंपी.

सूची में सभी पदधारियों का नाम, पता और मोबाइल नंबर दिये गये हैं, ताकि लोकसभा चुनाव में गठबंधन की कांग्रेसी प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के समर्थन में हर संभव मदद पहुंचाई जा सके. पूर्व केंद्रीय मंत्री ने रांची जिला राजद के सभी प्रखंड अध्यक्षों व कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाने के लिए युद्ध स्तर पर जुट जाने का निर्देश दिया. राजद जिला अध्यक्ष ने आश्वस्त किया कि रांची जिला के सभी नौ प्रखंडों के राजद कार्यकर्ता चुनाव प्रचार में पूरी सक्रियता से भाग लेंगे. प्रतिनिधिमंडल में रामभजन सिंह, नंदलाल कुमार वाल्मीकि, करण कुमार मंडल, संतोष साह, नरेंद्र कुमार यादव, विजय राय, विशाल कुमार, चंचल कुमार, विद्या विनोद सिंह, विनोद सिंह शामिल थे.

12 को सिमरिया व 16 को बिरनी में पीएम की सभा

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर झारखंड आयेंगे. इस दौरान चतरा और कोडरमा लोकसभा क्षेत्र में

चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे. पीएम 12 मई को चतरा लोस क्षेत्र के सिमरिया प्रखंड स्थित मुरवे मैदान में अपराह्न तीन बजे जनसभा को संबोधित करेंगे. इसके बाद 16 मई को गिरिडीह जिला अंतर्गत बिरनी प्रखंड के पेशम अरवाड़ मैदान में सुबह आठ बजे से जनसभा को संबोधित करेंगे.

मथुरा व चंद्रप्रकाश आज गिरिडीह से भरेंगे पर्चा

रांची। छठे चरण के लोकसभा चुनाव के तहत नामांकन के आखिरी दिन गिरिडीह सीट से इंडिया गठबंधन के झामुमो प्रत्याशी मथुरा प्रसाद महतो और एनडीए से आजसू पार्टी के प्रत्याशी चंद्र प्रकाश चौधरी नामांकन दाखिल करेंगे. इस दौरान दोनों नेताओं के समर्थकों की भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है. नामांकन से पहले मथुरा प्रसाद महतो अपने सिजुआ स्थित आवास से गंगापुर स्थित मां लिलोरी मंदिर मां नीलकंठ वासिनी का आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचेंगे. इसके बाद वहीं से नामांकन के लिए बोकारो के लिए रवाना होंगे.

गिरिडीह पुलिस ने निर्दलीय उम्मीदवार अवधेश सिंह को घर से पकड़ा

झारखंड में एक और उम्मीदवार गिरफ्तार

कार्रवाई

संवाददाता। रांची/गिरिडीह

आसन्न लोकसभा चुनाव व विधानसभा उपचुनाव के बीच पुलिस ने एक और उम्मीदवार को गिरफ्तार किया है. गिरिडीह पुलिस की टीम ने रविवार की सुबह अधिवक्ता अवधेश कुमार सिंह को बरगंडा आरके महिला कॉलेज रोड के पास स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया. अवधेश सिंह गांडेय विधानसभा उपचुनाव में बतौर निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में हैं.

उसी सीट से पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी इंडिया गठबंधन की उम्मीदवार हैं, जबकि भाजपा की तरफ से दिलीप वर्मा मैदान में हैं. इस कार्रवाई में एसडीपीओ विनोद रवानी, बेंगाबाद अंचल इंस्पेक्टर ममता कुमारी, नगर थाना प्रभारी शैलेश प्रसाद, मुफस्सिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो समेत भारी संख्या में पुलिस बल के जवान शामिल थे. इससे पहले शनिवार को रांची लोकसभा सीट से जेबीकेएसएस उम्मीदवार देवेंद्रनाथ महतो को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था.

- गांडेय विधानसभा उपचुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार हैं अवधेश
- एक दिन पूर्व रांची के जेबीकेएसएस प्रत्याशी की हुई थी गिरफ्तारी

अधिवक्ता अवधेश कुमार सिंह को गिरफ्तार कर ले जाती पुलिस.

किसानों की मांगों को लेकर मुखर रहे हैं अवधेश

बता दें कि अधिवक्ता अवधेश कुमार सिंह किसान मंच के बैनर तले वर्षों से किसानों की जमीन के खतियान समेत अन्य मांगों को लेकर मुखर आंदोलन करते रहे हैं. पूरे जिले खास कर गांडेय विधानसभा क्षेत्र के किसानों के बीच उनकी अच्छी खासी पकड़ है. आसन्न गांडेय विधानसभा उपचुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतरने से वहां के समीकरण में काफी बदलाव होने की गुंजाइश है.

बेंगाबाद थाना घेराव मामले में किया गया गिरफ्तार : जानकारी के मुताबिक, अधिवक्ता अवधेश कुमार सिंह के खिलाफ किसान मंच के बैनर तले बेंगाबाद थाना घेराव मामले में बेंगाबाद थाना कांड संख्या 122/22 दर्ज किया गया था. इसी मामले में उनकी गिरफ्तारी हुई है. बेहद ही नाटकीय ढंग से तीन थानों की पुलिस ने रविवार को बरगंडा स्थित आवास पर पहुंच कर उन्हें गिरफ्तार किया. बता दें कि गांडेय विधानसभा सीट पर 20 मई को उपचुनाव होना है.

नामांकन के बाद से ही जयराम ट्रेसलेस

गिरिडीह लोकसभा से निर्दलीय प्रत्याशी जयराम महतो भी रांची में विधानसभा घेराव मामले में पुलिस की पकड़ से दूर चल रहे हैं. उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ था. बीते एक मई को नामांकन दाखिल करने के बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया था. हालांकि, जयराम समर्थकों और पुलिस के बीच काफी कहासुनी के बाद जयराम महतो से सभा करने के लिए पुलिस से दो घंटे की मोहलत मांगी, जिसपर समय दे दिया गया था. लेकिन, सभा के बाद अचानक ही जयराम पुलिस की पहुंच से दूर हो गये और अब तक उनका कुछ पता पहीं चल पाया है.

कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय आज करेंगी नामांकन

मोरहाबादी में जनसभा

विशेष संवाददाता। रांची

इंडिया गठबंधन की तरफ से रांची से कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल करेंगी. जारी कार्यक्रम के अनुसार, यशस्विनी सहाय नामांकन दाखिल करने जुलूस के साथ जाएंगी. इसमें भारी संख्या में कांग्रेस के अलावा झामुमो और राजद के समर्थक झंडा-बैनर के साथ शामिल होंगे.

जुलूस यात्रा पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय के आवास ई-39 सेक्टर से सुबह 7:30 बजे निकलेगी, जो धुर्वा, सेक्टर तीन, बिरसा चौक, हिनू चौक, डोरंडा एजी मोड़, स्वामी विवेकानंद चौक, अंबेडकर चौक, रिसालदार बाबा मजार, कडरु ब्रिज, कडरु, अरगोड़ा चौक, हरमू चौक, स्वामी सहजानंद चौक, कार्तिक उरांव चौक, भारत माता चौक, किशोरगंज चौक, रातू रोड चौराहा, जाकिर हुसैन पार्क होते हुए समाहरणालय भवन पहुंचेगी. यहां यशस्विनी सहाय नामांकन पत्र दाखिल करेंगी.

इसके बाद मोरहाबादी मैदान में यशस्विनी सहाय की एक जनसभा होगी. जानकारी के अनुसार, जनसभा में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, राजद के नेता और झारखंड सरकार में मंत्री सत्यानंद भोक्ता सहित गठबंधन के अन्य कई नेता शामिल होंगे.

- जनसभा में सीएम चंपाई सोरेन, मंत्री सत्यानंद सहित गठबंधन के अन्य नेता होंगे शामिल
- नामांकन में इंडिया गठबंधन के नेता भी रहेंगे मौजूद

रांची में 25 मई को होगा मतदान : रांची लोकसभा सीट पर छठे चरण में 25 मई को मतदान होना है. रांची के अलावा गिरिडीह, धनबाद और जमशेदपुर संसदीय सीट पर भी इसी दिन मतदान होगा. छठे चरण के लिए नामांकन की प्रक्रिया 29 अप्रैल से चल रही है. छह मई को नामांकन का आखिरी दिन है. सात मई को नामांकन पत्रों की जांच होगी. वहीं नौ मई तक उम्मीदवार अपने नाम वापस ले सकेंगे. बता दें कि रांची लोकसभा क्षेत्र में छह विधानसभा ईचागढ़, सिल्ली, खिजरी, रांची, हटिया और कांके आते हैं.

रिपोर्ट कार्ड : झारखंड के सांसदों ने सिर्फ 54 प्रतिशत राज्यहित की बहस में लिया हिस्सा, राष्ट्रीय हित की बहस में 46.3 प्रतिशत रही हिस्सेदारी

अन्नपूर्णा ने राज्यहित के सबसे कम सवाल पूछे, निशिकांत को राष्ट्रीय मुद्दों में ज्यादा दिलचस्पी

रवि भारती। रांची

झारखंड के सांसदों ने संसद में होनेवाली औसतन 54 फीसदी राज्यहित की बहस में लिया. वहीं कोडरमा से बीजेपी उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने सबसे कम राज्यहित जुड़े सवाल पूछे. सदन के अंदर बहस में अन्नपूर्णा देवी की राष्ट्रीय हित के मामलों में सिर्फ 24.4 फीसदी और राज्य हित के मुद्दों पर 25.5 फीसदी हिस्सेदारी रही.

वहीं, निशिकांत दुबे, पीएन सिंह, संजय सेठ, सुर्दशन भगत, सुनील सिंह, विद्युत वरण महतो, सीपी चौधरी, गीता कोड़ी, जयंत सिन्हा और सुनील सोरेन की राष्ट्रीय हित की बहस में 46.3 फीसदी और राज्य हित की बहस में 54.3 फीसदी की हिस्सेदारी रही.

सवालों के मामले में राष्ट्रीय औसत 210% रहा

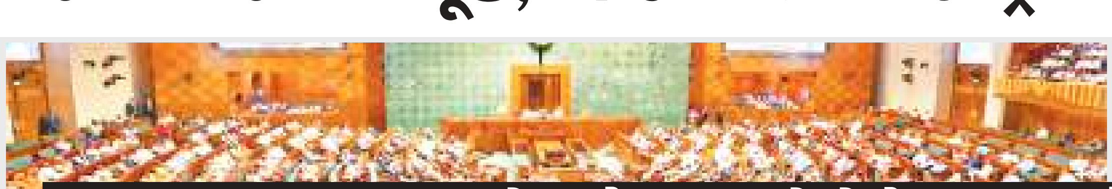

झारखंड के सांसदों द्वारा पूछे गए सवालों के मामले में उनका राष्ट्रीय औसत 210 फीसदी का रहा. वहीं राज्यस्तरीय औसत 244 फीसदी रहा. इसमें सबसे कम औसत अन्नपूर्णा देवी का रहा. अन्नपूर्णा देवी द्वारा पूछे गए सवालों का राष्ट्रीय औसत 77 फीसदी रहा, जबकि राज्यस्तरीय औसत 93 फीसदी रहा.

किस सांसद का डिबेट और सवालों में कैसा रहा औसत

सांसद	डिबेट	राष्ट्रीय औसत	राज्य स्तरीय	सवाल	राष्ट्रीय औसत	राज्य स्तरीय
निशिकांत दुबे	193,	46.7%	54.3%	375	210%	244%
संजय सेठ	77	46.7%	54.3%	211	210%	244%
सुर्दशन भगत	31,	46.7 %	54.3%	107	210%	244%
सुनील सिंह	67	46.7%	54.3%	425	210%	244%
अन्नपूर्णा देवी	31	24.4%	25.3%	97	77%	93%
विद्युत वरण महतो	87	46.7 %	54.3%	632	210%	244%
चंद्र प्रकाश चौधरी	15	46.7 %	54.3%	162	210%	244%
गीता कोड़ा	14	46.7 %	54.3%	279	210%	244%
जयंत सिन्हा	39	46.7 %	54.3%	266	210%	244%
विजय हांसदा	15	46.7 %	54.3%	27	210%	244%
पीएन सिंह	79	46.7 %	54.3%	317	210%	244%

मोरहाबादी के चिल्ड्रन पार्क में विभिन्न आदिवासी संगठनों ने बैठक कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ खोला मोर्चा, झारखंड दौरे को बताया विफल, कहा

आदिवासियों के असल मुद्दों से ध्यान भटकाने का काम कर रहे हैं नरेंद्र मोदी

विशेष संवाददाता। रांची

रांची के विभिन्न आदिवासी संगठन और उसके अगुवागण ने पीएम मोदी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. रविवार को मोरहाबादी के चिल्ड्रन पार्क में विभिन्न आदिवासी संगठनों की बैठक हुई. बैठक के बाद आयोजित एक पत्रकार वार्ता में इन्होंने बताया कि झारखंड में लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अदिवासी नाराज क्यों नाराज है. इन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के झारखंड दौरे को विफल बताया. उनके भाषण सुनकर आदिवासी संगठनों ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब अदिवासी मूलवासी लोगों को असली मुद्दों से भटकाने के लिए झूठ और घृणास्पद भाषण का सहारा ले रहे हैं. बैठक में आदिवासी अगुवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आदिवासियों की इतना ही चिंता थी, तो सरना धर्म कोड बिल, ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण, 1932 खतियान पर आधारित स्थानीय नीति को विधानसभा में पारित कर राजभवन भेजा गया, उसे रोक क्यों दिया गया. अगुवा ने कहा कि आदिवासियों के डीलिस्टिंग के मुद्दे पर मोदी चुप क्यों रहे, हसदेव जंगल की नीलामी कर आदिवासियों को उजाड़ने पर क्यों नहीं कोई बयान दिए, मणिपुर पर चुप्पी क्यों, मध्यप्रदेश में हुए पेशाब कांड पर चुप क्यों रहे नरेंद्र मोदी, झूठ सच बोल कर झारखंड के भोली भाली जनता को अब मूर्ख नहीं बना सकते.

पीएम मोदी बताएं अच्छे दिन कब आएंगे : प्रेमशाही

आदिवासी जन परिषद के अध्यक्ष प्रेमशाही मुंडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जरा बता दिजिए अच्छे दिन कब आएंगे. हमारी आबादी 27 प्रतिशत से ज्यादा है. फिर भी आदिवासी पिछड़ा गरीब, मजदूर बना है. झारखंड में सबसे ज्यादा राज करने वाला पार्टी भाजपा ही रही, लेकिन आदिवासी दबा कुचला ही रहा. हम आज भी विस्थापन, जल-जंगल-ज़मीन पर कब्ज़ा, फ़र्जी मुक़दमेबाज़ी, मुठभेड़ और भुखमरी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं.

महंगाई व बेरोजगारी पर क्यों नहीं बोलते मोदी : अजय

केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि झारखंड में आदिवासियों की कई समस्याएं हैं, जिनकी मांगे सालों से आदिवासी करते रहे हैं. आदिवासी सरना कोड, पेसा कानून, सीएनटी एक्ट से छेड़छाड पर रोक, आदिवासी की पलायन पर रोक लगे, ट्राइबल सब प्लान का पैसा सीधे ग्राम सभा को उपलब्ध कराया जाएगा. राज्य में ट्रैफिकिंग पर रोक लगाना छोड़ कर जुमले बाजी कर रहे हैं नरेंद्र मोदी. आज महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है, पर प्रधानमंत्री कुछ नहीं बोल रहे हैं. वर्ष 2014 में जब गैस सिलिंडर का दाम चार सौ रुपये था, तब पूरे देश में आंदोलन कर रहे थे और अब दाम 11 सौ पहुंच गया है तो बोल नहीं रहे हैं. तिर्की ने कहा कि प्रधानमंत्री चाईबासा की सभा में झारखंड और कोल्हान के लिए कुछ नहीं बोले, पिछले दस साल में जो काम किया, उसे जनता को बताना चाहिए था.

2014 के सारे वादे क्या हुए मोदी जी : कुंदरसी

अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद की कुंदरसी मुंडा ने प्रधानमंत्री से सवाल करते हुए कहा कि 2014 में अच्छे दिन का वादा किया था, उसका क्या हुआ? दो करोड़ हर साल नौकरी, सस्ता पेट्रोल-डीजल और विदेशों से काला धन लाकर सभी को 15-15 लाख रुपये देने का वादा किया था, जो जुमला साबित हुआ.

हसदेवा जंगल पर क्यों नहीं बोलते प्रधानमंत्री : निरंजना

जय आदिवासी केंद्रीय परिषद की अध्यक्ष निरजना हेरंज ने कहा कि मोदी सरकार जुमलेबाज सरकार है. हसदेव जंगल से हजारों आदिवासियों को उजाड़ने का काम किया है. कांग्रेस सरकार ने आदिवासियों को उजाड़ा नही. लोहरा समाज के अध्यक्ष अभय लोहरा ने बताया कि बीते दस वर्षों से प्रधानमंत्री देश की जनता को गुमराह कर रहे हैं.

आदिवासियों की नहीं, केवल अडाणी और अंबानी की फिक्र है : लक्ष्मी नारायण मुंडा

आदिवासी समन्वय समिति के संयोजक लक्ष्मी नारायण मुंडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आदिवासियों के हक अधिकार की बात नहीं करते. उनकी रक्षा की बात नहीं करते, पलायन पर रोक हो उस पर बात नहीं करते. गांव जंगल में रहने वाले आदिवासियों की दशा कैसे सुधरे वो बात प्रधानमंत्री नहीं करते. सिर्फ कैसे अपने अजीज मित्र अडाणी, अंबानी को आदिवासी की जमीन लूट कर दें, ये फिक्र करते रहते हैं.

ब्रीफ खबरें

निरंकारी फाउंडेशन का रक्तदान शिविर लगा

रांची। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन की ओर से रविवार को संत निरंकारी सत्संग भवन बुध विहार में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के रक्तदान शिविर में 105 निरंकारी भक्तों ने रजिस्ट्रेशन करवाया, जिसमें जांच के बाद 66 यूनिट सदर हॉस्पिटल की टीम ने रक्तदान कराया. मालूम हो युग प्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह सदैव ही समाज कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत रहे और उनके उपदेशों को मानते हुए 1986 से लगातार रक्तदान कैंप का सिलसिला जारी है. बाबा हरदेव सिंह ने कहा था कि इंसानी रक्त मानव की नाड़ियों में बहना चाहिए, न कि नालियों में, उनके उपदेश पर ही संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन प्रति वर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन करता है.

कार्ल मार्क्स के विचार आज भी प्रासंगिक हैं

रांची। भाकपा के राज्य कार्यालय सभागार में रविवार को कार्ल मार्क्स की 206वीं जयंती मनाई गई. राज्य कार्यकारणी सह रांची जिला सचिव अजय सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में कार्ल मार्क्स की लिखी और कही बातें सत्य साबित हो रही हैं. पूंजीवादी व्यवस्था आमजन का खून चूस रही है. सरकार 80 प्रतिशत आबादी की बात न कर पूंजीपतियों के हाथों की कठपुतली बनी हुई है. आवश्यक खाद्यान्न और रोजमर्रा की जीवन में इस्तेमाल होनेवाली चीजों की कीमतें बढ़ती जा रही हैं. ऐसी वस्तुएं कभी भी टैक्स के दायरे में नहीं आती थीं, लेकिन सरकार ने अब उन सभी वस्तुओं पर टैक्स लगा दी हैं, जिससे कीमतें और बढ़ गयी हैं. ऐसा कर सरकार पूरी तरह से कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुंचा रही है.

पत्थलकुदवा इस्लामनगर की पानी टंकी सात साल से बदहाल

बूंद-बूंद को तरस रही 8000 की बड़ी आबादी, निगम मौन

रेहान अहमद। रांची

पत्थलकुदवा इस्लाम नगरवासी वर्षों से पानी की गंभीर समस्या झेलने को मजबूर है. क्षेत्रवासियों ने नगर निगम समेत अन्य विधायक मंत्रियों को जल संकट की स्थिति से अवगत कराया. किंतु समाधान हेतु कोई रास्ता नहीं निकला. फिर लोगों ने 2009 में पूर्व राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी से संपर्क किया. उन्होंने गरीबों के समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए पत्थलकुदवा इस्लाम नगर को गोद ले लिया. गोद लेकर उन्होंने 15 लाख की लागत से क्षेत्र में ही एक लाख लीटर छमता वाला जल मीनार का निर्माण कराया. पास में ही डीप बोरिंग करा मोटर लगवाया. इस तरह 2009 की गर्मी से ली लोगों को पानी मिलना शुरू हो गया. लेकिन अतिक्रमण हटाओं अभियान में इस्लाम नगर पूरी तरह से उजड़ गया. फिर लोगों के रहने का आशियाना बिखर गया. इसे फिर से रूप देने में पूर्व राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी ने मुख्य भुमिका अदा की. आज इस्लामनगरवासियों के लिए उसी जगह सरकारी पहली पर इमारत बना कर दिये जा रहे हैं.

मालूम हो वर्तमान में परिमल नाथवानी आंध्र प्रदेश के राज्यसभा सांसद हैं. इस कारण वे झारखंड नहीं आ पाते हैं. उनकी बनायी जल मीनार पिछले सात साल से खराब है. सरकारी पहल पर यहां सप्लाई पानी का पाइप लाइन तो 2 वर्ष पूर्व ही बिछाया गया है. लेकिन उसमें पानी आज तक नहीं दिया गया है. साथ ही 4 मिनी एचवाईडीटी लगे हैं. लेकिन सभी से पानी नहीं मिलता हैं. पानी की भारी परेशानी शुरू हो गई है.

जलमीनार ठीक होने से बड़ी आबादी को मिल सकेगा पानी : मो शकील

हमदर्द कमेटी इस्लाम नगर के अध्यक्ष मो शकील ने कहा कि सात साल से जल मीनार खराब है, पूर्व राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी ने इसे अपने कोष से बनवाया था. आज वे झारखंड में नहीं हैं. निगम को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है.

पानी की बहुत परेशानी है, खराब जलमीनार बनानी जरूरी : साजदा

मोहल्ले की रहनेवाली साजदा खातून ने कहा कि पानी की परेशानी है. गर्मी में पानी के लिए यहां वहां भटकने को मजबूर होना पड़ता है. यदि यह जल मीनार बन जाए, तो पूरे क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी.

सरकारी पह पर सप्लाई पाइप बिछा मगर, पर पानी नहीं मिला : तसलीम

मो तसलीम ने कहा कि सरकारी पहल पर पानी के लिए क्षेत्र में सप्लाई पानी का पाई बिछाया गया है. पर उसमें पानी नहीं है, इस कारण गर्मी बढ़ते ही जल संकट गहराने लगता है. इस ओर ध्यान देने की जरूरत है

चार एचवाईडीटी हैं, पर जलस्तर गिरने के कारण पानी की परेशानी : मो सोनू

मो सोनू ने कहा कि क्षेत्र में चार मिनी एचवाइडीटी हैं. लेकिन इनका जल स्तर काफी गिर गया है, पानी की काफी कमी हो गई है. इसमें सुधार लाने की जरूरत है, ताकि लोगों को जल संकट से हल मिले.

लोगों ने कहा कि कई बार नगर निगम में ज्ञापन दिया कि खराब जल मीनार के मोटर को बदल दिया जाये तो यहां की 8000 की आबादी को कम खर्च पर पानी मिल जाएगा, मगर नगर निगम का इस ओर कोई ध्यान नहीं है.

हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों ने हेमंत को आईना दिखाया : प्रतुल

- हेमंत सोरेन के घर में 36 लाख रुपये की रिकवरी की दलीलों को हाईकोर्ट ने असमर्थनीय माना

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा है कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों ने हेमंत सरकार को आईना दिखाया है. प्रतुल रविवार को मीडिया सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में में बोल रहे थे. कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने के लिए जो याचिका दाखिल की थी, उसे हाईकोर्ट ने न सिर्फ खारिज किया बल्कि मुख्यमंत्री द्वारा राजनीतिक बदले का जो आरोप लगाया गया था, उसे एक हारे हुए मुवक्किल की आखिरी कोशिश की संज्ञा दे दी. हाईकोर्ट ने अपनी तल्ख टिप्पणी में यह भी कहा कि ईडी ने अब तक जितने साक्ष्य जुटाये हैं, प्रथम दृष्टया उसमें हेमंत सोरेन की इस घोटाले में संलिप्तता उजागर होती है. हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में हेमंत सोरेन के दिल्ली स्थित आवास में ईडी की छापेमारी में 36 लाख की रुपए की रिकवरी पर भी बड़ा प्रश्न खड़ा किया. कोर्ट ने हेमंत सोरेन द्वारा इसे अपने माता-पिता के इलाज के लिए जमा किए गए पैसे रखने की दलील को अनटेनेबल यानी असमर्थनीय माना.

भ्रष्टाचार व लूट के दलदल में फंस गई है सरकार

प्रतुल ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार चौतरफा भ्रष्टाचार और लूट के दलदल में फंस गई है. झामुमो की मान्यता अब जनता ही समाप्त कर देगी. प्रतुल ने कहा कि जिस पार्टी ने सिर्फ तुष्टिकरण के सहारे साढ़े चार वर्षो तक राजनीति की. उनके ही कार्यकाल में हिंदू फल दुकान लिखने पर जेल,सामान्य विद्यालयों को उर्दू विद्यालय बना दिया गया,एक आईएएस अफसर खुद को मुस्लिम अधिकारी बताते रहे, विधानसभा में बिना मांग के नमाज स्थल बना दिया, लव जिहाद की घटनाएं बढ़ी. अब वह भाजपा पर नफरत की राजनीति करने का आरोप लगा रही है.

न्यायिक दृष्टिकोण भी सख्त होता जा रहा : प्रतुल ने कहा, इसी तरीके से राज्य सरकार ने साहिबगंज के नींबू पहाड़ के अवैध खनन मामले में सीबीआई की जांच के आदेश को चुनौती दी थी. सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान जानना था कि राज्य सरकार इस जांच को रोकने के लिए क्यों इतनी उत्सुक है? अंतत राज्य सरकार की याचिका खारिज हो गई और सीबीआई जांच जारी रहेगी. स्पष्ट है कि जो हेमंत सोरेन के कार्यकाल में भ्रष्टाचार हुआ था, अब उस घोटाले पर न्यायिक दृष्टिकोण भी सख्त होता जा रहा है और न्यायालय पैनी नजर रख रही है.

अपने घर पार्टी का झंडा लगायें भाजपा समर्थक : महेश पोद्दार

- भारत निर्वाचन आयोग को भेजे अनुरोध पत्र से स्थिति स्पष्ट हुई

संवाददाता। रांची

पूर्व राज्यसभा सदस्य महेश पोद्दार ने भाजपा समर्थकों से अपने घर व दुकानों पर पार्टी का झंडा लगाने का अनुरोध किया है. उन्होंने कहा कि अपने खर्च पर अपनी दुकान या घर के बाहर या छत पर भाजपा के तीन झंडे लगाएं. उन्होंने कहा कि नियमों को लेकर पहले स्थानीय अधिकारियों में कुछ भ्रम की स्थिति थी. लेकिन निर्वाचन आयोग ने अपने पत्र से

स्थिति स्पष्ट कर दी है. पोद्दार ने कहा कि अब अगर कोई स्थानीय अधिकारी किसी नागरिक को अपने परिसर में झंडा लगाने से रोके, तो निर्वाचन आयोग के इस पत्र का हवाला दें. पत्र की प्रतिलिपि झारखंड के प्रदेश भाजपा कार्यालय में उपलब्ध है. मालूम हो कि महेश पोद्दार ने 16 अप्रैल को इस संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी करने के लिए केंद्रीय निर्वाचन आयुक्त को पत्र भेजा था. इसमें उन्होंने लिखा था कि नागरिकों को अपने पसंदीदा उम्मीदवार या पार्टी का झंडा लगाकर लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी का अवसर मिलना चाहिए. उनके अनुसार कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में अपने घरों पर झंडा लगाने वालों को स्थानीय अधिकारियों द्वारा परेशान करने की शिकायत मिल रही है, इसलिए इस संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी कर चुनाव कार्यों से जुड़े अधिकारियों को आम नागरिकों को परेशान करने से रोका जाए.

लोस चुनाव को लेकर तैयारी व कमियों पर किया गया मंथन

- आईजी अभियान ने जोनल आईजी, डीआईजी व एसपी के साथ की समीक्षा बैठक

संवाददाता। रांची

लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर आईजी अभियान की अध्यक्षता में रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक हुई. इसमें जिले के एसपी, रेंज के डीआईजी और जोनल आईजी शामिल हुए. इस दौरान चुनाव को लेकर की गयी तैयारी और कमियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया. साथ ही कई दिशा निर्देश भी दिए गए.

गौरतलब है कि झारखंड की 14 लोकसभा सीटों पर चौथे, पांचवे, छठवें और सातवें चरण में मतदान होना है. इनमें चार लोकसभा सीटों सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा और पलामू में 13 मई को चौथे चरण में मतदान होगा. 20 मई को चतरा, कोडरमा और हजारीबाग में पांचवे चरण का मतदान होगा. गिरिडीह, धनबाद, रांची और जमशेदपुर में 25 मई को छठवें चरण में मतदान होगा और राजमहल, दुमका और गोड्डा में एक जून को सातवें चरण में मतदान होगा. झारखंड में पांच सीटें एसटी और एक सीट एससी के लिए आरक्षित है. राज्य में 2.54 करोड़ से अधिक मतदाता हैं. इनमें 22 लाख मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे.

वोट की राजनीति करना ही जेएमएम और कांग्रेस का उद्देश्य : सुदेश महतो

व्यवसायी व युवा आजसू पार्टी में शामिल

प्रमुख संवाददाता। रांची

चुनाव और वोट की राजनीति करना ही जेएमएम-कांग्रेस का उद्देश्य रह गया है. जेएमएम- कांग्रेस की सरकार के साढ़े चार साल होने को हैं. इस दौरान राज्य ने बहुत कुछ खोया और सहा. अब वादाखिलाफी सरकार की विदाई का वक्त आया है. उक्त बातें पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में कहीं. इस दौरान मैट्रिक्स क्रॉप केअर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक नवीन कुमार, निदेशक सतेंद्र कुमार नारायण समेत कई युवाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की.

सुदेश कुमार महतो ने कहा कि सरकारी संरक्षण में खनिज संपदाओं का दोहन बदस्तूर जारी है. और इसने इतिहास बना दिया है. सरकार के पास युवाओं के नियोजन, सूखे खेतों में सिंचाई का प्रबंध करने के लिए कोई प्लान नहीं है. जिसका परिणाम है जनता, किसान, युवा सभी असहाय महसूस कर रहे हैं. राज्य में चौतरफा निराशा है. केंद्रीय अध्यक्ष ने कहा कि जीवन में एक सफल मुकाम हासिल करने के बाद वापस जमीन से जुड़कर काम करने की इच्छाशक्ति बहुत कम लोगों में होती है.

चंद्र प्रकाश चौधरी आज दाखिल करेंगे नामांकन

गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र से एनडीए के आजसू प्रत्याशी चंद्र प्रकाश चौधरी सोमवार को नामांकन दाखिल करेंगे. बोकारो के जैना मोड़ स्थित बांधडीह स्कूल मैदान में जनसभा भी होगी. इसको भाजपा प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, बिहार अध्यक्ष सम्राट चौधरी, आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो समेत गठबंधन के कई नेतागण संबोधित करेंगे.

मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व पर डाला गया प्रकाश

संवाददाता। रांची

सेल ने रविवार को अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए सेल सैटेलाइट टाउनशिप के इस्पात कार्यपालक छात्रावास में स्वास्थ्य वार्ता व योग सत्र आयोजित किया. डॉ. जेके रथ, इस्पात हॉस्पिटल के पूर्व सीएमओ व योग विशेषज्ञ रितु रूंगटा ने स्वास्थ्य वार्ता और योग सत्र में सेल कर्मियों को स्वास्थ्य के नुस्खे दिए. सेल, सीईटी के कार्यपालक निदेशक एसके वर्मा ने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला. डॉ. रथ ने अच्छे आहार और नियमित व्यायाम के अलावा मधुमेह, उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों को शुरुआती अवस्था में ही रोकने के लिए शीघ्र निदान व उचित चिकित्सा देखभाल पर जोर दिया.

लोकसभा चुनाव रांची लोकसभा क्षेत्र के लिये छठे चरण में 25 मई को होना है मतदान

सीज गाड़ियां जमा करने की आज आखिरी तारीख

संवाददाता। रांची

रांची लोकसभा क्षेत्र के लिये छठे चरण में 25 मई को मतदान होना है. जिला प्रशासन इसकी तैयारी में जुटा है. रांची जिले में खूंटी लोकसभा क्षेत्र के कुछ मांडर और तमाड़ विधानसभा के भी कुछ क्षेत्र आते हैं जहां मतदान 13 मई को होना है. इन क्षेत्रों में सेक्टर पदाधिकारी, ईवीएम और पोलिंग पार्टी को निर्धारित मतदान केंद्र तक पहुंचाने के लिए गाड़ियों की जरूरत होती है. रांची डीटीओ अखिलेश कुमार ने बताया कि चुनाव कराने के लिए गाड़ियों की व्यवस्था लगभग हो चुकी है. इन वाहनों में स्कॉर्पियो, सूमो और इनोवा शामिल हैं. अब तक जिले

में लगभग 200 कार सीज की गई हैं. साथ ही पोलिंग पार्टी के लिए बस की आवश्यकता होती है. इसके लिए स्कूलों से बसें ली जा रही हैं. वहीं प्राइवेट बसें सीज की जा रही हैं.

सुरक्षा बलों के लिए लगभग 150 प्राइवेट बसें उपयोग लाई जानी हैं. इन बसों को 25 अप्रैल तक पुलिस लाइन में जमा करना था. जिस किसी भी बस का अधिग्रहण आदेश निकाला गया है, उसे विभाग ने संशोधित करते हुए 5 मई किया है. जिला प्रशासन ने कहा है कि अपने-अपने वाहन 5 मई की सुबह 10 बजे से लेकर 6 मई की सुबह 8 बजे तक पुलिस लाइन, रांची में जमा करनी है. वाहन अधिग्रहण आदेश अथवा आवश्यकता अनुसार किसी भी तिथि के अनुसार वाहन जमा करने के आदेश में लापरवाही या उक्त आदेश की अवमानना को चुनाव अपराध के रूप में लिया जायेगा एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 167 के अंतर्गत एक वर्ष का कारावास एवं जुर्माना अथवा दोनों के साथ-साथ प्राथमिकी दर्ज कर वाहनों को ब्लैक लिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी.

कब से कब तक होगी गाड़ी जमा

रांची जिले में जिन वाहन मालिकों की गाड़ी को सीज किया गया है उन्हें 10 से 14 मई और 23 से लगभग 26 मई तक चुनाव कार्य के लिए गाड़ियां देनी होगी. इसके लिए कार मालिकों को 1470 रुपये प्रतिदिन और बस मालिकों को 3500 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से किराया दिया जाएगा.

दूसरे जिलों को दी गई हैं बसें

रांची डीटीओ अखिलेश कुमार ने बताया कि चुनाव कार्य के लिए रांची से दूसरे जिलों को 400 बसें दी गई हैं. इसमें लोहरदगा को 80, सिमडेगा को 120, गुमला और खूंटी को 100-100 बस दी गई हैं. उन्होंने बताया कि रांची जिले के लिए 150 प्राइवेट बसों की आवश्यकता होगी.

ब्राउन शुगर के साथ तीन गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

रांची रेलवे स्टेशन से आरपीएफ की टीम ने आज रविवार की सुबह 55.65 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ महिला समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है. आरपीएफ इंस्पेक्टर दिगंजय शर्मा के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की है. जानकारी के अनुसार, तस्कर रांची रेलवे स्टेशन पर ब्राउन शुगर की सप्लाई करने पहुंचे थे. लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया. बाद में आरपीएफ ने तीनों तस्करों को चुटिया थाना की पुलिस के हवाले कर दिया.

आरपीएफ को सूचना मिली थी कि रांची रेलवे स्टेशन पर ब्राउन शुगर की सप्लाई करने कुछ लोग ट्रेन से आने वाले हैं. आरपीएफ की टीम स्ट्रेशन पर आने-जाने वाले लोगों पर नजर

रख रही थी. आरपीएफ ने रेलवे स्टेशन से एक महिला समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया. उनके पास से 55.65 ग्राम ब्राउन शुगर भी बरामद हुआ है, जिसका बाजार मूल्य करीब 12 लाख बतायी जा रही है. आरपीएफ ने बताया कि यह गिरोह तीन पार्ट में ब्राउन शुगर का काम करता है. पहला रांची से बस पकड़कर सासाराम पहुंचता है. बड़े पैमाने में ब्राउन शुगर की डिलीवरी सासाराम में होती है. फिर तस्कर सासाराम से ब्राउन शुगर खरीदते हैं और ट्रेन से रांची आते हैं. रांची में सक्रिय ड्रैग पैडलर को ब्राउन की सप्लाई करके गुप्त ठिकानों पर चले जाते हैं.

प्रवचन : बूटी के टंगरा विश्वनाथ शिव मंदिर परिसर में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ का तीसरा दिन

जीवों की रक्षा करने की शिक्षा देता है सनातन धर्म : शिवानी कृष्णा

संवाददाता।रांची

सनातन धर्म सभी जीवों की रक्षा करने की शिक्षा देता है. इस आशय का उद्गार श्रीधाम वृंदावन से पधारी कथावाचिका शिवानी कृष्णा शुक्ला ने व्यक्त किया. बूटी के टंगरा विश्वनाथ शिव मंदिर परिसर में आयोजित श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन रविवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए शिवानी कृष्णा ने कहा कि सत्य ही सनातन है, बाकी पंथ हैं.

उन्होंने कहा कि सत्संग के बिना जीवन अधूरा है. भगवत प्राप्ति की व्याकुलता अगर जीवन में आ गई है तो यह जीवन की सबसे बड़ी

उपलब्धि है. मनुष्य को स्वयं पर और अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण रख कर स्वार्थ से ऊपर उठ कर स्वकर्तव्य को पूरा करना चाहिए. यही मनुष्य का सच्चा कर्म है. कथावाचक ने कहा कि सच्चा कर्म जब होता है तो वही भक्ति में परिवर्तित हो जाता है. हरि शरणं नाम का जाप जीवन की सभी व्याधियों को दूर कर देता है. इस कारण हर मनुष्य को सुबह उठ कर हरि शरणम् का जाप करना चाहिए. उन्होंने कहा कि भागवत कथा सुनने की इच्छा करने मात्र से ही श्री हरि हृदय में बस जाते हैं. प्रभु की कृपा से सब कुछ संभव है. उनके प्रसाद में करुणा है, जिससे तनाव दूर होता है. गीता के श्रीकृष्ण मानव को कर्म सिखाते हैं. तीन गुणों में सतोगुण सर्वश्रेष्ठ कर्म है. इसमें परमार्थ समाया रहता है. सतोगुणी अपनी चिंता छोड़ कर दीन-दुखियों की सेवा में जुटा रहता है. तमोगुणी परलोक की परवाह नहीं करता है. रजोगुणी एश्वर्य पर नजर लगाए रहता है. कथा के समापन पर आरती हुई. इसके बाद भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण हुआ. इससे पूर्व बाबा विश्वनाथ शिव मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों एवं मुख्य यजमान ने व्यास पीठ की आरती उतारी. कथा स्थल पर ट्रस्ट के अध्यक्ष नरसिंह प्रसाद, सचिव बब्लू सिंह, सदस्य विनोद कुमार सिन्हा, ललन, प्रवीण कुमार, विनय रंजन जायसवाल, अरुण मेहता, विभाष तिवारी, अभिमन्यू सिन्हा, सनोज कुमार, वीरेंद्र कुमार, विभाष तिवारी, भागीरथ सिंह, रमन द्विवेदी समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे

रविवार को भी खुला रहा रांची डाक मंडल कार्यालय

डाक विभाग ने लोगों के घरों तक पहुंचाए 10 हजार वोटर आईडी कार्ड

संवाददाता।रांची

राज्य में लोकसभा चुनाव की तैयारी जोरशोर से चल रही है. चुनाव में ज्यादा से ज्यादा लोगों से मतदान कराने की तैयारी निर्वाचन आयोग ने कर रखी है. आम नागरिकों की सुविधा के लिए रविवार को भी रांची डाक मंडल कार्यालय खुला रहा. रांची और खूंटी जिला में लोगों के घर तक वोटर कार्ड भेजा गया. रांची मंडल के अंतर्गत आनेवाले इलाकों में डाकियों के सहयोग से लोगों के घरो तक मतदाता पहचान पत्र पहुंचाया गया. डाक अधीक्षक उदयभान सिंह ने कहा कि डाक विभाग को निर्वाचन आयोग का लगभग 53 हजार

वोटर आईडी कार्ड वितरित करना है. सभी कार्ड को जीपीओ के मदद से लोगों के घरों तक तक पहुंचाना है. रविवार को डाकिया और जीडीएस भाइयों की मदद से लगभग 10 हजार वोटर आईडी कार्ड लोगों के घरों तक पहुंचाए गए. अब आमलोगों को मतदान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए.

ब्रीफ खबरें

श्री सर्वेश्वरी समूह ने रातू में लगाया प्याऊ

रांची। श्री सर्वेश्वरी समूह की रांची शाखा ने आज रविवार को रातू ब्लॉक स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास निशुल्क प्याऊ का शुभारंभ किया. निशुल्क प्याऊ लगने से इस भीषण गर्मी में स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजों सहित अन्य लोगों को स्वच्छ एवं शीतल जल मिलेगी. निशुल्क प्याऊ की शुरुआत से पहले विधिवत पूजन किया गया. इस वर्ष भी दो महीने यानी ग्रीष्म ऋतु तक लोगों के लिए निशुल्क पेयजल की व्यवस्था करायी जा रही. कार्यक्रम में समूह शाखा रांची की ओर से रणजीत सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, आशुतोष कुमार, गिरेन्द्र नाथ शाहदेव, रोहित कुमार सिंह, सौरभ कुमार, समर सिंह, यदुनाथ शाहदेव, रितिका शाहदेव सहित मोहल्ले के लोग शामिल हुए.

रांची जिला सीनियर वुशू प्रतियोगिता संपन्न

रांची। रांची जिला वुशू प्रतियोगिता रविवार को मोराबादी स्थित वुशू हॉल में संपन्न हुआ. सीनियर वर्ग के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में रांची के लगभग 100 सीनियर खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनके लिए अलग अलग भार वर्ग के लिए प्रतियोगिता कराया गया. प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि रुप में आरईओ के सुबोध कुमार यादव सहित झारखंड वुशु एसोसिएशन के शैलेन्द्र दुबे, रत्नेश गुप्ता समेत अन्य लोग शामिल थे. प्रतियोगिता के सफल संचालन में दीपक गोप, सुशील कच्छप, रत्नेश गुप्ता, वाहिद अली, कार्तिक राम, और बिमला टोप्पो की महत्वपूर्ण भूमिका रही.

उल्लासपूर्वक संपन्न हुआ गो परिक्रमा मंदिर का प्रथम वार्षिकोत्सव, संगीतमय भजनों पर झूमे श्रद्धालु

सुकरहुटू में बही भक्ति की गंगा

संवाददाता।रांची

गो माता सेवा समिति रांची के तत्वावधान में रविवार को सुकरहुटू कांके गोशाला में नवनिर्मित श्री गोपाल कृष्ण जी के गो परिक्रमा मंदिर का प्रथम वार्षिकोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिसमें दिनभर भक्ति की गंगा प्रवाहित होती रही. इस अवसर पर भगवान के विग्रह, मंदिर परिसर एवं श्री कृष्ण गोपाल का सुगंधित पुष्पों से अलौकिक नयनाभिराम श्रृंगार, अखंड ज्योत, महाभोग प्रसाद भंडारा, भजन कीर्तन, महाआरती कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

महोत्सव का शुभारंभ सुबह नौ बजे श्री गणेश जी के आवाह्न एवं श्री गोपाल प्रभु का धार्मिक अनुष्ठान एवं पूरे विधि विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना कर फल, मेवा, मिठाई का भोग अर्पित किया गया तथा पावन अखंड ज्योत प्रज्वलित कर महाप्रसाद का भोग लगाया गया.

इस महोत्सव में श्री हनुमान मंडल, श्री श्याम मंडल सहित कई भजन मंडलियों के गायकों द्वारा संगीतमय संकीर्तन प्रारंभ कर भजनों की अमृत वर्षा की गयी. भजन गायक मनीष सोनी, सज्जन पाड़िया, विजय खोवाल, श्रवण अग्रवाल, वी.डांगा सहित कई भजन गायकों ने अपनी सुमधुर भजनों की गंगा प्रवाहित कर भगवान श्री कृष्ण के श्री चरणों में भजनों की लड़ी लगा दी. उनके गाए भजनों में प्रमुख हैं

प्रेम का तिनका जोड़ झोपड़ी बनी दीवानी की.., सांवरे की महफिल को सांवरा सजाता है..,मेरी झोपड़ी के भाग्य आज जाग जाएंगे श्याम प्रभु आएंगे.. सुनो सुनो हनुमान जी एक जरूरी काम जी राम प्रभु से करवा दे भक्तों की पहचान जी. पूरा मंदिर परिसर का वातावरण मधुर भजनों से कृष्णमय हो गया, जहां फूलों की वर्षा की गई. संगीतमय भजनों से श्रोता भक्तगण भाव विभोर होते हुए खूब झूमे. महोत्सव में सैकड़ो भक्तों ने भंडारा महाप्रसाद का भोग ग्रहण किया. सामूहिक रूप से महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ वार्षिकोत्सव का कार्यक्रम संपन्न हुआ.

खास बातें

- श्री गणेश के आवाहन के साथ प्रारंभ हुए विभिन्न अनुष्ठान
- वैदिक मंत्रोच्चारके साथ हुई गोपाल की पूजा-अर्चना

गो माता सेवा समिति ने किया अभिनंदन

गो माता सेवा समिति ने महोत्सव में आए सभी आगंतुक अतिथियों सहित रांची गोशाला न्यास समिति, रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी युवा मंच, अग्रवाल युवा सभा के पदाधिकारियों को अंग वस्त्र ओढ़ाकर एवं भोग प्रसाद देकर अभिनंदन किया. समिति के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि महोत्सव में समिति के संरक्षक राजकुमार गाड़ोदिया, महोत्सव संयोजक अशोक गाड़ोदिया, अध्यक्ष प्रमोद बजाज, सचिव मुकेश पोद्दार, विधायक सीपी सिंह, प्रदीप राजगढ़िया, भागचंद पोद्दार, रतन जालान, सज्जन सर्राफ, पुनीत पोद्दार, राजकुमार केडिया, विष्णु

सोनी, सुरेश जैन, प्रकाश काबरा, संजय सर्राफ, अमर पोद्दार, विजय सरायका, दिलीप जालान, ललित पोद्दार, पवन बगड़िया, प्रदीप कनोई, मुरारी अग्रवाल, सूर्यो गोयनका, अमरजीत गिरधर, मुकेश काबरा, सज्जन पाड़िया, सतीश तुलस्यान, विजय खोवाल,राजेंद्र अग्रवाल, किशन अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं भक्तगण उपस्थित थे.

अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद की बैठक

पेसा कानून हुबहू सख्ती से लागू किया जाए : बाना मुंडा

संवाददाता।रांची

अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के कचहरी चौक स्थित आरआईटी बिल्डिंग कार्यालय में रविवार को जादो उरांव की अध्यक्षता में बैठक हुई. अध्यक्षता बाना मुंडा ने की. महासचिव जादो उरांव ने कहा कि आदिवासियों के रहन-सहन और रूढ़ीवादी परंपरा पर विचार विमर्श करने की जरूरत है. छोटानगपुर कास्तकारी अधिनियम 1908, पांचवी अनुसूची 1950 और पेसा कानून 1996 के अंतर्गत कानून व्यवस्था लागू है. लेकिन इसके बावजूद झारखंड में आदिवासी समाज खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है. अध्यक्ष बाना मुंडा ने कहा कि सीएनटी /एसपीटी एक्ट लागू है, फिर भी आदिवासियों की जमीन की खरीद-बिक्री धड़ल्ले से हो रहा है. आदिवासियों के जल, जंगल व जमीन की लूटसोट जारी है. आदिवासी बहुल क्षेत्र में पांचवी अनुसूची लागू है. इन क्षेत्रों में आदिवासियों की जनसंख्या तेजी से घट रही है. राज्य में पेसा कानून को सख्ती से लागू किया जाए, तभी आदिवासी समाज को उसका हक, अधिकार मिल सकेगा और उनकी संस्कृति को बचाया जा सकता है.बैठक में बाना मुंडा के अलावा अजय लिंडा, बंधु कच्छप, जयराम किस्पोट्टा, प्रदीप लकड़ा, दीपक समेत परिषद के दर्जनों सदस्या शामिल थे.

परशुराम जन्मोत्सव 10 मई को बच्चों के बीच हुईं प्रतियोगिताएं

संवाददाता।रांची

मारवाड़ी ब्राह्मण सभा रांची की ओर से 10 मई को आयोजित होने वाली भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पूर्व सभा द्वारा समाज की महिलाओं एवं बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं आयोजित की गई. आयोजन रविवार को मारवाड़ी ब्राह्मण भवन में किया गया. मौके पर बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज की महिलाएं एवं बच्चे शामिल हुए. प्रतियोगिताओं में भाषण, लेखन, कुर्सी दौड़ एवं फैंसी ड्रेस के आयोजन हुए. महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़ की प्रतियोगिता हुई, विभिन्न स्कूलों की शिक्षिकाएं शामिल हुई. शिक्षिका अनुभा शर्मा, रश्मि शर्मा, स्नेहा शर्मा ने निर्णायक की भूमिका निभाई. समस्त कार्यक्रमों में सभा अध्यक्ष रमेश चंद्र शर्मा, मंत्री कृष्ण लाल शर्मा, कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर, संयोजक अशोक पुरोहित, सुनील शर्मा, सह संयोजक नथमल शर्मा, अमित सारस्वत, कमल शर्मा, मनीष शर्मा, चेतन माटोलिया, महिला समिति की ममता शर्मा, अनीता शर्मा, खुशी शर्मा, अमृता शर्मा, नीलम शर्मा, बिंदु शर्मा, पिंकी शर्मा समेत सभा की सभी पूर्व एवं वर्तमान कार्यकारिणी की सभी सदस्य शामिल थीं. विजयी प्रतिभागियों को परशुराम जन्मोत्सव के दिन पुरस्कृत किया जायेगा.

विश्व हास्य दिवस पर योग गुरु के साथ बच्चों ने बिताये रोचक पल

आईआईटी की तैयारी कर रहे बच्चों को बताये गये स्ट्रेस कम करने के तरीके

संवाददाता।रांची

खंडेलवाल क्लासेज रांची में निदेशक केके खंडेलवाल के अनुरोध पर रविवार को हास्य योग गुरु अजीत कुमार ने विश्व हास्य दिवस पर आईआईटी की तैयारी कर रहे बच्चों को हास्य योग की कई क्रियाएं कराईं. सभी छात्र -छात्राओं के तनाव को कम करने का प्रयास किया गया. सभी बच्चों ने भरपूर हास्य योग का आनंद लिया. कुमार ने हास्य योग की विशेषता बताते हुए हमेशा हंसते-मुस्कुराते हुए पढ़ाई करने की सलाह दी. कहा कि सकारात्मक ऊर्जा मिलने से बच्चे पढ़ाई ठीक से कर सकेंगे.

कार्यक्रम की शुरुआत योग गुरु सूरज व हास्य साधक जेएन गुप्ता ने संयुक्त रूप से गायत्री मंत्र से किया.

भारत के हास्य गुरु जितेन कोही के मार्गदर्शन में "हंसता भारत- स्वस्थ भारत" का संदेश के साथ देश - विदेश में हास्य योग क्रियाएं निःशुल्क कराई जा रही हैं. कुमार ने प्रणाम हास्य, शिकायत, प्रशंसा, पंछी, बैलून, बेली, लस्सी, फोटो फ्रेमिंग, शाबसी, सेल्फी जैसी कई हास्य क्रियाएं कराईं. बता दें कि कुमार को 23 मार्च को पुणे में आयोजित राष्ट्रीय हास्य योग अवार्ड समारोह में "बच्चों के साथ हास्य योग" कैटेगरी में राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था, जो झारखंड राज्य के लिए पहला पुरस्कार था. अंत में शांति पाठ कर सभी बच्चों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा में सफल होने के लिए शुभकामनाएं दी गईं.

1500 श्रद्धालुओं ने लिया श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का प्रसाद

संवाददाता।रांची

श्री कृष्ण प्रणामी महिला समिति के सौजन्य से रविवार को 148 वें अन्नपूर्णा भंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें 1500 श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया. पुंदाग स्थित संस्था के निर्माणाधीन मंगल राधिका सदानंद दिव्यांग सेवाधाम आश्रम के प्रांगण में अवस्थित श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर के प्रांगण में संस्था के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल एवं सचिव मनोज कुमार चौधरी की देखरेख मे संस्था की वरिष्ठ सदस्य बिमला जालान, सत्यभामा देवी, संतोष देवी अग्रवाल तथा सरोज पोद्दार के द्वारा अन्नपूर्णा भंडारे का विधिवत उद्घाटन किया गया. इसके बाद विधिवत वितरण प्रारंभ किया गया. भंडारे के प्रसाद में

पूड़ी, आलू-टमाटर मिश्रित सब्जी, केसरिया खीर, वेजिटेबल खिचडी, जलजीरा का बोतलबंद जूस, चिप्स एवं प्रत्येक व्यक्ति एक लीटर मिनरल वाटर की व्यवस्था की गयी थी. भंडारे की सेवा में संस्था के

अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज कुमार चौधरी, पूर्णमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, ओमप्रकाश सरावगी, नन्द किशोर चौधरी, पवन पोद्दार, विशाल जालान, प्रभाष गोयल, ज्ञान प्रकाश शर्मा, चिरंजीलाल खंडेलवाल, अंजनी अग्रवाल, चन्द्रदीप साहु, हरीश कुमार, प्रेम कुमार, धीरज कुमार गुप्ता, परमेश्वर साहु, महेश वर्मा, महिला समिति की वरिष्ठ सदस्या उर्मिला पाडिया एवं संस्था के अनेक सदस्य उपस्थित थे.

रांची में 10 मई से सुपर स्टार जादूगर शो शुरू

रांची। रांची में एक बार फिर लोगों के मनोरंजन के लिए जादूगर का शो होगा, जिसमें चमत्कारों का प्रदर्शन होगा. यह कार्यक्रम वेंडर मार्केट में 10 मई से शुरू किया जाएगा. जापान में सुपर हिट हाउसफुल मैजिक करने वाले महान शोमैन जादूगर जे. कुमार रविवार को रांची पहुंच गये हैं. कचहरी रोड स्थित वेंडर मार्केट के फोर्थ फ्लोर पर विश्व प्रसिद्ध इंद्रजाल मैजिक शो का शुभारंभ होगा. शो के प्रचार-प्रसार की तैयारियां जोर शोर से की जा रही हैं. जादूगर के प्रतिनिधि मदन भारती ने बताया कि शो में अलग-अलग जादुई करतब दिखाया जाएगा. उन करतबों में स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी का गायब होना, मंच पर हेलीकॉप्टर का यात्री समेत प्रकट होना , नोटों की बरसात, लड़की का खूंखार जानवर बनना आदि अनेक करतब दो घंटे के शो में दिखाया जाएगा. हास्य भरे करतब भी शो में होंगे. इसके साथ ही सामाजिक जनसंदेश भी दिया जाएगा.

झारखंड के 30 आदिवासी छात्रों के बीच स्कॉलरशिप वितरित

संवाददाता।रांची

जनजातीय डिजाइन मंच के तत्वावधान में रविवार को ट्राइबल डिज़ाइन फोरम घाटशिला ने रविवार को रांची प्रेस क्लब में 30 आदिवासी छात्रों के बीच स्कॉलरशिप का वितरण किया. सभी विद्यार्थियो को एसएससी की तैयारी करने के लिए वनपीक्यू एप, स्टेडी मेटेरियल और सर्टिफिकेट दिये गये. इस मौके पर संयोजक श्यामलाल मुर्मू ने कहा कि झारखण्ड से कुल 30 एसएससी अभ्यर्थियों को एसएससी परीक्षा की तैयारी के लिए स्कॉलरशिप प्रदान किया गया है. भारत के 19 राज्यों के 44 जनजातीय समुदाय से कुल 161 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था. जिसमें झारखंड के 30 विद्यार्थी शामिल हुए. ऐसे युवा अभ्यर्थियों को शैक्षणिक सहयोग प्रदान करना है. जिन्हें आर्थिक चुनौतियों या पाठ्यसामग्री की अनुपलब्धता के कारण एसएससी परीक्षा की तैयारी में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. ट्राइबल डिज़ाइन फॉर इंडिया देश के सभी जनजातीय समुदाय के युवा डिज़ाइनरों और क्रिएटिव प्रोफेसशनल्स का समूह है, जो डिज़ाइन कार्यप्रणाली को आधार बना कर जनजातीय समुदाय के समस्याओं के समाधान के दिशा में काम करती है. जनजातीय समाज में शिक्षा को प्रोत्साहन देने का प्रयास करता है.

शिक्षा क्षेत्र पासवा ने झारखंड के निजी स्कूल संचालकों व प्राचार्यों के साथ बैठक की

आरटीई की कठिन शर्तों को तत्काल राज्य सरकार रद्द करे: दुबे

संवाददाता।रांची

संपूर्ण झारखंड के निजी स्कूलों के संचालकों और प्राचार्यों की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को पासवा के हरमू स्थित कार्यालय में संपन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने की.मौके पर निजी विद्यालय संचालकों ने 2019 में पिछली सरकार द्वारा जमीन संबंधी बाध्यता कानून को लेकर मूल आरटीई कानून में किए गए संशोधन को निरस्त करने का आग्रह राज्य सरकार और सभी राजनीतिक दलों से किया. दुबे ने कहा राजनीतिक दलों ने अगर अपने घोषणा पत्र में आरटीई कानून संशोधन निरस्त

करने का प्रस्ताव नहीं लाया, तो राज्य के 47 हजार निजी विद्यालयों के प्रिंसिपल, डायरेक्टर वहां काम करने वाले लाखों शिक्षक, कर्मचारी एवं अभिभावक झारखंड के लोकसभा चुनाव में अपनी भूमिका सुनिश्चित करेंगे. बैठक में निजी विद्यालयों के निदेशक अरविंद कुमार,डॉ सुषमा केरकेट्टा, संजय कुमार,आलोक विपिन टोप्पो, राशीद अंसारी, मनोज कुमार भट्ट, अल्ताफ अंसारी, राष्ट्रपति अवार्डी फलक फातिमा सहित कई अन्य ने अपनी बात रखी.

निजी स्कूल संचालकों ने बैठक में राज्य सरकार से आग्रह किया गया है कि भीषण गर्मी को देखते हुए विद्यालय संचालन की अनुमति सुबह 6:30 बजे से 9:30 बजे तक दी जाए. अभी से ही पूरी तरह से स्कूल बंद कर देना कहीं से भी उचित नहीं है. अगर लगातार स्कूल लंबी अवधि तक बंद रह गये, तो लगभग 45 दिनों तक गर्मी छुट्टियां होंगी, जिससे बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह से बाधित होगी. अचानक रात में स्कूल बंद करने का अध्यादेश जारी करने से बच्चों को होमवर्क भी नहीं दिया जा सका, ताकि उनकी पढ़ाई जारी रहती. लेकिन अचानक स्कूल बंद कर दिए गए. अभिभावक परेशान हैं. अभिभावकों का कहना है कि यदि होमवर्क मिला होता, तो बच्चे उसे पूरा करने के बहाने ही पढ़ाई करते. लेकिन ऐसा न हो सका.

पासवा अध्यक्ष बोले

भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूल सुबह 6 .30 से 09 .30 तक चलाने की अनुमित दे सरकार . अभी से गर्मी छुट्टी हुई, तो ध्वस्त हो जाएगी बच्चों की पढ़ाई और झारखंड की शिक्षण व्यवस्था .

उत्तरी-दक्षिणी छोटानागपुर व पलामू प्रमंडल स्तरीय प्रभारियों की नियुक्ति

झारखंड राज्य कबड्डी संघ की बैठक में जिला संघों का निबंधन कराने का निर्णय

संवाददाता।रांची

कचहरी चौक स्थित होटल जेड थ्री में रविवार को झारखंड राज्य कबड्डी संघ की विशेष बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता चंचल भट्टाचार्य ने की. बैठक में कबड्डी संघ के विभिन्न जिला के अध्यक्ष-सचिव के अलावा क्लब के अध्यक्ष व सचिव ने भाग लिया. सभी पदाधिकारियों ने जिला संघ व राज्य संघ के की मजबूती के लिए अपने-अपने सुझाव दिए. बैठक में दिल्ली हाईकोर्ट के निर्णय के अनुसार, जिला संघों का भी निबंधन कार्यालय से निबंधन करने का भी

निर्णय लिया गया. बैठक में संघ के अध्यक्ष तपन रावत, सचिव संजय कुमार झा, कोषाध्यक्ष हरीश कुमार, मनोज शर्मा, मोहम्मद हकीम, राजेश कुमार वर्मा, रामधीन साव, एमपी सिंह, तिलक साव, रमेश कुमार साव, जसवंत साहू, संतोष प्रसाद अनुपूर्ति, अंगद सिंह, श्यामल दास,दीपक तिवारी समेत अन्य लोग शामिल थे. मौके पर प्रमंडलीय प्रभारियों की भी नियुक्ति की गई. दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल से सुनील कच्छप व बीरबल लोहरा, पलामू प्रमंडल से दीपक तिवारी व मो अशफाक अहमद मुन्ना और उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल से मिंटू ठाकुर व मनोज शर्मा प्रभारी बने.

ब्रीफ खबरें

मतदाताओं के बीच चला जागरूकता अभियान

राहे। प्रखंड के अम्बाझरिया पंचायत के चंदवाटुंगरी बूथ 149 में लोगों के बीच मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया.सेविका और बीएलओ जालीबीना टोप्पो के द्वारा ग्रामीणों के बीच मतदान प्रक्रिया को बारीकी से बताया गया.इस दौरान मतदाता पर्ची का वितरण किया गया.

बुढ़मू में बंद घर का ताला तोड़कर चोरी

बुढ़मू। ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के उरुगुट्टू गांव में बंद घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने नगद समेत गहनों की चोरी कर लिया. जानकारी के अनुसार गांव के डिब्रु महतो के सभी परिजन घर बंद करके सब्जी बेचने बाजार गये थे. इसी बीच अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर घर में रखे 80 हजार नगद,जेवरात समेत अन्य सामानों की चोरी कर लिया. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की छानबीन कर रही है. विदित हो कि क्षेत्र में बंद घर से पिछले एक महीने में कई घरों से चोरी हुई है. लेकिन किसी घटना का अबतक उदभेदन नहीं से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है.

एसएसबी के जवानों ने मनाया पर्यावरण दिवस

राहे। पर्यावरण दिवस पर एसएसबी 26 वी वाहिनी पर्यावरण जागरूकता अभियान कार्यक्रम आयोजित किया. एसएसबी 26 वी बटालियन के ए कम्पनी सताकी के जवानों के द्वारा सताकी के अन्तर्गत ग्राम हल्दीबेड़ा गांव में पर्यावरण जागरूकता अभियान कार्यक्रम किया गया. गांव के बच्चे,महिला और पुरुषों के बीच पर्यावरण से संबंधित जानकारी दी गयी. कम्पनी कमांडर शशि कुमार ने बताया कि कैसे पर्यावरण को बचाना है और भविष्य में क्या लाभ मिलेगी . इस अभियान में ए कम्पनी के कमांडर शशि कुमार के साथ सहायक उपनिरीक्षक तिलक राज, और अन्य जवान इस अभियान में मौजूद थे.

मेसरा में मां रक्षा काली की पूजा कल, लगेगा मेला

मेसरा। मेसरा गांव में सात मई बैशाख अमावस्या की रात्रि पर मां रक्षा काली पूजा-अर्चना की जायेगी. वहीं भव्य मेला का भी आयोजन होगा. मेले की सभी तरह की तैयारी कर ली गयी है. मध्य रात्रि यहां झारखंड समेत बिहार और बंगाल से एक लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है. बताया जाता है कि राज्य के अलग-अलग जिलों से श्रद्धालु यहां बकरे की बलि देने पहुंचते हैं. मेसरा राज परिवार के भगवान शेखर ने बताया कि 160 वर्ष से यह पूजा होती आ रही है. पुरोहित ने बताया कि मंगलवार की रात्रि 12 बजे से बुधवार को दिन भर बलि अनुष्ठान होगा. बुधवार की सुबह पांच बजे से महाभोग का वितरण किया जायेगा.

बुढ़मू पुलिस ने बालू लदे तीन ट्रैक्टर जब्त किये

बुढ़मू। बुढ़मू पुलिस की बालू माफियाओं पर कार्रवाई जारी है, इसी कड़ी में रविवार देर शाम बालू लदे तीन ट्रैक्टर को जब्त कर थाने ले आयी. थाना प्रभारी ने बताया कि रविवार को गुप्त सूचना मिली की तीन ट्रैक्टर बालू लोड कर चोरी छुपे निकाल रहे है. सूचना पर थाना प्रभारी रामजी कुमार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों ट्रैक्टर को जब्त किया है. जिससे माफियाओं में एक बार फिर हड़कंप मच गया है.इस दौरान थाना प्रभारी ने कहा कि किसी भी हाल में बालू की अवैध तस्करी नहीं करने दी देंगे.

17.7 किमी लंबी चौड़ीकरण कार्य में कुल 3200 पेड़ों को काटा जाना है,ग्रामीणों में आक्रोश

रांची-मुरी मार्ग पर काटे गये एक हजार से अधिक पेड़

संवाददाता। अनगड़ा

रांची-मुरी मार्ग पर नामकुम-अनगड़ा सेक्शन की चौड़ीकरण कार्य में अब तक एक हजार से अधिक पेड़ काट डाले गये हैं. 17.7 किमी लंबी चौड़ीकरण कार्य में कुल 3200 पेड़ों को काटा जाना है. पेड़ काटने को लेकर वन विभाग ने सशर्त अनुमति दे दी है. पेड़ के काटने जाने के बाद तीन गुणा अधिक पेड़ लगाने का निर्देश पथ निर्माण विभाग को दिया गया है. इधर, अचानक इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों काट दिये जाने के बाद पूरा क्षेत्र वीरान हो गया है. ग्रामीणों और राहगीरों को कहीं भी पेड़ का छाया नसीब नहीं हो रहा है. स्थानीय लोगों के अनुसार पेड़ों के काटे जाने से पर्यावरण पर भी असर पड़ा है. आमतौर पर पेड़ों के रहने के कारण शाम में लोगों को ठंडी हवा का एहसास होता था, लेकिन पेड़ के काट दिये जाने के कारण रात में भी लोगों के पसीने छूट रहे हैं. काटे गये पेड़ों की लकड़ियों को वन विभाग ने डिपो में जमा कर रखा है. इसकी नीलामी की जायेगी. पेड़ों के काटे जाने से मार्ग पर जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो रही है. इधर, सड़क चौड़ीकरण कार्य प्रगति पर है. मार्ग पर नये पुल-पुलियों का निर्माण हो रहा है. वहीं अतिक्रमण हटाने का भी काम हो रहा है.

- काटे गये पेड़ों की लकड़ियों को वन विभाग डिपो में जमा कर रहा है
- पेड़ों के काटे जाने से मार्ग पर जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो रही है
- पेड़ काटे जाने से ग्रामीणों में आक्रोश,पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का आरोप

फर्जी दस्तावेज के सहारे 6.81 करोड़ की जीएसटी चोरी का खुलासा

जीएसटी की चोरी में कहीं आपके दस्तावेज तो नहीं

रिजवान शम्स। धनबाद

जीएसटी की चोरी करने वाले शातिर खिलाड़ी पहले कानून से बचने के उपाय करते हैं और बाद में करोड़ों रुपये के घोटाले. धनबाद में 6.81 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी मामले में खुलासा हुआ है कि शातिरों ने दूसरे के प्रमाण पत्रों और दस्तावेजों का प्रयोग कर कंपनी का पंजीकरण कराया था. जिस व्यक्ति का प्रमाण पत्र और दस्तावेजों का प्रयोग किया है, उसके खिलाफ ही प्राथमिकी भी दर्ज हुई है.

पुलिस की जांच में पहले उसे ही दबोचा जाएगा और फिर उसे पुलिस और कोर्ट की अन्य कार्रवाई से गुजरना ही होगा. ये बात अलग है कि पुलिस जब तक उस तक नहीं पहुंचेगी, तब तक तो उसे मालूम भी नहीं होगा कि उसकी कोई कंपनी भी है. दरअसल, रविवार को धनबाद थाने में नागरीय अंचल के राज्य कर पदाधिकारी गुफरान अहमद द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमे में इस बात का खुलासा हुआ है कि फर्जीवाड़ा करनेवाली कंपनी ने काफी शातिराना अंदाज में दस्तावेजों को बनाने का काम किया. पंजीकरण में प्रयोग किए गए सारे दस्तावेजों फर्जी तरीके से बनाए गए हैं. विभाग ने इस मामले में उन्हें ही गवाह बना दिया है कि जिनकी जमीन पर फर्जी एग्रीमेंट दिखा कर उक्त कंपनी चलाने की बात कही गई थी.

फर्जीवाड़े का ऐसे हुआ खुलासा : श्रीराम एंड कंपनी ने पांच फरवरी 2022 को पंजीकरण कराया था. इसके बाद करीब दो साल तक कारोबार किया. 2021-2022 में जीएसटी आउटपुट कर का भुगतान नहीं किया गया, तब विभाग की ओर से कंपनी संचालक छोटू राम को नोटिस किया गया. लेकिन नोटिस का जवाब विभाग को नहीं मिला. फिर विभाग की ओर छानबीन की गई. जांच में पाया गया कि कंपनी ने धनबाद थाना क्षेत्र का विशुनपुर का जो पता दिया था, वहां कोई कंपनी है ही नहीं. यहां तक कि जिस किराए के मकान में कंपनी चलाने की बात कही गई, वहां जाने पर कई और चौंकाने वाले खुलासे हुए.

- विभाग की जांच में पांच कंपनियां फर्जी निकलीं
- फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बनायी गयी थी कंपनी

धनबाद से यूपी तक के शातिर शामिल

छह करोड़ 81 लाख रुपये की जीएसटी चोरी के मामले में धनबाद के छोटू राम पर मुकदमा दर्ज हुआ है. लेकिन, इस मामले में यूपी की चार कंपनियां भी कार्रवाई की जद में हैं. इनमें वाराणसी की तुलसी इंटाप्राइजेज और मुगलसराय की कंपनी क्लीप इंडिया, गाजियाबाद की कंपनी राज ट्रेडर्स शामिल हैं. ये सभी कंपनियां फर्जी दस्वावेजों के आधार पर खड़ी की गई और इनसे कारोबार कर जीएसटी की चोरी की गई है. इनमें प्रयुक्त दस्तावेजों को खंगाला जा रहा है.

फर्जी दस्तावेज का किया गया प्रयोग

मकान मालिक कमल नयन के पास जांच के लिए पहुंचने पर जीएसटी टीम को पता चला कि उन्होंने किसी के साथ कोई एग्रीमेंट किया ही नहीं है. न ही उनकी जमीन पर कोई किराएदार है. इकरारनामा बनाने के लिए दस्तावेजों का जुगाड़ किया गया था और फिर ऑनलाइन पोर्टल में पंजीकरण कराया गया. विभागीय सूत्रों की मानें, तो खुद छोटू राम के दस्तावेज भी जुगाड़ किए गए होंगे. उनका पैन नंबर, मोबाइल नंबर, आदि चीजों की व्यवस्था के बाद कंपनी का पंजीकरण कराया गया होगा. क्योंकि, छानबीन के क्रम में छोटू राम के बारे में भी कोई जानकारी नहीं मिल सकी.

इन चीजों से करें परहेज

1. हर जगह पर अपने महत्वपूर्ण प्रमाण पत्र और दस्तावेज की फोटोकॉपी न कराएं.
2. भरोसेमंद प्रज्ञा केंद्रों से ही ऑनलाइन काम करें.
3. कोई भी ओटीपी शेयर न करें.
4. आपके आधार से कितने मोबाइल नंबरों का प्रयोग हो रहा, इसकी जानकारी रखें.
5. अपने दस्तावेजों आधार-पैन की कॉपी बिना सही कारण के किसी को न दें.
6. जरूरत पड़ने पर तत्काल पुलिस से संपर्क करें.

अभाविप के कार्यकर्ताओं ने चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

मांडर। अभाविप मांडर इकाई के कार्यकर्ताओं ने रविवार को प्रखंड के चटवल करगे, रेगे, तिगोई अंबाटोली, मठटोली, हेसल घुघरी सहित अन्य गांवों में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया. वहीं गांव में बैठक कर लोगों से राष्ट्रहित में शत प्रतिशत मतदान करने के लिए प्रेरित किया. बताया गया अभाविप कि झारखंड प्रांत की ओर से शत प्रतिशत मतदान को लेकर पूरे प्रदेश में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. इसके तहत पिछले एक सप्ताह से कार्यकर्ता गांव-गांव जा रहे हैं. वोट फॉर भारत का कैंपेन चला रहे हैं. मांडर में चलाये गये अभियान में प्रांत कार्यकारिणी सदस्य आदर्श प्रसाद, जिला संयोजक उत्कर्ष तिवारी, शिवम पाठक, ओम प्रणव, धीरज, सीताराम, विक्की राहुल, कुणाल, राजा सहित अन्य शामिल थे.

जिप सदस्य पार्वती कुमारी का हुआ अंतिम संस्कार

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड पूर्वी जिप सदस्य पार्वती कुमारी का अंतिम संस्कार रविवार को बेड़ो बाजारटांड़ स्थित मसना में किया गया. मुखाग्नि पति जगरनाथ भगत ने दी. इससे पहले पोस्टमार्टम के बाद शव पैतृक निवास स्थान गुमला रोड लाया गया, जहां भारी संख्या में ग्रामीण पहुंचे थे. ज्ञात हो कि ट्रेन से कट जाने से शनिवार को जिप सदस्य की मौत हो गयी थी. इस घटना से भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में शोक है. ग्रामीणों के अनुसार पार्वती कुमारी सरल स्वभाव की और मिलनसार थीं. मौत की खबर मिलते ही भाजपा के लोहरदगा लोकसभा प्रत्याशी समीर उरांव, विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व विधायक शिव शंकर उरांव, सन्नी टोप्पो, जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत, जिप पूनम देवी आदि शामिल हुए.

न्यूज अपडेट

कार्यकर्ता कमल के फूल को लेकर जनसंपर्क करे: वर्मा

सिल्ली। सिल्ली के पतराहातू में भाजपा के केंद्रीय चुनाव कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने चुनावी तैयारी को लेकर रविवार को बैठक की. सभा की अध्यक्षता एवं संचालन विधानसभा संयोजक विनय महतो धीरज ने किया. कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश महामंत्री सह राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने कहा कि कार्यकर्ता कमल के फूल को हाथ में लेकर भाजपा के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करें.सभी कार्यकर्ता वोट मांगने निकले तभी रांची लोकसभा में ज्यादा अंतर से जीत हासिल कर सकेंगे. वहीं मुख्य अतिथि संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि भाजपा ने लोगों को जगाने का काम किया है. भाजपा गांव के अंतिम व्यक्ति को सबल और समृद्ध करने की योजना को लेकर चल रही है. इस मौके पर विधानसभा प्रभारी जितेंद्र पटेल, सहसंयोजक शंकर भगत, चितरंजन महतो, महिला मोर्चा नेत्री बीना देवी, मनोज महतो, मीडिया प्रभारी खगेश्वर महतो, मंडल अध्यक्ष सृष्टिधर प्रजापति, विधानसभा स्तरीय मंडल के पदाधिकारी, शक्ति केंद्र के संयोजक, सहसंयोजक, समेत वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे.

करंट लगने से गंभीर रूप से युवक झुलसा, रेफर

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार के समीपवर्ती क्षेत्र बुंडु में बिजली प्रवाहित तार की चपेट में आने से एक युवक गंभीर रूप से झुलस गया हैं . परिजन तत्काल उसे बचरा क्षेत्रीय अस्पताल ले गये. जहां चिकित्सकों ने उसे प्राथमिक उपचार के पश्चात बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया गया हैं . परिजनों ने बताया की वह अपने घर के समीप दिन के 11.30 बजे किसी काम से उसे स्थान से गुजर रहा था .रास्ते में बिजली के पोल से बिजली प्रवाहित तार गिरा हुआ था. जिसमे बिजली प्रवाहित हो रही थी. रंजीत साव उसी तार की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गये. परिजनों ने किसी तरह उसे बिजली प्रवाहित तार की चपेट से छुड़ाया और उसे स्थानीय बचरा क्षेत्रीय अस्पताल लाया गया जहां युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार किए जाने के पश्चात तत्काल उसे रिम्स रेफर कर दिया गया है .

डकरा में वुशू खिलाड़ियों सलेक्शन ट्रायल आयोजन

डकरा। केन्द्रीय विद्यालय डकरा के प्रांगण में चतरा जिला वुशू संघ ने सलेक्शन ट्रायल का आयोजन किया. जिसमें जिले के 50 जूनियर एवं सीनियर खिलाड़ियों ने अपना ट्रायल देकर चतरा जिला वुशू जूनियर एवं सीनियर टीम में स्थान निश्चित किया. ताऊलू स्पर्धा में उज्ज्वल पाल, विक्रम गंझु, रौशनी कुमारी, सुमो कुमारी, अविनाश कुमार गंझु, जेठु गंझु, भाष्कर ठाकुर, अंकित कुमार, शिवम उरांव, ललन यादव, पिन्टु महतो, रोहित कुमार गंझु, हिमांशु सागर, आयुष साव, कुसुम कुमारी, डॉली कुमारी, शीतल कुमारी,तनु कुमारी, और सनसाऊ (फाईट) मे अर्पित श्रीवास्तव, आशुतोष कुमार, कृष्णा गंझु, नेहाल श्रीवास्तव, मो आरिफ, राजकुमार सिंह, अनुज कुमार, ईन्द्रजित सिंह, पवन कुमार, बन्धु यादव, रुपलाल महतो का चयन किया गया. सभी चयनित खिलाड़ी रांची में आगामी 12 से 13 मई को 20 वां जूनियर स्टेट वुशू चैम्पियनशिप और 2 से 3 जून को लॉन बॉल स्टेडियम नामकुम में सीनियर स्टेट चैम्पियनशिप आयोजन में भाग लेंगे.

ट्रैक्टर के पलटने से चालक की दबकर हुई मौत

सोनाहातू। बालू लदा ट्रैक्टर के पलटने से एक युवक की मौत हो गयी. मिली जानकारी के अनुसार प्रखंड क्षेत्र के जिंतु पंचायत के मिटकुटोली में रविवार सुबह बालू लदा ट्रैक्टर पलटने से चालक 22 वर्षीय युवक सत्यानारायण सिंह मुंडा की मौत हो गयी है. घटना कि सूचना पर सोनाहातू पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है. घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि चोरी छिपे बालू लेकर ट्रैक्टर जा रहा था. हड़बड़ी मैं संतुलन बिगड़ जाने से ट्रैक्टर पलट गया ,जिससे चालक की मौत हो गयी. मृतक सोनाहातू थाना क्षेत्र के गोमियाडीह गांव का रहने वाला था. मृतक के माता पिता नहीं है. एक वर्ष पूर्व ही शादी किया था. फोटो 02

श्री हनुमान मंदिर का द्वितीय वार्षिकोत्सव शुरू

बुढ़मू। कांके प्रखंड के मनातू टंगटंगटोला गांव में श्री हनुमान मंदिर का द्वितीय वार्षिकोत्सव सह तीन दिवसीय यज्ञ समारोह का शुभारंभ रविवार को कलशयात्रा के साथ हुआ. कलश यात्रा में 501 कन्याओं व महिलाओं ने भाग लिया. कलश वितरण सांसद संजय सेठ,भाजपा के वरीय नेता स्वामी देवेंद्र प्रकाश,ठानो मुंडा ने संयुक्त रूप से किया. मौके पर सांसद ने कहा कि यज्ञ होने से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो जाता है. साथ ही उन्होंने कहा कि जहां धर्म होता है वहां साक्षात ईश्वर का वास होता है. कलशयात्रा के दौरान महिलाओं के गगनचुंबी जयघोषों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया. यज्ञ के सभी अनुष्ठान आचार्य रुद्रनाथ मिश्रा,अविनाश मिश्रा व वरुण वैद्य के सानिध्य में सम्पन्न हो रहा है. कलशयात्रा के आयोजन में समिति के विनोद महतो,रामकिशुन महतो,मनोज गोप,राजेश गोप, दिलीप महतो,अवधेश महतो आदि की सराहनीय भूमिका रही.

संकुल स्तरीय सेवक सेविक चालक कार्यशाला का आयोजन

पिपरवार। खलारी स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर पुरानीराय मे द्विसंकुल स्तरीय सेवक सेविका चालक उपचालक कार्यशाला का आयोजन रविवार को किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्या विकास समिति झारखंड के प्रदेश सचिव अजय कुमार तिवारी एवं रांची विभाग निरीक्षक फणिनंद्र नाथ झा ने दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया गया . इसके पश्चात प्रदेश सचिव द्वारा सुझाव एवं आग्रह के आधार पर चालक एवं सेवक सेविका ने अपने मंतव्य साझा किया . कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के प्रधानाचार्य गणेश महतो ने किया. कस्टम का समापन शांति मंत्र वाचन कर किया गया .इस मौके पर संकुल संयोजन अवधेश कुमार सिंह ,संकुल प्रमुख गोपाल मिस्त्री विश्वकर्मा,विद्यालय सचिव फुलेश्वर महतो, सौखी महतो, एतवारा महतो, तारकेश्वर महतो, सहित बेड़ो डकरा संकुल के सभी प्रधानाचार्य सेवक सेविका उपस्थित थे .

हफुआ शिव मंदिर में दो दिवसीय मंडा पूजा 28 से

संवाददाता। पिपरवार

शिव मंडा पूजा सह नागपुरी संस्कृति कार्यक्रम के आयोजन को लेकर किचटो पंचायत अंतर्गत हफुआ शिव मंदिर परिसर में रविवार को ग्रामीणों ने बैठक की . बैठक में 28-29 मई को मंडा पूजा धूमधाम से मनाने और 29 मई नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन किए जाने का निर्णय लिया गया . बैठक की अध्यक्षता गणेश महतो एवं संचालन समाजसेवी मणिलाल महतो ने किया . शिव मंडा पूजा आयोजन को लेकर 16 मई को संपूर्ण पंचायत क्षेत्र में डागर दिया जाना सुनिश्चित किया गया है . बैठक में मुख्य रूप से देवेंद्र कुमार संगम, मनीलाल महतो, रामप्रसाद महतो, गणेश महतो, युगेशवर महतो, मुकेश महतो, चिंतामनी महतो, महेंद्र महतो, रंजय कुमार, उमेश महतो, अर्जुन महतो, संजय महतो, रविंद्र महतो, गणेश (सूली) महतो आदि शामिल थे.

आदिवासी बच्ची से दुष्कर्म के बाद गला घोंट कर हत्या की

दरिंदगी

संवाददाता। बोकारो

- शादी समारोह में अपने रिश्तेदार के घर आई थी बच्ची, हत्या के बाद झाड़ियों में छिपा दिया गया था शव

बोकारो जिले के पेटरवार थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में आठ साल की आदिवासी बच्ची का गला घोंट कर हत्या करने का मामला सामने आया है. वारदात को अंजाम देने के बाद हत्यारे ने शव को घर के कुछ ही दूरी पर सुनसान झाड़ियों में छुपा दिया. परिवार वालों ने बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जतायी है. मृतका की मां ने बताया कि हमलोग अपने परिवार के घर शादी समारोह में शामिल होने आए थे.

बहुभोज कार्यक्रम में शामिल होकर वापस घर लौटने की तैयारी कर रहे थे, तभी अचानक बच्ची गायब हो गई. काफी खोजबीन के बाद भी रात में उसका कुछ पता नहीं चल सका. सुबह लोग शौच के लिए गए, तो घर के बगल सुनसान झाड़ियों में खून से लथपथ बच्ची का शव देखा गया. सूचना मिलने पर पेटरवार थाना प्रभारी कृष्ण कुमार कुशवाहा दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन में जुट गए. शव को तेनुघाट अनुमंडल अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया. वहीं, घटना स्थल पर पहुंचे बेरमो एसडीपीओ वशिष्ठ नारायण सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या का मामला लग रहा है. पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है, ताकि जल्द से जल्द अपराधियों को गिरफ्तार किया जा सके.

दिशा-निर्देश अवर न्यायाधीश ने लीगल टीम के साथ धनबाद मंडल कारा का लिया जायजा

बीमार बंदियों को इलाज के लिए उच्च स्वास्थ्य केंद्र भेजें

संवाददाता। धनबाद

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने रविवार को लीगल ऐड डिफेंस काउंसिल की टीम के साथ मंडल कारा धनबाद का निरीक्षण किया. जेल में कुल 636 दोषसिद्ध व विचाराधीन बंदी हैं. न्यायाधीश ने कारागार के प्रत्येक बैरक में पहुंच कर बंदियों से उनके स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, नास्ता, भोजन व मुकदमे में पैरवी के लिए अधिवक्ता होने अथवा न होने की जानकारी ली.

स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए न्यायाधीश ने बंदियों के शौचालयों की साफ-सफाई का निर्देश दिया. कारागार अस्पताल में निरुद्ध बीमार बंदियों के बेहतर इलाज के लिए उन्हें उच्च स्वास्थ्य सेंटर भेजे जाने, शिक्षापरक एवं रोजगारपरक शिविरों का आयोजन कराकर उन्हें प्रशिक्षित किए जाने का निर्देश दिया. इस दौरान कुछ ऐसे बंदी मिले, जिनकी उम्र 18 वर्ष से कम देखने में प्रतीत हो रही थी. न्यायाधीश ने उन बंदियों को दूसरे बंदियों से अलग वार्ड में रखने का निर्देश जेलर को दिया. एलएडीसीएस को निर्देश दिया कि उनके घरवालों से संपर्क कर उनके जन्म संबंधी प्रमाण पत्र की व्यवस्था कर आवश्यक कार्रवाई करें.

न्यायाधीश ने महिला बैरक में निरुद्ध कुल 26 महिला बंदियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली. निरीक्षण के दौरान जेलर को निर्देशित किया गया कि सभी बंदियों का वर्तमान डेटा जेल के पीएलवी के माध्यम से कंप्यूटर में फीड कराई जाए. निरुद्ध सभी महिला बंदी स्वस्थ पायी गयीं. न्यायाधीश ने चिकित्सा सुविधाओं, पुस्तकालय, रसोई घर, भोजन, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र और ध्यान सह योग केंद्र में सुविधाओं का जायजा लिया.

बंदियों को दी गई कानून की जानकारी

इसके पूर्व मंडल कारा धनबाद में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में न्यायाधीश एलएडीसीएस के चीफ कुमार विमलेंदु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट ने बंदियों के अधिकार, जमानत संबंधी प्रावधान व प्ली बारगेनिंग अधिनियम, हाईकोर्ट द्वारा चलाए जा रहे यूटीआरसी स्कीम के बारे में जानकारी दी. अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने वैसे बंदी जो साधारण अपराध के मामलों में जेल में बंद है तथा जो अधिवक्ता रखने में सक्षम नहीं है, उन्हें यूटीआरसी स्कीम के तहत 15 मई तक कानूनी प्रक्रिया द्वार जमानत याचिका दायर करने का निर्देश एलएडीसीएस को दिया.

कोयला मजदूरों की समस्याओं को लेकर संयुक्त मोर्चा ने की बैठक

संवाददाता। डकरा

वीआईपी सभागार डकरा में संयुक्त श्रमिक संगठन की बैठक मिथलेश सिंह की अध्यक्षता में हुई. बैठक में मोर्चा ने संडे एवं पेड हॉलिडे के लिए हाजरी की सीमा समाप्त करने, मजदूरों का प्रमोशन, एसएलपी समय देने, सिविल के कार्यों की समीक्षा कर फिजूलखर्ची पर रोक लगाने,पूर्व में हुए कार्यों की जांच कराने एवं ग्रेच्युटी संबंधित लंबित सभी मामले तत्काल हल करने आदि मुद्दों पर चर्चा की गई. साथ ही सहमति बनी की एनके प्रबंधन इन मुद्दों पर सकारात्मक पहल नहीं करती है तो संयुक्त मोर्चा आंदोलन करने को बाध्य होगी. बैठक संचालन डीपी सिंह ने किया. इस मौके पर प्रेम कुमार,अमरभूषण सिंह, गोल्डन प्रसाद यादव, कृष्णा चौहान,प्रमोद कुमार पाठक, शैलेन्द्र कुमार सिंह, दिनेश भर, अरविन्द कुमार, संजय प्रसाद, बूटन चौहान,नवीन चंद्र महतो, अमिताभ चौहान, अजय चौहान, अभिजीत कुमार, बिरेन पासवान, राजेंद्र चौहान, जय मंगल सिंह, रामप्रवेश नायक,तपेशर कुमार यादव, रमेश कुमार सिंह, रणजीत केशरी, मनोज कुमार चुरी, बिनोद कुमार सतनामी, मनोज कुमार डकरा, उदय कुमार सिंह, पिंकू सिंह, गोबिंद कुमार साहू , मो जसमुदिन, ईशान गंझु, टेकलाल महतो, नागेशर दुसाध आदि मौजूद थे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष खर्च भाव में ग्रहण दोष लगा है. आय कम खर्च ज्यादा होगा. किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी. माता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. पुराना रोग उभर सकता है. विवाद से क्लेश संभव है, पर सुख के सामान मिलेंगे. अन्न का दान करें.

वृषभ लग्न में चन्द्र-राहु का योग है. मानसिक तनाव वाला दिन होगा. दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी. कार्य में विलंब होगा. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. पारिवारिक चिंता बनी रहेगी. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें.

मिथुन गलत कार्य से बचना चाहिए. डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. भाग्य का साथ रहेगा. व्यापार में वृद्धि के योग हैं. निवेश शुभ रहेगा. आय होगी. गणेश जी का पूजन करें. माता का आशीर्वाद लें.

कर्क ससुराल से लाभ का योग बन रहा है. नई योजना बनेगी. आय का नया मार्ग मिलेगा. कारोबार में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. नए व्यापारिक अनुबंध होंगे. धनार्जन होगा. लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

सिंह किसी से बिना वजह का विवाद हो सकता है. दिन बेकार का उलझन होगा. साम को लाभ के अवसर हाथ आएंगे. परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा. आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार अच्छा चलेगा. नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्नता रहेंगे.

कन्या समय सामान्य है. क्रोध से बचें अकारण ही विवाद हो सकता है. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आय में निश्चितता होगी. ऐश्वर्य पर व्यय होगा.

तुला उदर विकार उत्पन्न हो सकता है. समय सामान्य है. साम को अज्ञात भय सताएगा. पुराना रोग उभर सकता है. भागदौड़ रहेगी. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा. अन्न दान करें.

वृश्चिक प्रेम में धोखा मिल सकता है. संतान के प्रति कार्य और जिम्मेवारी पूर्ण होगा. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. व्यर्थ भागदौड़ होगी. कार्य में विलंब होगा. चिंता तथा तनाव रहेंगे.. हनुमान जी का पूजन करें.

धनु माता के स्वास्थ्य पर ध्यान रखना चाहिए. आपके कार्य का विरोध हो सकता है. विरोधी सक्रिय रहेंगे. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में चैन रहेगा. आय में वृद्धि होगी.

मकर अति पराक्रम हानि का कारण बन सकता है. भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी. कोई बड़ा लाभ हो सकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें. चोट व रोग से बचें. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. शनि को खुश करें.

कुंभ क्रोध पर नियंत्रण आवश्यक है. आय में वृद्धि होगी. पराक्रम बढ़ेगा. किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा. कारोबार में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा. चोट व रोग से बचें.

मीन समय बहुत ही उत्तम है. सुख के साधन जुटेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. निवेशादि शुभ रहेंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. स्त्री पक्ष से लाभ होगा. अज्ञात भय रहेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. अन्न दान करें.

मझगांव के कुमारडुंगी में अंधारी ताडीसाई मैदान में चुनावी जनसभा में जुटी झामुमो की टीम

झारखंड कोल विद्रोह की धरती है: चंपाई सोरेन

मो वासी । मझगांव

मझगांव विधानसभा के कुमारडुंगी प्रखंड अंतर्गत अंधारी ताडीसाई मैदान में रविवार को इंडिया गठबंधन के सिंहभूम लोकसभा प्रत्याशी जोबा मांझी के समर्थन में चुनावी जनसभा हुआ. जिसमें झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, इंडिया गठबंधन प्रत्याशी जोबा मांझी व मझगांव विधायक निरल पूर्ति ने चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए जमकर केंद्र सरकार, मधु कोड़ा एवं गीता कोड़ा पर निशाना साधा. सीएम चंपाई ने कहा कि बीते 10 वर्षों से प्रधानमंत्री सिर्फ जुमलेबाजी कर रहे हैं. झारखंड की जनता के साथ पूर्व की डबल इंजन सरकार ने धोखा करते आ रही है. वर्तमान केंद्र सरकार भी 10 वर्षों से झारखंड के जनता को धोखा देने का कार्य किया है. झारखंड के आदिवासी मूलवासी किस राज्य का मालिक है. हमलोगों की संस्कृति व भाषा जल, जंगल और जमीन से जुड़ी है. भाजपा यह नहीं सोचती है. झारखंड का मानकी मुंडा प्रथम काफी मजबूत है. लेकिन देश का प्रधानमंत्री इसे खत्म करने पर तुला है. यह धरती कोल विद्रोह की धरती है. राज्य का जल, जंगल और जमीन आदिवासियों का है. लेकिन केंद्र सरकार वन अधिकार को खत्म करना चाह रही है. भाजपा को आदिवासी बोलने पर हिचकती है. भाजपा झारखंड की जगह वनांचल कहती है. पश्चिम सिंहभूम के नोवामुंडी, जामदा, किरीबुरु आदि जगहों के खनिज संपदा को बिक्री कर अपनी संपत्ति बनाती है.

चंपाई सोरेन ने कहा कि खनिज संपदा से राज्य का विकास होना चाहिए लेकिन केंद्र सरकार अपना विकास कर रही है. भाजपा 15-15 लाख देने का वादा कर और अच्छे दिन का सपना दिखाकर सत्ता में आई. लेकिन एक भी वादा पूरा नहीं की. भाजपा के पिछले डबल इंजन के सरकार ने एक भी बात पूरा नहीं हुई है. यहां के गरीबों का 10-11 लाख राशन कार्ड को भी हटा दिया. भाजपा सरकार राज्य के आदिवासी मूलवासी को अच्छा शिक्षा देना नहीं चाहती है. इसलिए उन्होंने 5000 प्राथमिक विद्यालय को बंद करवा दिया. ताकि यहां के गरीबों के बच्चे पढ़ाई नहीं कर सकें. कभी शिक्षा की बात नहीं की. कभी रोजगार की बात नहीं की. भाजपा सिर्फ भ्रष्टाचार में लिपटी रही है. इसलिए यहां की जनता ने पिछले विधानसभा के चुनाव में भाजपा को धूल चटाने का कार्य किया. कोल्हान से उनका सुपड़ा साफ कर दिया. गरीब आदिवासी शिबू सोरेन का बेटा हेमंत सोरेन को यहां की जनता ने मुख्यमंत्री बनाकर सदन में भेजा. वे झारखंड का विकास कर रहे थे. गरीबों को अबुआ आवास, वृद्ध पेंशन सहित जनकल्याणकारी योजनाएं चलाकर राज्य का विकास तीव्र गति से कर रहे थे. लेकिन भाजपा ने षडयंत्र रचकर हेमंत को झूठे केस में डालकर जेल भेज दिया. भाजपा की केंद्र सरकार ने झारखंड में प्रधानमंत्री आवास देना बंद कर दिया. लेकिन आज की भीड़ देखकर लग रही है कि आप पूरी तरह से तैयार हैं भाजपा सरकार को केंद्र से हटाने के लिए.

अभी दो विचारों की लड़ाई चल रही है : बन्ना गुप्ता

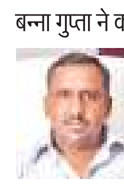

बन्ना गुप्ता ने कहा कि आज दो विचारों की लड़ाई चल रही है. जात व धर्म के नाम पर हिंदू को मुसलमान जाति के नाम पर लड़ाने का कार्य कर रही है. दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन खड़ी है जो शांति, भाईचारा और विकास की बात करती है. झारखंड राज्य वीर सपूतों का है. यहां के लोग छुरा भौंकने का कार्य नहीं करते हैं. देश के प्रधानमंत्री यहां आए और हिंदू मुस्लिम को लड़ाने की बात कह कर गए. लेकिन हमलोग उनके मंसूबों को कभी कामयाब होने नहीं देंगे. पूर्व में भाजपा मधु कोड़ा और गीता कोड़ा को काफी भ्रष्ट कहती थी, लेकिन आज वाशिंग पाउडर निरमा के वाशिंग मशीन में धुलकर ईमानदार बन गए. शिबू सोरेन के बेटे हेमंत सोरेन राज्य को तरक्की के राह में ले जा रहे थे, लेकिन केंद्र सरकार को झारखंड का विकास बर्दाश्त नहीं हुआ. उन्होंने हेमंत सोरेन को झूठे केस में फंसाकर जेल भेज दिया. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन बार-बार सारना कोड लागू करने के लिए केंद्र को भेज रहे हैं, लेकिन केंद्र सरकार इस पर चुप्पी साधी हुई है. केंद्र सरकार यहां के आदिवासी मूलवासी के बारे में कभी नहीं सोचती है.

चुनाव हमारे अस्तित्व की लड़ाई है: जोबा मांझी

इंडिया गठबंधन प्रत्याशी जोबा मांझी ने कहा कि यह लोकसभा चुनाव हमारी अस्तित्व की लड़ाई है. प्रधानमंत्री चाईबासा में आकर विकास की एक भी बातें नहीं कहीं. इच्छा खरकाई दम विस्थापित के विषय पर कुछ भी बात नहीं की. भाजपा पहले गीता और मधु कोड़ा पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रही थी. लेकिन उसे ही अपने वाशिंग मशीन में डालकर साफ सुथरा बना लिया. अगर यहां पर भाजपा की सरकार बनती है तो हमारे जल, जंगल और जमीन को बेचने का कार्य करेगी. इसलिए आप सभी आगामी 13 मई को तीर धनुष छाप में बटन दबाकर हमें जिताने का कार्य करें. हम संसद में आपकी आवाज बनेंगे. मझगांव विधायक नीरज पूर्ति ने कहा कि हमलोगों ने पिछले लोकसभा चुनाव में जिस प्रत्याशी को चुना था वह पाला बदलकर भाजपा में चली गई. शिबू सोरेन ने कहा कि बेटा लड़ाई लड़कर अलग राज्य तुमलोगों को दे दिया है. इसकी हिफाजत करना तुमलोगों का कार्य है. कैसे हिफाज़त करोगे. अगर सही से रखवाली नहीं करोगे तो यह चोरी हो जाएगा. चुनाव आया है. तरह-तरह की राजनीतिक पार्टियां आपके यहां पर आएंगीं. कौन सही कौन गलत है यह चुनाव आपको करना है. हमारे इंडिया गठबंधन प्रत्याशी को ऐतिहासिक मतों से जिताकर सांसद भेजना है, ताकि हम गरीबों की आवाज को संसद में उठा सके. जल, जंगल व जमीन को बचाने के लिए स्वर्गीय देवेंद्र मांझी ने अपना बलिदान दे दिया. आज उन्हीं की पत्नी को हमलोगों ने लोकसभा प्रत्याशी बनाया है. उन्हें जिताने की जिम्मेदारी आपलोगों की है. इस बार अगर हम चूक गए तो भाजपा जीतकर संविधान को बदलेगी और आदिवासी मूलवासी अल्पसंख्यक, एससी प्रथम को खत्म करेगी. मौके पर पूर्व मंत्री देवेंद्र नाथ चांपिया, सोनाराम देवगन, सुनील सिरका, चंद्रशेखर दास, पूनम जेराई, मोनिका बोईपाय, मथुरा कोडेंकल, सरस्वती चातार, सनी सिंकु, देवराज चातार, मासूम राजा, मोहम्मद फैयाज, शैलेश गोप, रितेश तामसोय, आकिब अहमद, मधुधान आदि उपस्थित थे.

चतरा में एक प्रत्याशी ऐसा भी...

आये थे फिल्म बनाने, समस्या देख चुनावी दंगल में कूद पड़े

समीर चक्रवर्ती । रांची

जल, जंगल और जमीन की रक्षा की मांग को लेकर मुंबई से भाया बनारस डालटनगंज तक की पदयात्रा कर अपनी आवाज बुलंद करनेवाले युवा सख्स आज लोगों की आवाज बनने के लिए चतरा लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में ताल ठोक रहे हैं. हम बात कर रहे मशहूर फिल्म निर्देशक श्रीराम डालटन की. जी हां, वहीं श्रीराम डालटन जिनकी पहचान शॉर्ट फिल्म "द लॉस्ट बहरूपिया" से बनी है. इस फिल्म के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से नवाजा गया था. श्रीराम डालटन उर्फ श्रीराम सिंह मूल रूप से पलामू के रहनेवाले हैं. उनकी पत्नी मेघा श्रीराम डालटन भी बॉलीवुड की मशहूर सिंगर हैं. एक तरफ जहां दूसरे प्रत्याशियों की ओर से कारों का काफिला दौड़ाया जा रहा है, कार्यकर्ताओं की फौज उतारी जा रही है, वहीं दूसरी ओर इस कड़कती धूप में श्रीराम डालटन हाथ में एक तख्ती लेकर चतरा की धरती माप रहे हैं. उनका यह रूप चतरावासियों को पसंद भी आ रहा है. राह चलते बेहद आम लोगों से चतरा की धड़कन को समझने की कोशिश में लगे हैं. हार-जीत तो अपनी जगह है, यदि श्रीराम डालटन किसान, मजूदर, युवा के साथ ही आम लोगों की जिंदगी के मुद्दे को सियासी विमर्श का हिस्सा बनाने में कामयाब रहते हैं, तो यही बड़ी उपलब्धि होगी. चतरा में प्रचार के लिए निकले श्रीराम डालटन के हाथ में महज एक तख्ती रहती है और उस तख्ती पर बड़े-बड़े अक्षरों में उनका नाम और सियासी सुरमाओं की मौजूदगी में जीत का संकल्प है. उनसे शुभम संदेश संवाददाता ने कई मुद्दों पर बातचीत की. प्रस्तुत है बातचीत के मुख्य अंशः

सवाल: आप तो फिल्म निर्देशक हैं, फिर चुनाव क्यों लड़ रहे हैं?

जवाब : मैं तो पलामू आया था फिल्म बनाने. यहां के जल, जंगल और जमीन की लूट देख कर मेरा मन भर गया. कैसे जंगल और जमीन को बचायें, मैंने अपनी फिल्म स्प्रिंग थंडर में इसी पर काम किया. लोगों की समस्याएं देखी और इससे निजात पाने के लिए मैं 15 वर्षों से प्रयासरत हूं. मेरी लड़ाई जारी है, आगे भी जारी रहेगी. मैं तो यही कहूंगा- मै तो अकेले ही चला था जानिबे मंजिल की ओर, पर लोग मिलते गये और कारवां बनता गया.

सवाल : धनबल और बाहुबल के दौर में अकेले चुनाव प्रचार करने से जीत संभव है क्या?

जवाब : हंसते हुए कहते हैं...लोग मुझे देख रहे हैं. पिछले छह माह से मैं चतरा में लगातार लोगों से मिल रहा हूं, लोग मुझसे मिल रहे हैं. अब तो स्कूल- कॉलेज के यूथ ही मेरे साथ आकर मुझे राय दे रहे हैं, दादा यहां चलो. कोई कह रहा, भइया मेरे साथ चलें, कुछ लोगों को लगता है कि मुंबई से आया है, फिल्मी कलाकार है, खूब पैसा खर्च करेगा. लेकिन मैं सभी को बोलता हूं कि मेरे पास पैसा नहीं है. मैं आप लोगों की लड़ाई लड़ रहा हूं, तो लोग खुद ही हर तरह से सहयोग कर रहे हैं.

सवाल : चुनाव में आपके मुद्दे क्या-क्या होंगे?

जवाब : देखिए, ये चुनाव सिर्फ जल,जंगल और जमीन की रक्षा के लिए ही नहीं है. चतरा लोकसभा क्षेत्र की स्थिति बेहद खराब है. यहां शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ ही साथ मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव है. चतरा जिले के साथ ही लातेहार और पलामू जिले के पांकी को देखें. ये पूरा इलाका आज भी अच्छी शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सेवा से वंचित है. इसे ठीक करना प्राथमिकता होगी. मेरी दिली तमन्ना है कि नेतरहाट स्कूल में भी काशी हिंदू विश्वविद्यालय की तरह उच्च शिक्षा की व्यवस्था हो. कारण बीएचयू जैसा कैंपस और शिक्षा का माहौल यहां भी है. इसे सिर्फ सही तरीके से विकसित करना है. चुनाव सिर्फ जीत -हार के लिए नहीं लड़ा जाता है, ब्लिक जीत हार से ज्यादा महत्वपूर्ण वैसे मुद्दे और संकल्प हैं, जिसे आप जमीन पर उतराना चाहते हैं. महत्वपूर्ण यह नहीं है कि कितने लोगों के हाथ में आपके नाम की तख्ती है. उससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि जिन मुद्दों और संकल्प को आवाज देने के लिए आपकी आत्मा तड़प रही है, उसकी पहुंच कितने लोगों तक होती है. हमारी कोशिश लोगों को अपनी तख्ती पकड़ाने के बजाय उन संकल्पों को आगे बढ़ाने की है. आम आदमी की जिन चुनौतियों को हम फिल्मों के माध्यम से आवाज देते रहे हैं, उन चुनौतियों पर बहस की शुरुआत करने की है.

सवाल : आने वाले दिनों में कैसा समाज देखना चाहते हैं

जवाब : चतरा की यह धरती किस मुकाम को पाना चाहती है,, इसका कोई ब्लू प्रिंट नहीं है. दरअसल वे एक सियासी व्यापारी हैं, आज इस दल में, कल उस दल में. ना सिर्फ उनका झंडा बदलता है, बल्कि पार्टियों में बदलाव के साथ उनका संकल्प भी बदलता रहता है. उनके पास अपनी कोई वैचारिकी नहीं है, कोई सपना नहीं है, जिन सपनों के बूते वे चतरा को एक नये संकल्प के साथ भर सकें. चुनाव खत्म, दुकानदारी बंद. लेकिन हमारे लिए हमारा सपना एक मिशन है, हम उसी के लिए जीते हैं. हमारा वह सपना कभी फिल्मों के माध्यम से सामने आता है, तो कभी संघर्ष के दूसरे रास्तों से, लेकिन कारवां नहीं रुकता है. मैं 15 साल से लगातार आवाज बुलंद कर रहा हूं.

उरलुंग व पाहनबेड़ा गांव में बुनियादी सुविधाओं का अभाव

न जलमीनार है न पक्की सड़क

दुर्वेज आलम । रामगढ़

चुनाव चाहे हजारीबाग लोकसभा का हो चाहे बड़कागांव विधानसभा का दोनों ही चुनाव में नेता अपने लश्कर के साथ रामगढ़ जिले के पतरातु प्रखंड अंतर्गत उरलुंग और पाहनबेड़ा गांव पहुंचते हैं. गांव वालों से मुखातिब होते हैं. प्रत्येक बार कई वादे करके जाते हैं. लेकिन चुनाव जीतने के बाद गांव में फिर दोबारा नहीं पहुंचते हैं. ऐसा एक बार नहीं हुआ. बल्कि पिछले कई वर्षों से यह सिलसिला चला आ रह है. यहां के लोग आज भी कई विकास योजनाओं से अछूते हैं. घुटुवा पंचायत के उरलुंग व पाहनबेड़ा गांव पूरी तरह से आदिवासी बहुल इलाका है. यहां तकरीबन 200 घर है. लगभग 6000 की आबादी है. ग्रामीण बताते हैं कि आज भी यहां के ग्रामीण कई बुनियादी समस्याओं से जूझ रहे हैं. मुख्य सड़क से तीन किलोमीटर की दूरी पर बसे उरलुंग गांव में 2012 में सड़क तो बनी लेकिन जर्जर है. गांव में कोई जलमीनार भी नहीं बना है. कुल आठ चापाकल हैं. जिसमें चार चालू हालत में है और चार खराब है. इससे यहां पर पेयजल की घोर समस्या है. एक प्राथमिक विद्यालय है. जिसमें कक्षा एक से पांचवी तक की पढ़ाई होती है. छठी कक्षा में पढ़ाई के लिए यहां के बच्चों को चार किलोमीटर दूर मध्य विद्यालय नया नगर बरकाकाना घुटुवा जाना पड़ता है. गांव में कोई उपस्वास्थ्य केंद्र नहीं है. कई ग्रामीणों को गैस चूल्हा तक नहीं मिला है. अभी भी यहां 50 से अधिक घर खपरैल है. यहां के लोग मजदूरी करके अपना जीवनयापन करते हैं. वहीं पाहनबेड़ा गांव पिछले कई वर्षो से फ्लाईओवर या फुटओवर ब्रिज की मांग कर रहा है. जिससे वहां के ग्रामीण मुख्य सड़क तक सुचारू रूप से निकल सकें. इस समस्या को लेकर ग्रामीण कई बार सांसद जयंत सिन्हा को पत्र लिखे. लेकिन समस्या जस की तस है. पिछली लोकसभा चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार जयंत सिन्हा ग्रामीणों के बीच पहुंचकर कई वायदे किए. लेकिन जीतने के बाद वह एक बार भी इस गांव में झांकने तक नहीं पहुंचे. ग्रामीण बताते हैं कि कांग्रेस की विधायक अंबा प्रसाद कभी-कभी आती हैं. लेकिन उन्होंने विधायक फंड की कोई भी योजना उरलुंग गांव में नहीं दी है.

चुनाव के समय नेताओं को गांव याद आता है: आजाद

आजाद उरांव कहते हैं कि चुनाव के समय नेता लोगों को यह गांव याद आता है. बाकी समय तो वह भूल ही जाते हैं कि उरलुंग और पाहनबेड़ा नाम का जिले के मानचित्र में कोई गांव भी है. चुनाव के समय नेता आते हैं और बड़े-बड़े वादे करके वोट लेकर चले जाते हैं. फिर झांकने तक नहीं आते है. गांव की बेटी पढ़ाई के लिए चार किलोमीटर पैदल जाकर मध्य विद्यालय नया नगर में पढ़ती है. इसको देखने वाला कोई नहीं है. गांव में एक जलमीनार तक नहीं है. सबसे बड़ी बात है कि आदिवासी बहुल इलाका यह गांव बहुत पिछड़ा है लेकिन फिर भी इस गांव को नगर परिषद में समायोजित कर दिया गया है.

जीतने के बाद नेताओं का दर्शन दुर्लभ हो जाता है : राजू

राजू उरांव कहते है जीतने से पहले प्रत्याशी गांव पहुंचकर बड़े-बड़े वादे करते हैं कि हम यह कर देंगे हम वह कर देंगे. लेकिन जीत जाने के बाद उनका दर्शन दुर्लभ हो जाता है. आज तक गांव में कोई बड़ा विकास की योजना नहीं आयी है. कई समस्याओं से आज भी गांव जूझ रहा है. ना इस गांव में कोई अच्छी अस्पताल है ना यहां जलमीनार है. वह तो ग्रामीणों के घर में कुछ कुएं हैं. जिससे गांव वालों का प्यास बुझता है. वह कूएं भी इन दिनों धीरे-धीरे सूख रहे हैं. इस बार गांव में कोई नेता पहुंचेगा तो उससे पूछेंगे कि चुनाव के समय ही आप गांव में क्यों आते हैं. जीतने के बाद क्यों नही आते. क्या आपको ग्रामीणों की समस्याओं की याद नहीं आती है. उनकी समस्या नहीं दिखती है. आखिर उनकी समस्याओं को निदान करने वाला कौन होगा.

गांव में पेयजल की घोर किल्लत है : मुकेंदर उरांव

मुकेंदर उरांव कहते हैं कि गांव में अभी भी कई समस्याएं हैं. इन दिनों पेयजल की घोर किल्लत है. चार चापाकल गांव में खराब है. इसको देखने वाला कोई नहीं हैं. गांव के कुछ लोगों को गैस चूल्हा भी नहीं मिला है. चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं है. सुनते हैं कि झारखंड में आदिवासियों का खूब विकास हो रहा है. क्या यही है विकास. जहां की बेटियां चार-चार किलोमीटर दूर पैदल जाकर पढ़ाई कर रही हैं. नगर परिषद होने के बाद भी पेयजल के लिए कोई उचित प्रबंध नहीं है. सब नेता अवसरवादी हैं. चुनाव के समय वोट मांगते हैं और फिर सो जाते हैं. पिछली लोक सभा चुनाव में नेता आए थे.

गांव में कोई चिकित्सा व्यवस्था भी नहीं है: अजय

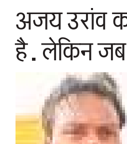

अजय उरांव कहते हैं कि अभी तक तो गांव में कोई भी प्रत्याशी नहीं पहुंचा है. लेकिन जब भी कोई प्रत्याशी गांव पहुंचेगा तो उनसे कई सवाल होंगे. ना तो गांव में कोई उच्च शिक्षा वाली स्कूल, ना गांव में कोई चिकित्सीय व्यवस्था है. लाइट भी लगी है तो कही-कहीं, सड़क में गड्ढे हैं. कुल मिलाकर समस्याएं कई हैं. चुनाव आता है तो तामझाम शुरू हो जाता है. वादों की बौछार शुरू हो जाती है. लेकिन जैसे ही चुनाव समाप्त होगी समस्या जस की तस बनी रहेगी.

बड़कागांव विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से जीतने वाले प्रत्याशी

2009 - योगेंद्र साव
2014 - निर्मला देवी
2019 - अम्बा प्रसाद

हजारीबाग लोकसभा चुनाव में भाजपा से कब कौन जीता

1989 - यदुनाथ पांडेय
1996 - महावीर लाल विश्वकर्मा
1998 - यशवंत सिन्हा
1999 - यशवंत सिन्हा
2009 - यशवंत सिन्हा
2014 - जयंत सिन्हा
2019 - जयंत सिन्हा

एक-एक कार्यकर्ता थाली बजाते और रामधुन करते हुए मतदान केंद्र पहुंचें

विशेष संवाददाता । रांची

नरेंद्र मोदी बीते दिन पलामू दौरे पर थे. पीएम मोदी चुनावी सभा करने के बाद अपने कार्यकर्ताओं को मतदान के दिन का होम वर्क सौंप गए. उन्होंने जाते-जाते कार्यकर्ताओं को यह संदेश दिया कि मतदान के दिन एक-एक कार्यकर्ता अलर्ट रहें. अंतिम जंग तो बूथ पर ही जीती जा सकती है. मतदान के दिन को भाजपा कार्यकर्ता उत्सव और त्योहार के रूप में मनाएं. एक-एक कार्यकर्ता अपने साथ कम से कम 30 मतदाताओं को लेकर मतदान केंद्र पहुंचे. कार्यकर्ता थाली बजाते हुए, रामधुन करते हुए मतदान केंद्र पहुंचे. मोदी ने कार्यकर्ताओं को मतदान केंद्र पर गुब्बारा लगाने की सलाह दी, ताकि उत्साह बना रहे.इस बात का जिक्र उन्होंने अपने भाषा में किया था. पीएम मोदी ने कहा था कि इस बार जब आप मतदान के लिए जाएं, तो अपने-अपने मोहल्ले से जत्था निकाल कर जाएं और सब रामधुन करते हुए जाएं. बाद में इस स्पीच से संबंधित एक वीडियो पीएम ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. अब सवाल यह उठता है कि मतदान केंद्र में गुब्बारा लगाना और थाली बजाते हुए, रामधुन करते हुए मतदान केंद्र पर वोटरों के साथ पहुंचना क्या आचार संहिता के दायरे में आएगा?

राजेश यादव रांची लोस के राजद संयोजक बने

रांची। झारखंड राजद ने सभी लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव अभियान समिति का गठन कर दिया है. लोकसभा चुनाव अभियान समिति के संयोजक गौतम सागर राणा के निर्देश पर पार्टी के प्रदेश महासचिव आबिद अली ने इससे संबंधित अधिसूचना भी जारी कर दी है. जारी अधिसूचना के अनुसार, राजेश यादव को रांची लोकसभा क्षेत्र का संयोजक बनाया गया है. वहीं दुमका लोकसभा क्षेत्र से प्रवीर कुमार वर्मा, राजमहल से राजकिशोर सिंह यादव, गोड्डा से कल्पना देवी, धनबाद से तारकेश्वर यादव, गिरिडीह से मंजु साह, चतरा से डॉ मनोज कुमार, जमशेदपुर से शारदा देवी, हजारीबाग से अर्जुन यादव, खूंटी से कैलाश यादव, कोडरमा से रामधन यादव, लोहरदगा से मोहसिन अंसारी और सिंहभूम से डीएन सिंह को संयोजक बनाया गया है.

राजनीति

आजसू का आरोप-अभी तक नहीं बनायी गयी है समन्वय समिति

लातेहार में भाजपा-आजसू में नहीं पट रही

आशीष / मयंक। लातेहार

एनडीए में भाजपा और आजसू का गठबंधन है. लेकिन अंदरखाने की बात यह है कि लातेहार जिला में भाजपा और आजसू की आपस में पट नहीं रही है. यूं कहें कि लातेहार में भाजपा और आजसू में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है. आजसू के नेताओं का आरोप है कि भाजपा के नेताओं के द्वारा इस चुनाव में उन्हें तरजीह नहीं दी जा रही है. बताया जाता है कि भाजपा के इस रुख पर आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष अमित पांडेय व जिला सचिव बिरेंद्र ठाकुर ने नाराजगी जताई है. दावा किया जा रहा है कि शीघ्र ही आजसू पार्टी की बैठक कर कोई बड़ा निर्णय लिया जा सकता है. आजसू नेताओं का कहना है कि अभी तक इस चुनाव में एनडीए दलों की समन्वय समिति का गठन नहीं किया गया है. चुनाव को ले कर कोई रणनीति नहीं बनायी गयी है. बीजेपी के नेता खुद ही प्रचार-प्रसार कर रहें हैं. एनडीए प्रत्याशी मात्र कुछ एक भाजपा के कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव प्रचार में लगे हैं. आजसू के नेताओं को दरकिनार किया जा रहा है. जानकारों का कहना है कि आजसू पार्टी की यह नाराजगी लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए भारी पड़ सकती है. अंदरखाने से यह बात भी सामने आ रही है कि आजसू पार्टी लातेहार जिला में भाजपा को छोड़ किसी दूसरे पार्टी को सपोर्ट करने पर विचार कर रही है. साइलेंट मोड में रह कर अंदर ही अंदर भाजपा को चोट देने की रणनीति तैयारी की जा रही है. कहना गलत नहीं होगा कि अगर समय रहते सब कुछ ठीक नहीं किया गया तो भाजपा को नुकसान हो सकता है.

भाजपा के नेता खुद ही लगे हैं चुनाव प्रचार में

आजसू व भाजपा में कोई मतभेद नहीं है : पंकज

भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह ने इस आरोप को बेबुनियाद बताया कि भाजपा आजसू पार्टी के नेता व कार्यकर्ताओं को तरजीह नहीं दे ही है. उन्होने कहा कि भाजपा के हर एक कार्यक्रम में आजसू के नेताओं को आमंत्रित किया जा रहा है. जिला अध्यक्ष ने भाजपा प्रत्याशी के नामांकन के दौरान चतरा में मंच भी शेयर किया था. इसके अलावा लातेहार में आहुत बैठक में आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष व उनके कई पदधारियों ने भाग लिया था. यह सब मनगढंत बातें हैं आजसू और भाजपा में कोई मतभेद नहीं है. अगर होगा भी तो उसे दूर कर लिया जायेगा.

खुशी क्लास समाज के लिए मील का पत्थर साबित होगा: डॉ संजय

रामगढ़ । शहर के थाना चौक के पास स्थित होटल शिवम इन्न के सभागार में "क्यों जरूरी है खुशी, इसे जिंदगी में लाएं कैसे" विषय पर बौद्धिक विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ. कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी सह लघु उद्योग भारती के झारखंड प्रदेश महामंत्री विजय मेवाड़ ने किया. संचालन प्रखर वक्ता डॉ प्रो संजय कुमार सिंह ने किया. जबकि धन्यवाद ज्ञापन अखिलेश ने किया. खुशी क्लास के संस्थापक सह संचालक मुकेश सिंह चौहान ने अपने संबोधन में बताया कि खुशी मिशन चलाने की जरूरत क्यों पड़ी. आखिर वो सबकुछ छोड़कर खुशी क्लास क्यों प्रारंभ कर दिए. उन्होंने बताया कि पत्रकारिता के क्रम में उन्होंने देखा कि तनाव, हाइपरटेंशन, आत्महत्या की प्रवृत्ति समाज को अंदर ही अंदर तोड़ रहा है. शायद ही कोई ऐसा घर बचा, जहां तनाव प्रवेश नहीं कर गया है. छोटी-छोटी बातों पर लोग, छात्र सुसाइड कर ले रहे हैं.

ताकि पीड़िताओं को न्याय मिले

एक समय था कि जब लोग देश के नेताओं के सार्वजनिक जीवन में आचरण का अनुसरण करते थे. नेताओं को भी समाज में अपनी छवि व प्रतिष्ठा की फिक्र रहती थी. वे कहे को जीते भी थे, लेकिन हाल के वर्षों में राजनीति में कई क्षत्रप परिवारों के ऐसा नेता भी सामने आए हैं, जिन्होंने सत्तामद में चूर होकर तमाम नैतिकताओं तथा मर्यादाओं को ताक पर रखा. पिछले दिनों कर्नाटक में हासन सीट से जनता दल (सेक्यूलर) के सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर सैकड़ों महिलाओं के साथ दुराचार के जो गंभीर आरोप लगे, उसने राजनीति में पतन की पराकाष्ठा को दर्शाया है. आरोपी सांसद का दुस्साहस देखिए कि वह मतदान के दिन तक चुनाव क्षेत्र में रहा और फिर जर्मनी भाग गया. पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पौत्र और पूर्वमंत्री एचडी रेवन्ना के पुत्र प्रज्वल के यौन उत्पीड़न व दुराचार दर्शाते करीब तीन हजार वीडियो सार्वजनिक हुए. चुनाव प्रचार के दौरान वीडियो पेन ड्राइव के जरिये बांटे जाते रहे. निस्संदेह इस मामले के खुलासे की टाइमिंग के राजनीतिक निहितार्थ हैं. वहीं भाजपा के एक नेता ने एक साल पहले भाजपा नेतृत्व को पत्र लिखकर चेताया था कि प्रज्वल के कुकृत्यों की पेन ड्राइव कांग्रेस के पास पहुंच चुकी है. जिसका उपयोग लोकसभा चुनाव में हथियार के रूप में किया जाएगा.

> सवाल भाजपा नेतृत्व पर भी है कि हकीकत से वाकिफ होने के बावजूद क्यों प्रज्वल रेवन्ना को गठबंधन के सहयोगी कोटे से टिकट दिया गया?

सवाल भाजपा नेतृत्व पर भी है कि हकीकत से वाकिफ होने के बावजूद क्यों प्रज्वल रेवन्ना को गठबंधन के सहयोगी कोटे से टिकट दिया गया? जब राज्य में कांग्रेस की सरकार है तो एक साल पहले जानकारी होने के बावजूद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई? बहरहाल, इस सेक्स स्कैंडल के उजागर होने और उसके बाद तमाम सफाई के बावजूद जनता दल सेक्यूलर और उसकी सहयोगी भाजपा को राहत मिलना मुश्किल है. वजह है कि आरोप गंभीर और महिलाओं की अस्मिता से जुड़े हैं. एक पूर्व प्रधानमंत्री के परिवार का सांसद अपने घर में काम करने वाली महिलाओं तक को न बख्शे, इससे ज्यादा शर्मनाक क्या हो सकता है. आरोप है कि प्रज्वल रेवन्ना ने किसी भी आयु और वर्ग की महिला को नहीं बख्शा. इतना ही नहीं, सरकारी महिला अधिकारियों, कर्मचारियों व पार्टी कार्यकर्ताओं तक को हवस का शिकार बनाकर वीडियो बनाने तक के गंभीर आरोप प्रज्वल पर लगे. वीडियो इसलिये बनाये, ताकि शोषण के बाद लोकलाज के भय से उन्हें चुप रखा जा सके. आरोपों के निशाने पर पूर्व मंत्री व प्रज्वल के पिता एचडी रेवन्ना भी हैं. हालांकि, प्रज्वल का आरोप है कि एआई के जरिये उसके फोटो से छेड़छाड़ करके वीडियो बनाए गए हैं. लेकिन यदि वह निर्दोष है तो फिर उसे चुपके से जर्मनी भागने की क्या जरूरत पड़ी? बिना सरकारों की मिलीभगत के क्या वह जर्मनी भाग सकता था? निस्संदेह, ऐसे यौन कुंठित जनप्रतिनिधि का चुना जाना लोकतंत्र के दामन पर एक दाग सरीखा है. प्रज्वल के जैसे विकृतिपूर्ण वीडियो सार्वजनिक हुए हैं उसे देखते हुए तत्काल उच्चस्तरीय जांच और कार्रवाई की जरूरत है. बहरहाल, अब कर्नाटक सरकार द्वारा मामले में एसआईटी के गठन और प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ बलात्कार व अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करने के बाद उम्मीद जगी है कि दोषी को दंडित करके पीड़िताओं को न्याय मिल सकेगा.

सुभाषित

उदये सविता रक्तो रक्तश्चास्तमये तथा।
सम्पत्तौ च विपत्तौ च महामेकरूपता॥

जिस प्रकार से सूर्य सुबह उगते तथा शाम को अस्त होते समय दोनों ही समय में लाल रंग का होता है (अर्थात् दोनों ही संधिकालों में एक समान रहता है), उसी प्रकार महान लोग अपने अच्छे और बुरे दोनों ही समय में एक जैसे एक समान (धीर बने) रहते हैं.

कोई खत्म नहीं कर पाएगा आरक्षण

लोकसभा चुनाव, 2024 जिस रफ्तार के साथ आगे बढ़ रहा है, उसी के साथ मुद्दे भी गरमा चुके हैं. नया मुद्दा अब संविधान और आरक्षण बन चुके हैं. सोशल मीडिया से लेकर हर जगह यही मुद्दा ट्रेंड कर रहा है. कांग्रेस-भाजपा एक-दूसरे पर आरक्षण को लेकर आरोप लगा रही हैं. मगर, क्या इतना आसान है आरक्षण हटाना? क्या आरक्षण को लेकर राजनीतिक दल वाकई गंभीर हैं?

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

1949 को संविधान सभा की आखिरी बैठक चल रही थी. संविधान बनाने वाली प्रारूप समिति के अध्यक्ष बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर संविधान सभा की बैठक में कई आशंकाओं और सवालों के जवाब देने के लिए उठ खड़े हुए. उन्होंने कहा-अगर हमने देश से गैर बराबरी खत्म नहीं की, तो पीड़ित लोग उस ढांचे को खत्म कर देंगे, जिसे संविधान सभा ने बड़ी मेहनत के बाद बनाया है. उन्होंने यह भी कहा था कि अच्छे संविधान की कामयाबी उन लोगों पर निर्भर करेगी, जो देश को चलाएंगे. इसके अगले ही दिन संविधान सभा ने देश के लिए संविधान मंजूर कर लिया और भारतीय गणराज्य के लोगों के हाथों में संविधान सौंप दिया गया. अंबेडकर ने तब आरक्षण की अस्थाई व्यवस्था करते हुए कहा था कि अगर आरक्षण से किसी वर्ग का विकास हो जाता है, तो अगली पीढ़ी को आरक्षण का फायदा नहीं दिया जाना चाहिए. आरक्षण का मतलब बैसाखी नहीं, जिसके सहारे पूरा जीवन काट दिया जाए. उन्होंने 10 साल में आरक्षण दिए जाने की समीक्षा की बात कही थी.

26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू होने के करीब 74 साल बाद भी राजनीतिक पार्टियां आरक्षण के मुद्दे पर हंगामा कर रही हैं. 2024 के लोकसभा चुनाव में आरक्षण एक बड़ा मुद्दा बन चुका है. कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपनी चुनावी रैलियों में यह आरोप लगा रहे हैं कि भाजपा अगर सत्ता में आई, तो आरक्षण खत्म कर देगी. 400 पार का नारा इसीलिए दिया जा रहा है, ताकि संविधान में मनचाहा संशोधन किया जा सके. वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी ने पलटवार करते हुए कहा-कांग्रेस देश में धर्म आधारित आरक्षण लागू करना चाहती है. इसका उदाहरण कर्नाटक है जहां कांग्रेस धर्म आधारित आरक्षण को लागू करना चाहती है. हालांकि मोदी जी इस मुद्दे पर झूठ बोल रहे हैं क्योंकि पिछड़े मुस्लिमों को बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर ने आरक्षण बहुत पहले दे दिया था, जो बिहार में आज भी लागू है. दिलचस्प बात यह है कि पिछड़ों का वोटबैंक साधने के लिए ही पीएम मोदी ने चुनाव के मौसम में कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न सम्मान से नवाज दिया.

संविधान के अनुसार, आरक्षण लागू करने के पीछे दो मकसद थे. पहला यह कि अनुसूचित जातियों और जनजातियों या सामाजिक और पिछड़े वर्ग या आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आगे बढ़ाना. इसके लिए संविधान के अनुच्छेद 15(4), 15(5), 15(6) में प्रावधान किए गए वहीं, दूसरा मकसद यह था कि सभी सरकारी नौकरियों या अवसरों में पिछड़े वर्ग या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग का पर्याप्त प्रतिनिधित्व होना. इसके लिए 16(4) और 16(6) का प्रावधान है.संविधान लागू होने के साथ ही एससी-एसटी को आरक्षण दिया गया था. मगर, तब यह भी कहा गया था कि इसे 10 साल के लिए दिया जा रहा है. इसके बाद इसकी समीक्षा की जाएगी कि आरक्षण से किसको कितना फायदा हुआ. जिस वर्ग को फायदा पहुंचेगा, उसे फिर आरक्षण नहीं दिया जाएगा. मगर, ऐसा हो नहीं सका. 1991 की बात है, जब वीपी सिंह सरकार ने अरसे से अटकी पड़ी मंडल कमीशन की रिपोर्ट को लागू कर दिया. इसके तहत ओबीसी को सरकारी नौकरियों और हायर एजुकेशन में 27 फीसदी कोटा दिया गया. इसी कोटे में क्रीमी लेयर की अवधारणा भी लागू की गई. यानी आरक्षण का फायदा ओबीसी कैटेगरी में उन्हीं को मिलेगा, जो नॉन क्रीमी लेयर से आते हैं. क्रीमी लेयर में इनकम और सोशल स्टेटस जैसे पैरामीटर्स को ध्यान में रखा जाता है. जो लोग पहले से ही सुविधा प्राप्त हैं, उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा. इसके बाद 2019 से आर्थिक आधार पर ईडब्ल्यूएस को भी 10 फीसदी कोटा दिया जाने लगा. सुप्रीम कोर्ट में एडवोकेट और संवैधानिक मामलों के जानकार कपिल सिब्बल बताते हैं कि आईआईटी, आईआईएम जैसे सरकारी शैक्षणिक संस्थाओं में अनुच्छेद 15(4), 15(5) और 15(6) के आधार पर आरक्षण दिया जाता है. वहीं, आईएएस, आईपीएस जैसी सरकारी नौकरियों में अनुच्छेद 16(4) और 16(6) के तहत आरक्षण दिया जाता है. जबकि लोकसभा और विधानसभाओं में अनुच्छेद 334 के तहत आरक्षण दिया जाता है. संविधान में आरक्षण देने आधार सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़ेपन के आधार पर दिया जाता है.

कपिल सिब्बल के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ, 1992 के मामले में यह व्यवस्था दी कि आरक्षण के प्रावधान को इतनी सख्ती से लागू नहीं किया जा सकता है कि समानता की अवधारणा ही नष्ट हो जाए. ऐसे में अनुच्छेद 15(4) और 16(4) के तहत दिया जाने वाला आरक्षण किसी भी हाल में 50 फीसदी से ज्यादा नहीं होना चाहिए. हालांकि, विशेष प्रावधानों के तहत तमिलनाडु, महाराष्ट्र जैसे कुछ राज्यों में 50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण दिया जा रहा है. केंद्र के स्तर पर 50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण देने के लिए लोकसभा और राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत होना चाहिए. यही स्थिति आरक्षण को हटाने को लेकर भी है. अगर कोई सरकार आरक्षण खत्म करना चाहती है, तो उसे लोकसभा और राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत हासिल करना होगा. कपिल सिब्बल के अनुसार, आरक्षण को लेकर समय-समय पर सुप्रीम कोर्ट सवाल करता रहा है. नवंबर, 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने आर्थिक आधार पर दिए जाने वाले आरक्षण के मामले की सुनवाई के दौरान कहा-शिक्षा और नौकरियों में आरक्षण की नीति अनिश्चितकाल तक जारी नहीं रह सकती है. कोर्ट ने यह भी कहा कि आरक्षण नीति की एक समय सीमा होनी चाहिए. वरिष्ठ पत्रकार अभय दुबे कहते हैं कि किसी भी पार्टी में सियासी इच्छाशक्ति का अभाव है. कोई भी आरक्षण खत्म नहीं कर सकता है, क्योंकि वोट सबको चाहिए. अभय दुबे बताते हैं कि 1973 में यूपी सरकार ने पद्दोन्नति में आरक्षण की व्यवस्था लागू की थी, जिसके बाद 1992 में इंदिरा साहनी केस में सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को रद्द कर दिया था. 17 जून 1995 को केंद्र सरकार ने पदोन्नति में आरक्षण देने के लिए 82वां संविधान संशोधन कर दिया. इस संशोधन के बाद राज्य सरकारों को प्रमोशन में आरक्षण देने का कानूनी हक मिला. 2002 में केंद्र की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने प्रमोशन में आरक्षण के लिए संविधान में 85वां संशोधन किया और एससी-एसटी आरक्षण के लिए कोटे के साथ वरिष्ठता भी लागू कर दी. एससी-एसटी को प्रोन्नति में आरक्षण देने के एम नागराज के फैसले में 2006 में पांच जजों की पीठ ने संशोधित संवैधानिक प्रावधान अनुच्छेद 16(4)(ए), 16(4)(बी) और 335 को तो सही ठहराया था, लेकिन कोर्ट ने कहा था कि एससी-एसटी को प्रोन्नति में आरक्षण देने से पहले सरकार को उनके पिछड़ेपन और अपर्याप्त प्रतिनिधित्व के आंकड़े जुटाने होंगे.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

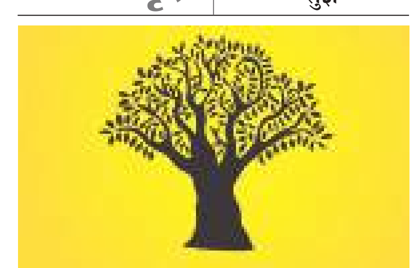

जीव का अस्तित्व

जो मनुष्य, 'जीव' (आत्मा) के अस्तित्व को मानता है, उसी के लिए जीवन के लक्ष्य को खोजने की बात पैदा होती है. जो नहीं मानता, उसके लिए इस विषय का कोई अर्थ नहीं रह जाता है. जो मनुष्य जीव के अस्तित्व को नहीं मानता या मात्र इस भव (मनुष्य जीवन) जितना ही इस जीवन को मानता है तो उसके लिए कमाना, खाना और मज़े करना ये बाह्य बातें ही जीवन लक्ष्य होती है. अगर चिंतक नास्तिक हुआ तो कला, साहित्य, संगीत, सिनेमा आदि को भी अपने जीवन का लक्ष्य मान सकता है. किन्तु यह उच्च श्रेणी के नैतिकता सम्पन्न नास्तिक के विषय में ही समझना चाहिए. इसी प्रकार जिन जीवों को कुछ भी तत्व जिज्ञासा नहीं है, वे जीव भी बाहर के लक्ष्य में ही खो जाते है. ऐसे जीव बहिरात्मा है. वे स्थूल लक्ष्यों को ही अपने जीवन का लक्ष्य समझते हैं. परन्तु जिसे जीव के त्रैकालिक अस्तित्व में विश्वास है, वह तो चिंतन के माध्यम से ही अपने जीवन लक्ष्य का निर्धारण करता है. वह सोचता है कि सामान्य मनुष्य जैसे- खाने,पीने और मज़े करने में अपना जीवन व्यतीत कर देते हैं, क्या मुझे भी वैसे ही जीवन व्यतीत कर देना है? ऐसा जीवन तो मात्र मृत्यु के लक्ष्य से ही जीया जाता है. 'जन्म लेना और भोग-भाग कर मर जाना' तो मेरे जीवन का लक्ष्य नहीं हो सकता. अथवा मात्र मरने के बाद नाम अमर रखने की इच्छा तो जीवन- लक्ष्य नहीं हो सकता, क्योंकि उस नाम-अमरता का मरने के बाद आत्मा को कोई फर्क पड़ना नहीं है. कोई लाभ मिलना नहीं है. सोचना पडेगा कि जन्म और मृत्यु के मध्य की अवधि, किसी विशिष्ठ पुरुषार्थ के प्रयोजनार्थ है. इसलिए मेरे जीवन का कोई ऐसा उत्तम लक्ष्य अवश्य होना चाहिए, जिससे मेरा जीवन सार्थक हो.इस चिंतन के साथ जब वह ज्ञानियों के वचनों के बल से, अपने जीवन लक्ष्य को खोजता है, तो वह निर्णय करता है कि 'मेरी आत्मा की शक्तियों का चरम और परम विकास ही मेरे जीवन का लक्ष्य है'. हमारे इस विकास में मुख्य बाधक है- हमारे विकार. अतः हमें दो उपचार साधनों को अपनाना होगा. पहला साधन है- विकारों का विराम. और दूसरा साधन है- आत्मगुणों के समरूप भावों का आराधन. विकारों पर विराम हेतु 'व्रत-नियम-संयम' है और आत्मा के सद्गुणों में उत्थान हेतू 'ज्ञान-दर्शन-चरित्र' का आराधन है. इसी से मोक्ष रूप लक्ष्य की सिद्धि होती है. वही सत्-चित-आनंद अवस्था होगी. यही परम लक्ष्य है. यही मानव मात्र के लिए श्रेयस्कर है.

गंगा-जमुनी संस्कृति पर चोट करते तल्ख बोल

• सियासत

श्याम सरन

भारत की अपार विविधता इसकी मजबूत हकीकत है. कोई राजनीतिक दल, भले ही कितना ताकतवर और किसी विचारधारा विशेष से चालित हो, वह इसको एकांगी रंग में रंगने में सफल नहीं हो पाएगा. हमारी संस्कृति साझापन लिए है, लेकिन जोर साझेदारी के पहलू पर है न कि पालना में. यह चौरास्तों की संस्कृति है, जिसने हजारों सालों के दौरान विविध प्रभावों के सुमेल से वजूद पाया है. जहां भौगोलिक रूप से यह भूभाग थलीय काफिला-मार्गों का चौराहा है, जो मध्य एशिया से होकर आगे भूमध्य सागर तक जाते थे. वहीं इसके सुदूर दक्षिणी छोर के बंदरगाह हिंद महासागर के पूरबी और पश्चिमी छोरों को जोड़ने का काम करते रहे. जिस प्रकार भारतीय धर्म और राजनीतिक विचार, भाषाएं, कला और वास्तुकला का प्रवाह इस उप-महाद्वीप से निकल दूसरे देशों में फैला, ठीक इसी तरह उन मुल्कों का प्रभाव भी समस्त भारतवर्ष पर बना. नाना देशों से आई विविध खूबियां भारतीय संस्कृति और इसके लोगों के स्वभाव में रच-बस गईं और जन्मजात महानगरीय संस्कृति विरासत में मिलती गई, यह विशेषता भारतीयों को विश्वभर में सबसे अधिक अनुकूलनशील बनाती है. देखा जाए, हम संसार के मूल वैश्विक नागरिक हैं. जब भारत ने पिछले साल सितम्बर माह में जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजित किया था तो इसका आदर्श वाक्य वसुधैव कुटुम्बकम् था, जो हमारी इस खूबी को सबसे अच्छी तरह परिभाषित करता था. लेकिन किसी के लिए समस्त विश्व को गले लगाने की शुरुआत पहले अपने देश के लोगों को बांहों में भरने से होनी चाहिए. यह भी एक कारण है कि क्योंकर संविधान की पूर्व-प्रस्तावना में जितना अधिमान आज़ादी और समानता को दिया गया है उतना ही बंधुत्व को भी. भारत जैसे विविधता भरे मुल्क के लिए बंधुत्व की अहमियत खासतौर पर है. यह आपसी प्यार की भावना का निर्माण करता है जो विविध जातियों, प्रजातियों या सम्प्रदायों और उनकी जीवनशैली के बीच अंतर के प्रति एक-दूसरे को सहिष्णु बनाता है. यह बंधुत्व ही है जो हमारी राष्ट्रीयता की असल नींव है. यह साझा हित एवं साझा राष्ट्रीय मिशन का लक्ष्य पाने में संबद्धता एवं संलग्नता बनाता है. संविधान का स्वरूप बनाने वालों को पता था कि भारतीय राष्ट्रवाद का निर्माण इसके लोगों की बहुरंगी पहचान को मान्यता देकर होगा है न कि दबाकर. तथापि, अंतिम विश्लेषण में, वे पूरी तरह आश्वस्त न थे कि क्या भारतीय लोग अपनी अलग पहचान का संतुलन समान नागरिकता के अति महत्वपूर्ण सिद्धांत से सही ढंग से बैठा पाएंगे या नहीं. अपने अंतिम (मौजूदा) रूप में आते-आते और समय-समय पर हुए संशोधनों और विधायिका द्वारा पारित कानून धीरे-धीरे राज्यसत्ता को नागरिक अधिकारों की एवज पर बलपूर्वक मनमर्जी चलाने की ताकत से लैस करते गए. राज्यसत्ता किन्हीं पहचान रखने वालों की निरंकुशता चलने देने और अन्यों के मामले में दमन करने वाला पक्षपाती रुख रखने लगी, वह जो मौके के मुताबिक राजनीतिक हित स्वार्थ साधने में सबसे उपयुक्त हो. किन्हीं विशेष पहचान वालों पर राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की आड़ में दमन तो वहीं दूसरों (अपने लोगों) को राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के नाम पर प्रोत्साहित करना और यहां तक कि वैधता देना. राज्यसत्ता ने मीडिया और सूचना चैनलों पर नियंत्रण और प्रभाव बना लिया ताकि कुछ सम्प्रदायों को खलनायक तो अपने वाले को श्रेष्ठ बनाकर पेश किया जा सके. ऐसा होने पर, राजनीतिक भड़काऊ भाषण वक्त की रणनीति का पूरक बन जाते हैं. इस प्रकार के नफरती बोल अक्सर ऊंचे उन्मादी सुर में चिल्ला-चिल्ला कर कहे जाते हैं ताकि अन्य सभी तार्किक मुद्दे डूब जाएं. लोकतंत्र में, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाना एक अभिन्न अंग है, लेकिन यही काफी नहीं. एक स्वतंत्र मीडिया और एक जीवंत सिविल सोसायटी आम नागरिक के अधिकारों पर राज्यसत्ता के निरंकुश व्यवहार से रोकने में प्रहरी का काम करते हैं. वे नागरिकों की ओर से राज्यसत्ता से सवाल करते हैं और लोगों को सूचना का वैकल्पिक साधन मुहैया करवाते हैं. एक सशक्त और स्वतंत्र न्यायपालिका की भूमिका भी यही है. इतिहास में, ऐसे मामले हैं जब राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता की दलीलों का इस्तेमाल स्वतंत्र संस्थानों, विरोध का सुर उठाने वालों और अंततः राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर राष्ट्रविरोधी होने का ठप्पा लगाकर, उन्हें गैर-कानूनी बनाने में किया गया.

> लोकतंत्र में, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाना एक अभिन्न अंग है, लेकिन यही काफी नहीं. एक स्वतंत्र मीडिया और एक जीवंत सिविल सोसायटी आम नागरिक के अधिकारों पर राज्यसत्ता के निरंकुश व्यवहार से रोकने में प्रहरी का काम करते हैं. वे नागरिकों की ओर से राज्यसत्ता से सवाल करते हैं और लोगों को सूचना का वैकल्पिक साधन मुहैया करवाते हैं.

नष्ट होती जा रही प्रतिभाओं की जागरूकता

• शिक्षा जगत

हेमंत कुमार झा

अमेरिका के विश्वविद्यालयों में गाजा में हो रहे नर संहार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं. किसी एक या दो में नहीं, देश भर में फैले दर्जनाधिक विश्वविद्यालयों में. इंग्लैंड में, फ्रांस में, नीदरलैंड आदि यूरोपीय देशों के नामचीन विश्वविद्यालयों में भी ऐसे विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला जारी है. ये सब ऐसे विश्वविद्यालय हैं, जो दुनिया में अपना मान, अपना सम्मान रखते हैं. वहां अच्छी पढ़ाई होती होगी, बेहतरीन एकेडमिक माहौल होगा. तभी तो हमारे देश के नेता गण, अधिकारी गण, बड़े बड़े पैसे वाले गण आदि आदि अपने बच्चों को पढ़ने के लिए उन जगहों पर भेजते हैं.मैंने नहीं देखा, लेकिन मैं मानता हूं कि वहां परीक्षाओं में नकल नहीं होती होगी और छात्रों को गंभीरता से पढ़ाई करनी पड़ती होगी. मैं यह भी मानता हूं कि वहां फैकल्टी का अकाल नहीं होगा और विषय विशेषज्ञों की टीम बेहतरीन आधारभूत संरचना के साथ छात्रों के साथ होगी. अच्छे हॉस्टल, शानदार पुस्तकालय, स्वच्छ और पौष्टिक खाना परोसने वाले मेस आदि तो होंगे ही. इतना भी तय ही है कि कोर्स पूरा कर कैंपस से निकलने के बाद अच्छा करियर उनका इंतजार कर रहा होता है. तब भी, वे छात्र दुनिया से जुड़े हैं, मानवता की धड़कनों से जुड़े हैं, विश्व राजनीति की विडंबनाओं पर अपनी राय निर्धारित करते हैं, जरूरत पड़ने पर वैचारिक हस्तक्षेप करते हैं, अक्सर पुलिस की हिरासत में जाते हैं, कुछ कष्ट सहते हैं, स्लोगन बनाते हैं, लेख लिखते हैं, भाषण देते हैं, भाषण सुनते हैं. गाजा नरसंहार कोई पहला मुद्दा नहीं है जिस पर वे छात्र प्रतिक्रिया दे रहे हैं. जागरूक और आलोकित परिसरों में ऐसा होता रहता है...अक्सर. विश्व गुरु की राह पर बस अपने अंतिम मुकाम तक पहुंचने को ही है भारत. राम जी की कृपा से इस बार 300- 400 पार हो जाए तो फिर जैसे अमेरिका ने चांद पर पहला कदम रख दिया था, हम भी विश्व गुरु के ओहदे पर लपक कर बैठ जाएंगे. लेकिन, हमारे विश्वविद्यालयों में जीवंतता तो खत्म सी ही होती जा रही है. पता नहीं, अगली पीढ़ी में विश्व गुरुकुल का कुलपति कौन होगा. एकाध परिसरों में विश्व या देश की राजनीति पर, मानवीय विडंबनाओं पर छात्र गण प्रतिक्रिया देते हैं तो 'टुकड़े टुकड़े गैंग' कहते हम हिकारत से भर उठते हैं. ये गए हैं पढ़ने, अफसर बनने या नेतागिरी करने? टैक्स देने वालों के पैसों का यह दुरुपयोग है. वह भी देश के कुछ गिने चुने, शायद एकाध जगहों पर कुछ ऐसा होता हो. हमारे देश का मिडिल क्लास इस बात के सख्त खिलाफ है कि उसके बच्चे गाजा, यूक्रेन, सीरिया, मणिपुर आदि फालतू की बातों में नारेबाजी, भाषणबाजी में उलझें. बिहार पर तो भारी गर्व है हमें. यहां के विश्वविद्यालय और कॉलेज तो अनूठे हैं इस मामले में. मजाल है कि पांच दस प्रतिशत से अधिक छात्र बता दें कि गाजा आखिर है क्या? कोई देश है या शहर या कि समुद्र से हाल में खोजा गया कोई निर्जन द्वीप? वे तो सिरे से ही इंकार कर देंगे कि गाजा नाम से उन्हें कोई साबका रहा. उन्हें तो फॉर्म भरना है, परीक्षा देनी है, नकल नहीं करने दो तो बड़ी संख्या में फेल कर जाना है और विश्वविद्यालय का सिर दर्द बढ़ाना है. कितने संतोषी हैं, कितने आत्मतुष्ट, आत्मलीन हैं हमारे छात्र. उनके कॉलेजों में हिस्ट्री के सर जी हैं तो पॉलिटिकल साइंस के हैं ही नहीं कोई, हिंदी के हैं तो अंग्रेजी का पोस्ट खाली है, चार सौ, पांच सौ, छह छह सौ छात्रों पर हिस्ट्री, राजनीति शास्त्र, हिंदी आदि के एक-एक शिक्षक हैं. बेदम हैं. न वेतन टाइम पर, न प्रमोशन टाइम पर. अगर बकाया आदि रह गया हो तो बूढ़े हो जाओ, एरियर के लिए एड़ियां घिस जाएंगी. मुख्यालय जा कर मांगने की जहमत उठा ही ली तो अगला टेबुल और फाइल से नजरें उठाए बिना कहेगा, "सरकार से राशि आएगी तो मिल जाएगी." हमारे बिहार में विज्ञान के छात्र प्रयोगशाला नहीं जाते. अधिकतर कॉलेजों के प्रैक्टिकल रूम्स को खोलिए तो अचानक से लगेगा कि मानव के पदचापों से महरूम इन कक्षों के स्याह, धूल भरे अंधेरों में प्रेतात्माएं विचरती होंगी. तीन दशक से अधिक हो गए, प्रयोगशालाओं में जरूरी स्टाफ की बहाली नहीं हुई. जो थे वे जाने कब रिटायर हुए, कितने मर खप गए. फिजिक्स में सब जोड़ कर कई सौ छात्र, टीचर एक, सहयोगी स्टाफ कोई नहीं, बोटनी में तो टीचर ही नहीं, मैथ निल. हमारे बिहार के अधिकतर विश्वविद्यालय प्रतिभाओं की जागरूकता को नष्ट करते हैं. वे जानते हैं कि अपने विषय के टीचर्स की मांग करना बेकार है. उनकी नजरों के सामने है कि उनके भैया या उनकी दीदी भी बिना एक भी टीचर, बिना एक भी लैब असिस्टेंट, बिना एक भी लैब ब्वाय के साइंस ऑनर्स पास कर देश को विश्व गुरु बनाने के अभियान में लग गए हैं.

> तीन दशक से अधिक हो गए, प्रयोगशालाओं में जरूरी स्टाफ की बहाली नहीं हुई. जो थे वे जाने कब रिटायर हुए, कितने मर खप गए. फिजिक्स में सब जोड़ कर कई सौ छात्र, टीचर एक, सहयोगी स्टाफ कोई नहीं, बोटनी में तो टीचर ही नहीं, मैथ निल. हमारे बिहार के अधिकतर विश्वविद्यालय प्रतिभाओं की जागरूकता को नष्ट करते हैं.

मीडिया में अन्यत्र

संयुक्त राज्य अमेरिका इजराइल नीति

जब सात अक्टूबर को इजराइल और हमास के बीच युद्ध शुरू हुआ, तो संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की तात्कालिक प्राथमिकता इस संघर्ष को फैलकर इजराइल और उसके विभिन्न प्रतिद्वंद्वियों के बीच एक क्षेत्रीय युद्ध में तब्दील होने से रोकने की था. बाइडेन ने इसके लिए दोहरी रणनीति अपनाई. उन्होंने सात अक्टूबर को हमास के हमले के बाद शुरू किए गए गाजा के खिलाफ इजराइल के युद्ध, जिसमें कम से कम 1,200 लोग मारे गए, को बिना शर्त समर्थन देने की पेशकश की और तेल अवीव एवं उसके पड़ोसियों के बीच तनाव कम रखने के लिए एक राजनयिक प्रयास शुरू किया, लेकिन जब यह युद्ध महीनों तक खिंचता चला गया और गाजा में भारी संख्या में नागरिक हताहत हुए, तो बाइडेन की यह नीति चरमराने लगी. आज जब यह युद्ध अपने आठवें महीने में प्रवेश करने जा रहा है, श्री बाइडेन इसके क्षेत्रीय व घरेलू नतीजों को लेकर लगातार असहाय दिख रहे हैं. गाजा में इजरायली रक्षा बलों द्वारा 34,000 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, जिनमें से अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं. इजराइल ने गाजा के सबसे दक्षिणी शहर राफा, जहां 1.4 मिलियन से ज्यादा फिलिस्तीनियों ने शरण ले रखी है, पर हमला करने की कसम खाई है. इस तरह के कदम के खिलाफ बाइडेन की चेतावनी के बावजूद उसने ऐसी कसम ली है. लाल सागर में जहाजों पर हौथी विद्रोहियों के हमलों और इजराइल एवं ईरान के बीच हमलों व जवाबी हमलों के बीच यह संघर्ष पहले ही फिलिस्तीनी क्षेत्रों और इजराइल की सीमाओं से परे फैल गया है. हालांकि अब तक एक पूर्ण क्षेत्रीय युद्ध से बचा गया है. इस संघर्ष को लेकर अमेरिका में विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया गया है, जिससे श्री बाइडेन पर इजराइल के प्रति अपनी नीति पर पुनर्विचार करने का दबाव बढ़ गया है.

बहरहाल, बाइडेन प्रशासन के अधिकारी इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम तथा बंधकों से जुड़े समझौते के लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं. इजराइल के खिलाफ ईरान द्वारा दागे गए ड्रोन एवं मिसाइलों को मार गिराने के लिए श्री बाइडेन द्वारा समय पर की गई प्रतिक्रिया और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ईरान के खिलाफ इजराइल के प्रतिशोध में अमेरिका के शामिल नहीं होने की उनकी चेतावनी ने क्षेत्रीय तनाव को कम करने में मदद की. लेकिन इस संकट के प्रति उनका समग्र नजरिया दोषपूर्ण है. इजराइल जिस तरह से गाजा के खिलाफ युद्ध कर रहा है, वह उन तमाम मूल्यों के खिलाफ है जिनका प्रचार अमेरिका युद्ध और मानवाधिकारों के संदर्भ में करता है. (द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

औकात/हैसियत

मशहूर शायर राहत इंदौरी कहते हैं- शाख़ों से टूट जाएं वो पत्ते नहीं हैं हम, आंधी से कोई कह दे कि औक़ात में रहे. वहीं शायर आमिर अमीर कहते हैं- दोस्तों से जा कर जब मशवरा किया तो फिर, मैं ने कुछ नहीं लिखा हैसियत के ख़ाने में. इन दोनों शेरों में दो शब्दों का प्रमुखता से प्रयोग किया गया है. एक है औकात और दूसरा हैसियत. पहले शेर में इंदौरी साहब आंधी को चेतावनी दे रहे हैं कि वह औकात में रहे, वहीं अमीर साहब को हैसियत के खाने में कुछ नहीं लिखने का मलाल है. औकात और हैसियत दोनों अरबी भाषा मूल के संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द हैं. रेख्ता उर्दू हिंदी शब्दकोश के अनुसार औकात शब्द का मतलब संज्ञा पुल्लिंग के रूप में वक्त या समय तथा संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप में वर्तमान समय की परिस्थितियां तथा लाक्षणिक अर्थ है शक्ति, सामर्थ्य, बिसात, प्रतिष्ठा, इज्जत, मान-मर्यादा. औकात शब्द का प्रयोग सम्मान और अपमान दोनों के रूप में प्रचलित है. अपमान और घृणा की अभिव्यक्ति व्यंग्य के रूप में की जाती है. इसका प्रयोग जिंदगी, परिस्थिति, जीवन निर्वाह, जीवनयापन, गुज़र-बसर के रूप में भी होता है. वहीं हैसियत का मतलब है हालत, संरचना, आकार, ढंग, पात्रता, योग्यता, प्रतिभा, विशेषता, आर्थिक स्थिति, सामर्थ्य, धन-संपत्ति के प्रचुरता में होने का भाव, आय, इज़्ज़त, वैभव, पद, दर्जा, हौसला, सहनशीलता, माल का वास्तविक मूल्य, रुपये-पैसे, धन-दौलत, संपत्ति, जगह, सेवा, पद. हैसियत और औक़ात दोनों का अर्थ होता है आर्थिक या सामाजिक अवस्था या स्तर. दोनों में फ़र्क़ सिर्फ़ इतना ही है कि जब हम किसी की आर्थिक एवं सामाजिक अवस्था या स्तर के बारे में सम्मानपूर्वक बात करना चाहते हैं तो हम हैसियत शब्द का प्रयोग करते हैं. इसके विपरीत औक़ात जब हम किसी की आर्थिक या सामाजिक अवस्था या स्तर के बारे में तिरस्कारपूर्ण तरीक़े से या छोटा और नीचा दिखाने के मक़सद से बात करना चाहते हैं तो हम औकात शब्द का प्रयोग करते हैं.

आदमी एक दोपाया जानवर होता है!

• तीर-तुक्का

शशिकांत सिंह 'शशि'

जंगल की एक निंबध प्रतियोगिता में गाय ने आदमी पर निबंध लिखा जो इस प्रकार है . आदमी एक दोपाया जानवर होता है. उसको दो कान, दो आंखें और दो हाथ होते हैं . वह सबकुछ खाता है. उसका पेट बहुत बड़ा तो नहीं होता लेकिन कभी भरता नहीं है. यही कारण है कि आदमी जुगाली नहीं करता. उसके सींग नहीं होती लेकिन वह सबको मारता है. उसके दुम नहीं होती लेकिन वह दुम हिला सकता है. वह एक अदभुत किस्म का प्राणी होता है. उसके बच्चे भी बड़े होकर आदमी ही बनते हैं. आदमी हर जगह पाया जाता है. गांवों में, शहरों में, पहाड़ों और मैदानों में. रेगिस्तान से लेकर अंटार्कटिका जैसे ठंडे स्थानों पर भी पाया जाता है. वह कहीं भी रह सकता है लेकिन जहां रहता है उस जगह को जहरीला कर देता है. उससे दुनिया के सारे जानवर डरते हैं. वह जानवरों का दुश्मन तो है ही पेड़-पौधों का शत्रु भी है. आदमियों के अनेक प्रकार होते है. गोरा आदमी, काला आदमी, हिन्दू आदमी, मुसलमान आदमी, ऊँची जाति का, नीची जाति का, पर सबसे अधिक संख्या में पाये जाते हैं - धनी आदमी गरीब आदमी. आदमी हमेशा लड़ने वाला जीव होता है. वह नाम, मान, जान, पहचान, आन और खानदान के लिए लड़ता ही रहता है. सबसे अधिक, अपनी पहचान के लिए लड़ता है. जानवरों में यह हँसी की बात मानी जाती है कि पहचान के लिए कोई लड़े. किसी के सींग छोटे हैं तो किसी के बड़े. किसी की दुम छोटी है तो किसी की बड़ी. हाथी के कान विशाल होते हैं तो ऊँट के एकदम छोटे लेकिन दोनों लड़ते नहीं हैं. कौआ काला होता है. तोता हरा लेकिन दोनों एक ही डाल पर प्रेम से रह सकते हैं. आदमियों में सबसे ज्यादा लड़ाई पहचान के लिए होती है. कहते हैं कि आदमी एक सामाजिक प्राणी है जबकि समाज में रहना उसे आता ही नहीं. वह सबसे ज्यादा अपने पड़ोसी से लड़ता है. वह दो ईंच जमीन के लिए भी लड़ सकता है और एक गज कपड़े के लिए भी. और तो और वह एक पके पपीते के लिए चौबीस घंटे अनवरत लड़े तो जानवरों को आश्चर्य नहीं होगा. पड़ोसी से लड़ने के लिए धर्म और जाति बनाई गई हैं जानवरों में जाति और धर्म नहीं हैं तो वह कितने सुख से रहता है. ऐसा नहीं कि शेर के शक्तिशाली भगवान हैं और उन्हें मांसाहार पसंद है. तो, खरगोश के भगवान शाकाहारी हैं. उनका अवतार जंगल को शेरों से मुक्त कराने के लिए हुआ था. मछलियों के भगवान पानी में रहते तो बंदरों के पेड़ पर. यदि ऐसा होता तो जंगल में जानवर लड़ते-लड़ते मर जाते. शुक्र है जानवरों के पूर्वजों के दिमाग में ऐसी बातें नहीं आई. नहीं तो जंगल भी नगर बन जाते. हंसी तो तब आती है जब इतनी लड़ाइयों के बावजूद आदमी अपने को सामाजिक प्राणी मानता हैं. धन्य है आदमी.

सुकून

मोटिवेशन

विदेशी संस्कृति से कुछ अनुकरणीय

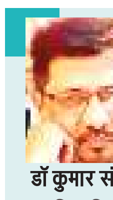

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

माइकल गोव का कहना है - किसी विदेशी भाषा को सीखना या विदेशी संस्कृति को समझना हमारे दृष्टिकोण को व्यापक करता है और हमें बेहतर इंसान बनाता है. हर देश की संस्कृति में अच्छी और खास बातें होती हैं. आज हम पांच देशों की संस्कृति से जुड़ी कुछ खास बातों का जिक्र करने जा रहे हैं. ये आदतें अनुकरणीय हैं और हम भारतीयों के लिए जरूरी भी.

- जापानी सफाई प्रिय होते हैं. खासकर वॉशरूम को साफ रखना उनकी टॉप प्रायरिटी होती है. बच्चों को बचपन से ही घर, स्कूल, अड़ोस-पड़ोस को साफ रखना सिखाया जाता है. बच्चे ही स्कूल का पूरा कैंपस साफ करते हैं, साथ ही वॉशरूम भी. जापानियों का मानना है कि वॉशरूम साफ करने से खुशहाली और सुख-समृद्धि आती है. वहां हर नागरिक सफाई के प्रति कटिबद्ध है. हमारे देश में लोग अपने ड्राइंग रूम को तो साफ रखते हैं, लेकिन अपने वॉशरूम पर उतना ध्यान नहीं देते. बहुत जरूरी है हम अपने वॉशरूम को चमका कर रखें और अपने आस-पड़ोस को भी साफ सुथरा रखने के लिए प्रयत्नशील रहें.

- रूस में लोग किसी के यहां भी जाते हैं, तो बिना गिफ्ट के नहीं जाते. खाली हाथ जाना अशिष्टता मानी जाती है. हमारे देश में पहले लोग फल-मिठाई वगैरह लेकर ही कहीं जाते थे. अब यह प्रथा काफी कम हो गई है, लेकिन हमें इसे कंटीन्यू रखना चाहिए. फल-फूल, उपहार रिश्तों को बेहतर बनाते हैं और यह अच्छा शिष्टाचार है. हमें इसे मेंटेन करना चाहिए.

फ्रांस में ओपन डिस्कशन का रिवाज है. लोग किसी भी विषय पर खुलकर बात करते हैं, अपना विचार रखते हैं. असहमत होने पर भी, वे अपनी आवाज ऊंची नहीं करते और न अपने विचारों को थोपते हैं. वह इसे अपना ज्ञान बढ़ाने का माध्यम मानते हैं. वे हर विचार का स्वागत करते हैं, भले ही वह उनकी सोच के विपरीत हो. हमारे यहां खुली बहस और बात करने का रिवाज नहीं है. लोग बात काटने पर नाराज हो जाते हैं, कई बार तो संबंध तोड़ लेते हैं. हमारे यहां भी हेल्दी डिस्कशन की परंपरा आनी चाहिए.

- इंग्लैंड में लोग बात-बात पर माफी मांगते हैं, सॉरी बोलते हैं. दरवाजा खोलने में एक मिनट देर हो जाए तो सॉरी बोलेंगे. कुर्सी-टेबल से आवाज आ जाए, कोई किसी को टच कर दे, किसी का कुछ गिर जाए, अपनी गलती न भी हो, तब भी सॉरी बोलते हैं. वहां शिष्टाचार पर बहुत बल दिया जाता है. बच्चों को शुरू से ही सारे शिष्टाचार सिखाये जाते हैं.

- चीन के लोग अपने काम को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं. उनकी व्यक्तिगत जिंदगी में चाहे कितने भी प्रॉब्लम्स हों, उसका प्रभाव अपने काम पर नहीं पड़ने देते. उनको इस बात से बहुत संतोष मिलता है कि उन्होंने अपना काम पूरे परफेक्शन के साथ किया है. बच्चों को शुरू से ही इस बात की ट्रेनिंग दी जाती है कि उन्हें अपनी पढ़ाई में या हर काम में हंड्रेड परसेंट देना है. किसी बच्चे का 10 में 8 या 9 मार्क्स आ जाए, तो उसके लिए यह गर्व की बात नहीं होती. वह 10 में 10 की उम्मीद रखता है. उनकी यही आदत जिंदगी भर कायम रह जाती है. काम में लापरवाही को लेकर अगर बॉस किसी कर्मचारी को अपने ऑफिस में बुला ले, तो यह उसके लिए बहुत अपमानजनक जनक बात होती है.

मूल मंत्र : जापान से सफाई खासकर वॉशरूम की सफाई, रूस से मेहमाननवाजी, फ्रांस से ओपन डिस्कशन, इंग्लैंड से शिष्टाचार और चीन से हार्डवर्क और डेडीकेशन - यह सभी हमें सीखने की जरूरत है. सही आदमी वही है जो नया सीखने के लिए हमेशा तैयार रहता है, अपने में सकारात्मक बदलाव लाता है.

किसी से मुलाकात की बात हो, किसी सभा को संबोधित करना हो या इंटरव्यू में शरीक होना, कौन नहीं चाहता कि उसकी बातों का सामने वाले पर असर हो. वह बेहतर इंप्रेशन दे. पर कई बार ऐसा नहीं हो पाता. इन मामलों में कुछ आजमायी हुई बातों को अपनाना लाभदायक हो सकता है. आज चर्चा उन्हीं बातों की जिसे अपना कर हम सामने वाले पर बेहतर प्रभाव छोड़ सकते हैं.

सीधी बात नो बकवास

चाहे दोस्तों से मुलाकात हो, यह किसी के साथ डेट कर रहे हों, नौकरी के लिए साक्षात्कार में शरीक होने की बात हो या किसी कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करने की, हम हमेशा एक अच्छा प्रभाव डालना चाहते हैं, अधिक स्मार्ट दिखना चाहते हैं. कई बार इसके लिए बातों को लच्छेदार बनाने की कोशिश करते हैं, भारी भरकम शब्दों का इसतेमाल करते हैं, अपने साथ हुए महान अनुभवों के बारे में बात करते हैं. जबकि इन सबकी दरकार ही नहीं होती. हमें बस स्पष्ट और सीधे बोलने की ज़रूरत है, और इससे काम हो जाएगा. आइए, कुछ ऐसे टिप्स पर करें बात जो हमारी बातों को प्रभावी बनाए और हमें बातचीत के दौरान अधिक स्मार्ट.

▪ पहले से योजना बनाएं

क्या कोई बड़ा प्रेजेंटेशन आने वाला है या नौकरी के लिए इंटरव्यू के लिए जा रहे हैं? दोनों स्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं. खुद की बेहतर प्रस्तुति के लिए सबसे अधिक अहमियत इसमें तैयारी ही रखती है. आगामी कार्य के बारे में सभी जानकारियां एकत्रित करें और उसके अनुसार ही आगे की योजना बनाएं. यदि यह नौकरी के लिए साक्षात्कार है, तो पहले से ही पोस्टिंग की समीक्षा कर लें. अगर आप किसी समूह को संबोधित कर रहे हैं, तो पहले से ही एजेंडा की जांच कर लें और कुछ बातचीत के बिंदु तैयार कर लें. ऐसा करने से आपमें आत्मविश्वास आएगा और आप आसानी से अपनी बात कह पाएंगे.

▪ आंखों का संपर्क जरूरी

आपने भी ऐसा अनुभव किया होगा कि जब भी कोईआपकी आंखों में सीधे देख कर बात करता है तो अक्सर उसकी आत्मविश्वास और स्मार्टनेस के हम कायल से हो जाते हैं. आंखों के संपर्क से बचने से आप कम आत्मविश्वासी या शर्मीले दिख सकते हैं. यह आजमाया हुआ सूत्र है कि हम जिस व्यक्ति से बात कर रहे हैं उसे प्रभावित करना चाहते हैं तो उसकी आंखों से संपर्क बनाएं. मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि बातचीत के दौरान आंखों का संपर्क अपनी भावनाओं को प्रदर्शित करने, श्रोता को गहराई से संकेत देने और उन्हें आपको बेहतर ढंग से समझने में मदद करने का एक अच्छा तरीका है. इससे संकेत मिलता है कि आप जो कह रहे हैं उसके बारे में आप आश्वस्त हैं और इसे सम्मान के संकेत के रूप में चिह्नित करेंगे. आंखों में देखकर जब हम बात करते हैं तो बात पर फोकस रह पाते हैं. यह संपर्क बातचीत के विषय को बढ़ाता है. सुनने वालों के लिए बातचीत अधिक सार्थक होती है. हालांकि आंखों के संपर्क के मामले में एक संतुलन को बनाए रखना बहुत जरूरी होता है. यह संपर्क घूरना नहीं हो या धमकाने वाला नहीं लगे. इस मामले में आपसी कंफर्ट लेवल भी मायने रखता है. अगर कितना और कैसे देखें जैसी दुविधा से गुजर रहे हैं तो बेहतर हो कि शुरुआत में आंखों का संपर्क एक समय में 4-5 सेकंड के लिए बनाए रखने से शुरू करें. जैसे-जैसे आप आगे बढ़ें धीरे-धीरे इसे बढ़ाएं.

▪ मायने रखता है पोश्चर

आप बातचीत के दौरान कैसे उठते बैठते हैं, यह सामने वाले पर आपकी इमेज बनाने में मायने रखता है. यही कारण है कि एलोन मस्क और क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसी हस्तियां बातचीत करते समय पावर पोज़ का अभ्यास करती हैं. सामाजिक मनोवैज्ञानिक एमी कड्डी के शोध से पता चला है कि केवल दो मिनट के लिए ऐसी मुद्रा धारण करने से तनाव कम हो सकता है और शक्ति की भावना बढ़ सकती है. इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यून बिहेवियर एंड अलाइड साइंस के फॉर्मर डायरेक्टर डॉ निमेश जी देसाई के अनुसार इसमें दो राय नहीं कि आपसी बातचीत में जितना शब्दों का महत्व होता है, उतना ही हमारे हाव-भाव का भी. हाव भाव में बॉडी पोस्चर, चेहरे का भाव, हाथों का मूवमेंट व शरीर के दूसरे हिस्सों का बॉडी लैंग्वेज शामिल है. जब हमारा वन टू वन इंटरैक्शन होता है तो सुनने वाले पर इसका पूरा प्रभाव पड़ता है. जब हम बड़े समूहों को संबोधित करते हैं, लाइव थिएटर या सार्वजनिक भाषण में भी ये पहलू बहुत महत्वपूर्ण होते हैं.

▪ थमे नहीं

दमखम से बोलना और लगातार बोलना मायने रखता है. जब आप बहुत आश्वस्त नहीं होते हैं, तो आप अक्सर वाक्यों के बीच में लड़खड़ाते हैं या बहुत बार रुकते हैं. इससे सामने वालों को अहसास हो सकता है कि आप जो कह रहे हैं उसके बारे में आप अनिश्चित हैं. सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी लियोनार्ड मियोडिनोव आरडी कहते हैं कि ₹अगर दो वक्ता बिल्कुल एक जैसे शब्द बोलते हैं, लेकिन एक थोड़ा तेज और जोर से बोलता है और कम रुकता है और आवाज में अधिक बदलाव होता है, तो उस वक्ता को अधिक ऊर्जावान, जानकार और बुद्धिमान माना जाएगा.₹

▪ दूसरों से प्रेरणा लें

कई बार ऐसा भी होता है कि हम किसी समूह में हैं पर हमारे पास कहने के लिए कुछ नहीं है. हमें विषय की अधिक जानकारी नहीं है. ऐसे में बिना कुछ कहे निकल जाने से बेहतर है कि आप अन्य लोगों की बातों को ध्यान से सुनें. आपको बस समूह में अन्य लोगों द्वारा उठाए गए सर्वोत्तम बिंदुओं को चुनना है और बैठक के अंत में उन्हें संक्षेप में प्रस्तुत करना है. आप कहेंगे कि यह तो विचारों की चोरी हुई. तो मत कीजिए चोरी, उनकी बात को उनके हवाले कहिए कि जैसा कि फलाने ने कहा ऐसे में आप अधिक स्मार्ट लगेंगे.

▪ मजाक-सजाक

सुनने में अजीब लगता है, पर कई शोध अध्ययनों में जाहिर हो चुका है कि हास्य परिहास वाले लोग अधिक बुद्धिमान और आकर्षक माने जाते हैं. एक बेहतर हास्यबोध लंबे समय के साथी के रूप में एक महत्वपूर्ण गुण के रूप में भी देखा जाता है. हास्य एक गुप्त हथियार है जिसका उपयोग आप बातचीत शुरू करने और मतभेद दूर करने के लिए संचार करते समय कर सकते हैं. मनोवैज्ञानिक अनुसंधानों में अक्सर हास्य को उच्च संज्ञानात्मक और भावनात्मक स्तरों, अधिक सामाजिक के रूप में देखा गया है. इसलिए अगली बार जब किसी समूह में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्जकरना चाहते हैं तो कोई बढ़िया सा चुटकुला जरूर सुनाएं.

▪ सीधी बात

एक साथ कई मुद्दों पर बात करने की बजाय बातचीत को सरल रखें और एक ही बिंदु पर ध्यान केंद्रित करें. अधिक सामग्री कवर करने का प्रयास न करें. यदि आप एक ही एजेंडे पर ध्यान केंद्रित करते हैं और सरल शब्दों का उपयोग करते हैं, तो आप अधिक प्रभाव डाल पाएंगे और श्रोता भी अधिक ध्यान देंगे.

कूलर से नहीं आएगा स्मेल!

मौसम के तेवर देखते हुए बंद रखा कूलर बाहर निकाल लिया गया है. महीनों उपयोग नहीं होने के कारण कूलर पर धूल-मिट्टी जमा हो जाती है. कई बार कूलर से दुर्गंध भी आने लगती है. आइए जानें कूलर साफ करने के कुछ टिप्स, जिससे कूलर नया सा और स्मैल फ्री बन जाएगा-

▪ **वॉटर टैंक क्लीन करें**
कूलर का प्लग स्विच बोर्ड से निकाल कर कूलर में भरा पानी निकाल दें. फिर वॉटर टैंक को स्क्रब करें. फिर इसमें सफेद सिरका डाल दें और 1 घंटे बाद वॉटर टैंक को साफ पानी से धो लें. इससे आपका कूलर स्मैल और बैक्टीरिया फ्री हो जाएगा.

▪ **कूलिंग पैड की सफाई**
कूलर के कूलिंग पैड को साफ करने के लिए 1 टब पानी में सफेद सिरका और नींबू का रस डालकर कूलिंग पैड को इसमें भिगो दें. फिर 2 मिनट बाद कूलिंग पैड को पानी से निकालकर सूखने के लिए रखें, इसके बाद इनको कूलर में लगाएं.

▪ **कूलर के विंग्स साफ करें**
पानी में माइल्ड डिटर्जेंट मिलाकर पंखे को क्लीन करें. लेकिन ध्यान रहे, पंखों से मोटर का तार भी जुड़ा रहता है, वे नहीं भिंगे. पानी में सफेद सिरका मिलाकर घोल तैयार करें. अब इस मिक्सचर से कूलर की बॉडी को साफ कर लें.

▪ **मोटर में तेल डालें**
सफाई के बाद कूलर के पंखों और मोटर में ल्यूब्रिकेंट ऑयल डालें. इससे कूलर की मोटर और पंखे जाम नहीं होंगे.

गर्मियों का मजा इन पांच के साथ

रसीले फल, आइसक्रीम और फुर्सत के दिनजी हां, गर्मियों के महीने का मजा ही कुछ और है. लेकिन इस मौसम में खुद का और अपने अपनों का कुछ मामले में ख्याल रखना जरूरी होता है, नहीं तो स्वास्थ्य व त्वचा पर मौसम का तेवर भारी पड़ सकता है. ठंड में जब भी घर से बाहर जाएं, बैग में ये पांच चीजें जरूर रखें-

1. पानी का बॉटल

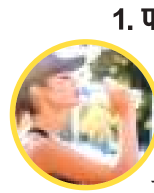

इस मौसम में जब भी घर से बाहर निकलें, अपने बैग में पानी की बॉटल जरूर कैरी करें. इससे आप अपनी बॉडी को थोड़ी-थोड़ी देर में हाइड्रेट कर सकते हैं. गर्मियों में डिहाइड्रेशन की आशंका सबसे अधिक होती है. इसलिए पानी का बॉटल कैरी करना जरूरी है.

2. रुमाल

जब भी बाहर निकलें, आश्वस्त हो लें कि बैग में रुमाल जरूर हो. इस मौसम में पसीना बहुत निकलता है. ऐसे में यह पसीना सुखाने के काम आ सकता है.

3. स्नैक बॉक्स

इस मौसम में बैग में हमेशा स्नैक बॉक्स रखें. आप थोड़ी-थोड़ी देर में कुछ खाते रहें. धूप में ज्यादा देर तक पेट खाली रहने से तबीयत बिगड़ सकती है.

4. सनस्क्रीन

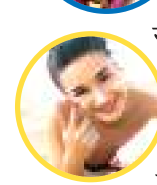

सनस्क्रीन गर्मियों का आवश्यक प्रसाधन है. बाहर निकलने से पहले अपने हाथ, पैर और चेहरे पर अच्छे से सनस्क्रीन अप्लाई करें. एसपीएफ 15 अपने साथ कैरी करें.

5. सनग्लास

धूप में जब भी बाहर निकलें, अपने साथ सनग्लास जरूर कैरी करें. बिना गॉगल के घर से बाहर न निकलें. आंखों के सुकून व स्वास्थ्य के लिए यह जरूरी है.

जीना इसी का नाम है

गुड़िया झा

एक पुरानी कहावत है कि चैन से जीने के लिए लक्जरी जीवन की आवश्यकता नहीं होती है जबकि बेचैन से जीने के लिए बहुत सी संपत्ति भी कम पड़ जाती है. सामने वाले के घर से ज्यादा बड़ा घर बनाना है, ज्यादा बड़ी गाड़ी लेनी है, ज्यादा संपत्ति अर्जित कर भविष्य के लिए निश्चिंत हो जाना है. यह सोच हम भारतीयों की आम बात है. लेकिन क्या हमने कभी सोचा है कि इन भागदौड़ के बीच हम अपने जीवन के सुकून को खोते जा रहे हैं. यह हमारे भीतर ही मौजूद है. जीवन के हर पल का आनंद लेने के लिए सबसे कीमती हमारी सांसें हैं. जिसे ईश्वर ने हमें फ्री में गिफ्ट दिया है. इसकी कीमत हम नहीं समझ पाते हैं और जो बाजारों में बहुत महंगी है उसके पीछे परेशान हैं.

1. दोषारोपण करने से बचें

दुनिया का सबसे आसान काम है दोषारोपण करना. कई बार हम यह भूल जाते हैं कि जब अपने हाथ की एक ऊंगली हम दूसरों की तरफ दिखाते हैं तो बाकी सभी उंगलियां हमारी तरफ ही होती हैं. दोषारोपण कर हम आराम से बैठ जाते हैं. यह सोच कर कि इससे हमारी वर्तमान समस्याएं समाप्त हो जाएंगी. जबकि ऐसा है नहीं.

परिस्थितियां हमेशा एक जैसी नहीं होती हैं. जैसे रात के अंधेरे के बाद हम सुबह का उजाला भी देखते हैं. हमेशा अपने भीतर जोश और जुनून के उत्साह को बरकरार रखें. जब हम उत्साहित रहेंगे तो सामने वाले पर भी इसका अच्छा असर देखने को मिलेगा और हम आने वाले समय में नए भारत के निर्माण में अपना योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे.

2. मुश्किल वक्त कमांडो सख्त

विपरीत परिस्थितियों में बहुत सारे निर्णय हमें सख्ती से भी लेने पड़ते हैं. ये समय भावनाओं में बहने का नहीं होता है. इस समय में जल्दीबाजी में लिया गया कोई भी फैसला सही नहीं होता है. खुद और जनकल्याण के हित में जो सही है उससे समझौता नहीं करें और ना ही अनावश्यक दवाब में रहें. अपनी अंतरात्मा की आवाज अवश्य सुनें. सबकी अपनी सोच अलग होती है. गलत दिशा में भीड़ के पीछे चलने से अच्छा है कि हम सही दिशा में अकेले ही चलें.

हमेशा सकारात्मक रहें और संगति भी ऐसे ही लोगों की रखें क्योंकि काफी हद तक हमारे मन और मस्तिष्क पर संगति का भी असर होता है.

3. बेवजह की बातों से दूर रहें

अक्सर हम देखते हैं कि कई बार हमारा ध्यान अनावश्यक बातों में उलझ जाता है. छोटी छोटी बातों को प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाने से बचें. हर किसी की परिस्थितियां एक जैसी नहीं होती हैं. हम जितना ज्यादा दूसरों से तुलना करते हैं उतना ही ज्यादा अपनी खुशियों से दूर होते जाते हैं. अनावश्यक तनाव मानसिक स्वास्थ्य के साथ साथ शारीरिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

रमता जोगी :

नहर का शहर है केप कोरल

नुपूर अशोक

अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य के एक शहर केप कोरल में आकर मैंने जाना कि नहरों के शहर के नाम से विख्यात वेनिस से भी अधिक नहरें इस शहर में हैं. जैसे हर घर के सामने एक सड़क होती है जिसके जरिए आप कहीं भी आना जाना कर सकते हैं, उसी तरह यहां अधिकतर घरों के एक ओर सड़क और दूसरी ओर नहर थी. सड़क पर गाडियां पार्क की हुई थीं और नहर में नाव. जैसे गाड़ियों के साथ कई घरों में टू व्हीलर भी होते हैं, उसी तरह यहां बड़ी नाव के साथ साथ सिंगल सीटर कायाक भी थे जिनमें सिर्फ एक व्यक्ति बैठ सकता है. हम जिस परिवार के साथ ठहरे थे उनका घर भी इसी तरह नहर और सड़क दोनों से जुड़ा हुआ था. एयरपोर्ट से घर तक हम अपने मेजबान की गाड़ी से आए. हमारी गाड़ी के साथ-साथ उनकी पत्नी अपना ट्रक चलाती हुई आईं. एक महिला को ट्रक चलाते हुए देखना हमारे लिए एक आश्चर्य का विषय था, हालांकि वह ट्रक हमारे देश के ट्रकों की तरह नहीं था, फिर भी उसमें आगे एक बंद केबिन और पीछे खुला हुआ हिस्सा था, यानी उसे कार नहीं कह सकते, ट्रक ही कहना होगा. लेकिन अपने देश में देखे हुए ट्रकों और ट्रक चालकों की जो छिव अभी तक हमारे मन में थी वह इन्हें देखकर बदल गई.

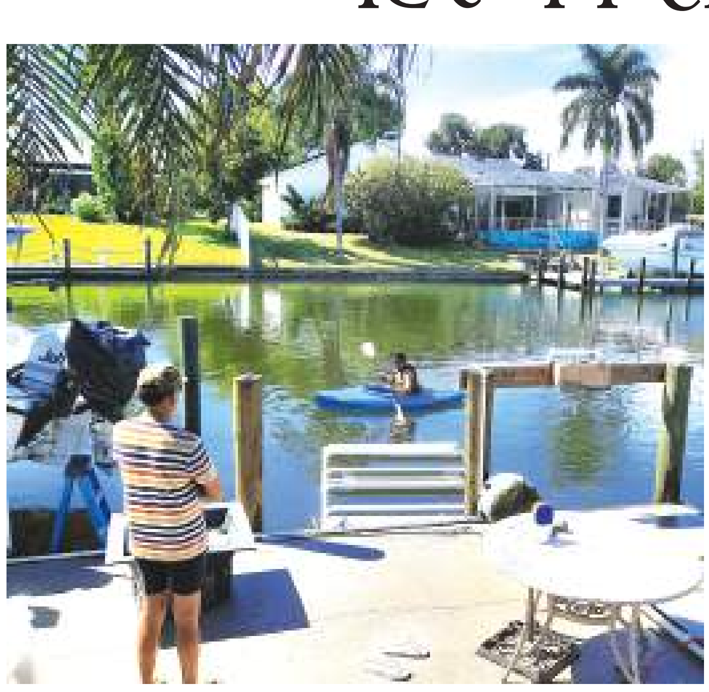

नई जगहों पर जाना आपको नए रूपों से, नए तरीकों से परिचित कराता है. अमेरिका की यात्रा के दौरान हमारी यह धारणा भी बदली कि रोटी, ब्रेड और आलू भोजन में तीन अलग भूमिकाएं निभाते हैं - एक मुख्य खाने का अंग होता है, एक नाश्ते का और एक सब्जी. यहां हमने देखा कि ये भोजन का एक ही अंग होते हैं – कार्बोहाइड्रेट. यानी तीनों में एक किसी एक का होना अन्य दो की आवश्यकता को समाप्त कर देता है. यदि खाने में आलू है तो फिर न रोटी होगी न ब्रेड. बस उसके साथ कोई भी एक प्रोटीन और कुछ हरे पत्तों का सलाद. आजकल वहां प्लांट बेस्ड प्रोटीन यानी वनस्पति निर्मित प्रोटीन, का काफी चलन है और इसकी कीमत भी ज़्यादा होती है. घूम-फिर कर यह राजमा-छोले-सोयाबड़ी का ही मिश्रण होती है.

केप कोरल में नहरों का जाल लगभग 400 मील लंबा है. अपने मेजबान के साथ हम थ्री फिशरमेन नामक एक रेस्टोरेन्ट में गए. यहाँ भी पहुंचने के दो मार्ग थे - सड़क मार्ग और जलमार्ग. यानी अपने घर से नाव में निकलिए, रेस्टोरेन्ट की जेटी में नाव पार्क करिए और रेस्टोरेन्ट में दाखिल हो जाइए. यह हमारे लिए एक अनोखा अनुभव था. एक और नया अनुभव हमने किया सिक्स माइल स्लो नामक एक पार्क का. भारत में अधिकतर जगहों पर जाते ही हम किसी सवारी की अपेक्षा करते हैं- कोई गोल्फ कार्ट, या ट्रेन या कोई और गाड़ी जो हमें उस पूरे स्थान का भ्रमण कराए. लेकिन यहां पैदल चलने के लिए मीलों लंबे पार्क बने हुए हैं जहां जाकर लोग घंटों टहलते रहते हैं. बीच-बीच में आराम करने के लिए जगहें बनी हुई हैं जहां बैठकर आप सुस्ता सकते हैं. केप कोरल में हमने बटरफ्लाई पार्क भी देखा जहां तरह-तरह की तितलियों की प्रजातियां देखी जा सकती हैं. एक एक्ज़ीबीशन हाल में तितलियों से संबन्धित कई जानकारियां भी प्रदर्शित थीं. तितलियों की उड़ान, सिक्स माइल की पदयात्रा और नहरों की नावों के सफर के इस अनुभव को संजो कर हम अमरीका यात्रा के अगले चरण पर बढ़ चले.

स्वियातेक ने मैड्रिड ओपन का खिताब जीता

मैड्रिड। इगा स्वियातेक ने पिछले साल के फाइनल में एरिना सबालेंका के खिलाफ हार का बदला चुकता करते हुए शनिवार को यहां मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल का खिताब अपने नाम किया. दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी पोलैंड की स्वियातेक ने दूसरे नंबर की खिलाड़ी सबालेंका को तीन सेट तक चले फाइनल में 7-5, 4-6, 7-6 से हराकर सत्र का अपना तीसरा खिताब जीता. स्वियातेक 2012 में कैरोलिन वोजनियाकी के बाद 20 खिताब के आंकड़े को छूने वाली सबसे युवा खिलाड़ी हैं. स्वियातेक तीसरे सेट में जब 5-6 के स्कोर पर सर्विस कर रहीं थी तो उन्होंने दो मैच प्वाइंट बचाए. उन्होंने टाईब्रेक में तीसरा मैच प्वाइंट बचाया और फिर सेट जीतकर खिताब अपने नाम किया.

वीमेंस टी20 वर्ल्ड कप का शिड्यूल जारी

6 अक्टूबर को भिड़ेंगे भारत और पाकिस्तान

एजेंसी। दुबई

आईसीसी ने महिला टी20 विश्व कप 2024 का शेड्यूल जारी कर दिया है. इस टूर्नामेंट का आयोजन बांग्लादेश में होगा. भारतीय महिला टीम को ग्रुप ए में रखा गया है. इसमें पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की टीम भी है. टूर्नामेंट का आगाज 3 अक्टूबर से होगा. पहला मैच इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा. वहीं भारत का पहला मैच न्यूजीलैंड से है. यह मुकाबला 4 अक्टूबर को आयोजित होगा. भारत और पाकिस्तान के मैच का फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है. वीमेंस टी20 वर्ल्डकप 2024 में भारत और पाकिस्तान के बीच 6 अक्टूबर को मैच खेला जाएगा. टीम इंडिया इसके बाद क्वालीफायर 1 की टीम से भिड़ेगी. भारत और ऑस्ट्रेलिया केबीच 13 अक्टूबर को मैच खेला जाएगा. अगर पहले सेमीफाइनल की बात करें तो यह 17 अक्टूबर को और दूसरा सेमीफाइनल 18 अक्टूबर को खेला जाएगा. फाइनल मैच 20 अक्टूबर को आयोजित होगा. आईसीसी वीमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 में कुल 23 मैच खेले जाएंगे. ये मुकाबले 19 दिनों में ढाका और सिलहट में आयोजित होंगे.

टूर्नामेंट के लिए दो ग्रुप बनाए गए हैं. ग्रुप ए में पांच टीमें हैं. ग्रुप बी में भी पांच टीमें हैं. ग्रुप में भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और क्वालीफायर 1 की टीम होगी. ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और क्वालीफायर 2 की टीम को रखा गया है. टूर्नामेंट में हर टीम कुल चार ग्रुप मैच खेलेंगी. इसके बाद हर ग्रुप की दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी. यह 17 और 18 अक्तूबर को आयोजित होगा. इसके बाद फाइनल मैच खेला जाएगा. बता दें कि टी20 वर्ल्ड कप में भारत अभी तक एक भी खिताब नहीं जीत पाया है. इसमें सबसे ज्यादा खिताब ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं. ऑस्ट्रेलिया ने 6 बार खिताब जीता है. इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने 1-1 बार खिताब जीता है. टी20 वर्ल्ड कप 2016 का आयोजन भारत में ही हुआ था. इसका फाइनल मैच ईडन गार्डन्स में खेला गया था. टीम इंडिया एक बार फाइनल में पहुंची है. उसे 2020 में ऑस्ट्रेलिया ने हरा दिया था. रविवार को क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने वाली दो टीम तय होने के साथ मुख्य टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली दो टीम का फैसला होगा.आयरलैंड, यूएई, श्रीलंका और स्कॉटलैंड मुख्य टूर्नामेंट में जगह बनाने की दौड़ में हैं.

बांग्लादेश होगा मेजबान, भारत ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया के साथ

- ग्रुप ए- भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और क्वालीफायर एक.
- ग्रुप बी- दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और क्वालीफायर दो

एक नजर

- पहले सेमीफाइनल 17 अक्टूबर को और दूसरा सेमीफाइनल 18 अक्टूबर को खेला जाएगा.
- फाइनल मैच 20 अक्टूबर को आयोजित होगा.
- टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा खिताब ऑस्ट्रेलिया ने 6 बार खिताब जीता है.
- ईसीसी वीमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 में कुल 23 मैच खेले जाएंगे, टूर्नामेंट में हर टीम कुल चार ग्रुप मैच खेलेंगी.

ब्रीफ खबरें

पुजारा के शतक से ससेक्स मजबूत

लंदन। चेतेश्वर पुजारा के नाबाद 104 रन की मदद से ससेक्स ने डर्बीशर के खिलाफ काउंटी डिवीजन दो मैच में 111 रन की बढ़त बना ली है. पुजारा ने नाबाद पारी में 167 गेंद का सामना करते हुए 10 चौके मारे. उन्होंने सत्र के तीसरे मैच में पहला शतक जड़ा. उन्होंने ग्लॉस्टरशर के खिलाफ नाबाद 86 और 44 रन बनाए.लीसेस्टरशर के खिलाफ अपनी एकमात्र पारी में 38 रन का योगदान दिया. डर्बीशर के 246 रन के जवाब में ससेक्स ने पुजारा के शतक और हैन्स (58), अलसॉप (64) और कोल्स (72) की मदद से 5 विकेट पर 357 रन बनाकर स्थिति मजबूत की.

बुंदेसलीगा में स्टुटगार्ट से हारा बायर्न म्यूनिख

बर्लिन। बायर्न म्यूनिख को रीयाल मैड्रिड के खिलाफ सेमीफाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले से पहले बुंदेसलीगा फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने अंतिम मैच में स्टुटगार्ट के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा. मैच के दौरान बायर्न के गुरेइरो चोटिल भी हो गए. बुधवार को मैड्रिड के खिलाफ निर्णायक मैच में भी उनका खेलना संदिग्ध है. बायर्न की ओर से एकमात्र गोल पेनल्टी पर हैरी केन ने 37वें मिनट में दागा.

रीयाल मैड्रिड ने रिकॉर्ड 36वां बार खिताब जीता

बार्सीलोना। रीयाल मैड्रिड ने बायर्न म्यूनिख के खिलाफ चैंपियन्स लीग सेमीफाइनल से यहां चार मैच शेष रहते स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया. मैड्रिड ने अपनी बेंच स्ट्रैंथ को आजमाने के बावजूद केडिज को 3-0 से हराया. बार्सीलोना इसके बाद गिरोना के खिलाफ 2-4 से हार गई जिससे मैड्रिड ने खिताब सुनिश्चित किया. मैड्रिड ने अपने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए 36वीं बार ला लीगा का खिताब जीता.

आईपीएल : पंजाब पर अकेले भारी पड़े जडेजा, बल्ले के बाद गेंद से ढाया कहर

चेन्नई ने 28 रन से जीता मैच

- शिवम दुबे लगातार दूसरी बार खाता खोले बगैर आउट हुए
- **प्वॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर पहुंचे चेन्नई सुपर किंग्स**

एजेंसी। धर्मशाला

आईपीएल के 53वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने पंजाब किंग्स को 28 रन से हरा दिया. इस मैच में रवींद्र जडेजा ने शानदार प्रदर्शन किया.पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम के लिए सबसे ज्यादा 43 रन बनाए, फिर गेंदबाजी में 20 रन पर 3 विकेट चटका दिए.

पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 167 रन बनाए. इसके जवाब में पंजाब किंग्स की टीम सिर्फ 139 रन पर ही बना सकी. इससे पहले धर्मशाला में सैम करन ने टॉस जीता और गायकवाड की टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया. मैच के दूसरे ओवर में ही रहाणे 9 रन बनाकर आउट हो गए. इसके बाद ऋतुराज और डेरिल मिचेल ने अच्छी साझेदारी की और टीम को 60 के पार पहुंचाया. 69 के स्कोर पर गायकवाड 32 रन बनाकर आउट हुए तो शिवम दुबे को पहली गेंद पर हर्षल पटेल ने बोल्ड मार दिया. 9वें ओवर में डेरिल मिचेल भी 30 रन बनाकर आउट हो गए.

जडेजा ने चेन्नई के लिए बनाए सबसे ज्यादा रन : इसके बाद रवींद्र जडेजा ने एक छोर संभाला और टीम के स्कोर को बढ़ाते रहे. दूसरी ओर से विकेटों के गिरने का सिलसिला जारी रहा और 122 के स्कोर तक 6 विकेट गिर गए. मिचेल सेंटनर और शार्दुल ठाकुर ने जैसे तैसे टीम को 150 तक पहुंचाया. 150 पर शार्दुल ठाकुर आउट हुए तो धोनी बल्लेबाजी के लिए आए लेकिन वह पहली गेंद पर हर्षल पटेल का शिकार हो गए.

जडेजा 20वें ओवर में आउट होने से पहले 26 गेंदों में 3 चौके और 2 छक्कों की मदद से 43 रन बना गए और टीम को 167 तक पहुंचा दिया.

गेंद से भी जड़ेजा ने बरपाया कहर

168 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत बेहद खराब रही.पारी के दूसरे ओवर में तुषार देशपांडे ने जॉनी बेयरस्टो और फिर राइली रूसो को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया. इसके बाद शशांक सिंह और प्रभसिमरन सिंह ने टीम को 50 के पार पहुंचाया. मिचेल सेंटनर ने शशांक को आउट कर साझेदारी तोड़ी तो जडेजा ने प्रभसिमरन को पवेलियन भेज दिया. सिमरनजीत सिंह ने जीतेश शर्मा को आउट कर पंजाब की आधी टीम को समेट दिया.पंजाब किंग्स के कप्तान सैम करन भी ज्यादा देर नहीं टिक सके और रवींद्र जडेजा का शिकार हो गए. इसके बाद जडेजा ने आशुतोष शर्मा को आउट कर पंजाब की उम्मीदें तोड़ दी. आखिरी बल्लेबाजों ने संघर्ष करने की कोशिश की लेकिन चेन्नई के सामने पूरे 20 ओवर खेलने के बाद सिर्फ 139 रन बना सकी. जडेजा ने 4 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट हासिल किए तो तुषार देशपांडे और सिमरनजीत सिंह को भी 2-2 विकेट मिले.

मुंबई के खिलाफ मजबूती से उतरेंगे सनराइजर्स

मुंबई। आत्मविश्वास से भरी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम सोमवार को यहां खराब फॉर्म से जूझ रहे मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के साथ इंडियन प्रीमियर लीग की अंक तालिका में आगे बढ़ने की कोशिश करेगी. दस मैच में छह जीत और चार हार से 12 अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर मौजूद सनराइजर्स की टीम ऑलराउंड प्रदर्शन करने और विशेष रूप से अपने गेंदबाजी विभाग में सुधार करने के लिए बेताब होगी. पैट कमिंस की अगुवाई वाली टीम राजस्थान रॉयल्स (16 अंक), कोलकाता नाइट राइडर्स (14 अंक) और लखनऊ सुपर जाइंट्स (12 अंक) के साथ शीर्ष चार में शामिल है. चेन्नई सुपरकिंग्स (10 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर) और दिल्ली कैपिटल्स (10 अंकों के साथ छठे स्थान पर) से अंक तालिका में सनराइजर्स को कड़ी चुनौती मिल रही है. वानखेड़े की पिच अगर बल्लेबाजी के अनुकूल होती है तो सनराइजर्स के बल्लेबाजों के एक बार फिर बड़ा स्कोर खड़ा करने की उम्मीद है जो वे मौजूदा सत्र में कई बार कर चुके हैं.

समयः शाम 7:30 बजे से

केकेआर ने हासिल की सीजन की दूसरी सबसे बड़ी जीत

टेबल में टॉप पर पहुंची कोलकाता

- केकेआर : 235/6
- एलएसजी : 137/10

एजेंसी। लखनऊ

सुनील नरेन की विस्फोटक बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के कमाल से कोलकाता नाइट राइडर्स ने लखनऊ सुपरजाइंट्स को उसके घर में 98 रन से हरा दिया. मैच में लखनऊ के कप्तान केएल राहुल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था. केकेआर की टीम ने मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इकाना क्रिकेट स्टेडियम में निर्धारित 20 ओवर के खेल में 236 रन का स्कोर खड़ा कर दिया. इसके जवाब में लखनऊ की टीम 137 रन बनाकर सिमट गई. इस तरह केकेआर ने मैच को 23 गेंद शेष रहते ही अपने नाम कर लिया. इस जीत के साथ ही केकेआर के अब 16 अंक हो गए हैं. टीम ने इस सीजन 11 मैचों में से 8वीं जीत हासिल की. वहीं पॉइंट्स टेबल में केकेआर अब पहले स्थान पर है.मैच में 236 रनों को डिफेंड करने उतरी केकेआर की टीम के लिए सभी गेंदबाजों ने कमाल का खेल दिखाया. हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती ने तीन-तीन विकेट अपने नाम किए. इसके अलावा आंद्रे रसेल ने दो विकेट लिए जबकि मिचेल स्टार्क और सुनील नरेन के खाते में एक-एक विकेट आया.

- राणा-चक्रवर्ती को 3-3 विकेट, रसेल ने झटके 2 विकेट

लखनऊ की बल्लेबाजी बुरी तरह रही फ्लॉप : केकेआर के खिलाफ मुकाबले में लखनऊ के कप्तान केएल राहुल के पहले बॉलिंग करने का फैसला उल्टा पड़ गया. टीम के गेंदबाजों ने खूब रन लुटाए और इस मैदान पर टी20 क्रिकेट में पहली बार किसी टीम ने 200 रन से ज्यादा का स्कोर करने में सफल रही. वहीं दूसरी पारी में जब लखनऊ की बैटिंग शुरू हुई तो उसके बल्लेबाज बुरी तरह से संघर्ष करते हुए दिखे. टीम की तरफ से सबसे अधिक मार्कस स्टोइनिस ने 36 रनों की पारी खेली. स्टोइनिस के अलावा केएल राहुल ने 21 गेंद में 25 रनों का योगदान दिया. इन दोनों को छोड़कर और कोई भी खिलाड़ी अपना कमाल नहीं दिखा सके.

कोलकाता ने लखनऊ को 98 रन से हराया

सुनील नारायण
रन : 81
गेंद : 39
चौका : 7
छक्का : 7

केकेआर के लिए बैटिंग में छा गए सुनील नरेन

लखनऊ के खिलाफ इस मुकाबले में केकेआर के लिए सुनील नरेन ने धमाल मचा दिया. फिल साल्ट के साथ पारी की शुरुआत करते हुए सुनील नरेन ने 39 गेंद में 81 रनों की दमदार पारी खेली. इस दौरान उन्होंने 7 छक्के और 6 चौके भी लगाए. सुनील नरेन के अलावा फिल साल्ट और अंग कृष रघुवंशी ने 32-32 रनों की दमदार पारी खेली, जबकि रमणदीप सिंह ने अंतिम ओवरों में 6 गेंद में तूफानी अंदाज में 25 रनों की बेहतरीन पारी खेली. वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी 23 रन बनाए.

निराशाजनक : भारत की पुरुष 4X गुणा 400 मीटर टीम विश्व रिले की हीट को पूरा करने में नाकाम

एथलेटिक्स विश्व रिले: भारत के लिए आज आखिरी मौका

एजेंसी नासाउ (बहामास)

दूसरे चरण के धावक राजेश रमेश के पैर में जकड़न के कारण बाहर होने से भारतीय पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ओलंपिक क्वालीफिकेशन के पहले दौर के दौरान रविवार को यहां विश्व एथलेटिक्स रिले में अपनी हीट (शुरुआती दौर की रेस) पूरी करने में विफल रही.मोहम्मद अनस याहिया, राजेश रमेश, मो.अजमल और अमोज जैकब की भारतीय चौकड़ी हीट नंबर चार में शीर्ष दो में रहकर पेरिस का टिकट पक्का करने की उम्मीद कर रही थी, लेकिन रमेश ने बायां पैर पकड़ कर लड़खड़ाते हुए रेस बीच में ही छोड़ दी. अनस पहले चरण की दौड़ पूरी कर चुके थे. भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने एक बयान में कहा, पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले टीम की शुरुआत अच्छी रही थी मोहम्मद अनस ने पहले चरण में 45.93 सेकेंड का समय लिया, लेकिन दूसरे धावक राजेश रमेश पहले मोड़ पर पैर की मांसपेशियों में जकड़न के कारण गिर गए. रमेश ने पुरुष वर्ग में हिस्सा लेने से तीन घंटे पहले मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले में भी भाग लिया था. भारत के पास सोमवार को क्वालीफिकेशन के दूसरे दौर के दौरान एक और मौका होगा, जहां रविवार को अपनी-अपनी हीट में शीर्ष दो से बाहर रहने वाली अन्य सभी टीमें पेरिस खेलों में क्वालीफाई करने के लिए अपनी किस्मत आजमाएंगी.

भारतीय महिलाओं ने भी निराश किया

भारत क्वालीफिकेशन के पहले दिन महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले में भी पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने में असफल रहा. मिश्रित चार गुणा 400 मीटर और महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर दोनों भारतीय टीमों को ओलंपिक क्वालीफिकेशन के लिए सोमवार को होने वाले दूसरे दौर का इंतजार करना होगा. मिश्रित चार गुणा 400 मीटर स्पर्धा में राजेश रमेश, रूपल चौधरी, अविनाश कृष्ण कुमार और ज्योतिका श्री दांडी की भारतीय चौकड़ी खराब प्रदर्शन करते हुए तीन मिनट 20.36 सेकेंड के समय के साथ हीट नंबर दो में छठे स्थान पर रही. बाद में विथ्या रामराज, एमआर पूवम्मा, ज्योतिका श्री दांडी और सुभा वेंकटेशन की भारतीय चौकड़ी तीन मिनट और 29.74 सेकंड के समय के साथ महिला चार गुणा 400 मीटर की हीट नंबर एक में पांचवें स्थान पर रही. यहां से चार हीट में से प्रत्येक में शीर्ष दो में रहने वाली टीमें 16 जुलाई से 11 अगस्त तक होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगी. सभी हीट में शेष टीमें अन्य छह पेरिस ओलंपिक स्थानों के लिए एक और क्वालिफिकेशन दौर में सोमवार को फिर से प्रतिस्पर्धा करेंगी. यहां आयोजित होने वाली सभी पांच रिले- पुरुषों और महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर, पुरुषों और महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर- के लिए प्रारूप समान है.

बजरंग अस्थाई रूप से सस्पेंड

एजेंसी। नयी दिल्ली

बजरंग पुनिया को हाल ही में राष्ट्रीय ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए अपना नमूना देने से इनकार करने पर अस्थाई तौर पर निलंबित कर दिया गया है. भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) इस मामले में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा उसे अंधेरे में रखने का आरोप लगाते हुए विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से शिकायत करने की योजना बना रहा है. बजरंग को 23 अप्रैल को नाडा ने अस्थाई निलंबन सौंपा था. उन्हें आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई से बचने के लिए सात मई तक अपना जवाब भेजने को कहा गया था. बिश्केक में एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के लिए पुरुषों की राष्ट्रीय टीम चुनने के लिए ट्रायल 10 मार्च को सोनीपत में आयोजित किया गया था और बजरंग अपना मुकाबला हारने के बाद मूत्र का नमूना दिए बिना ही प्रतियोगिता स्थल से चले गये थे.

बजरंग बोले-मैंने कभी इनकार नहीं किया : बजरंग ने अपने निलंबन पर कहा कि उन्होंने कभी भी नाडा अधिकारियों को अपना नमूना देने से इनकार नहीं किया. उन्होंने नाडा पर एक्सपायर हो चुकी किट देने का आरोप लगाते हुए एक्स पर लिखा, मेरे बारे में जो डोप टेस्ट के लिए खबर आ रही है उसके लिये मैं स्पष्ट करना चाहता हूं. मैंने कभी भी नाडा अधिकारियों को नमूना देने से इनकार नहीं किया, मैंने उनसे अनुरोध किया कि वे मुझे जवाब दें कि वे पहले मेरा नमूना लेने के लिए जो एक्सपायर किट लाए थे, उस पर उन्होंने क्या कदम उठाए या क्या कार्रवाई की उसका जवाब दे दीजिए और फिर मेरा डोप टेस्ट ले लीजिए. उन्होंने कहा, मेरे वकील विदुष सिंघानिया इस पत्र का जवाब समय अनुसार देंगे. बजरंग अगर तय समय में अपना जवाब देने में असफल रहते हैं तो वह पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन की दौड़ से बाहर हो जाएंगे.

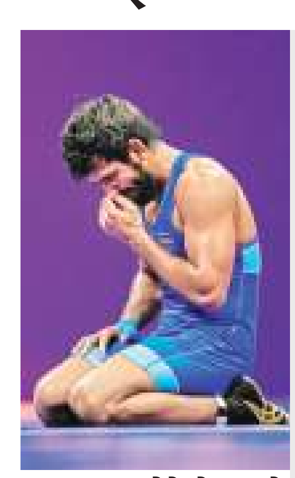

नाडा पर अंधेरे में रखने का आरोप लगाया डब्ल्यूएफआई ने

डब्ल्यूएफआई ने कहा- मुझे सूचित नहीं किया

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने आश्चर्य व्यक्त किया कि नाडा ने उन्हें बजरंग के निलंबन के बारे में सूचित नहीं किया. संजय ने कहा, यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि नाडा ने बजरंग को निलंबित करते समय हमें सूचित नहीं किया. मैंने 25 अप्रैल को नाडा महानिदेशक के साथ बैठक की थी, तब यह मामला नहीं उठाया गया था. वे रहने के स्थान संबंधी शर्तों, लंबी सूची (पेरिस ओलंपिक के संभावित दावेदार) आदि मामलों पर हमारे साथ संवाद करते रहते हैं. हमने हाल ही में हुए फेडरेशन कप के बारे में भी चर्चा की, जहां उन्होंने विजेताओं से नमूने इकट्ठा करने के लिए अधिकारियों को भेजा था.

▼ ब्रीफ खबरें

मॉर्निंग वॉक पर निकले युवक को मारी गोली

पटना । रविवार सुबह अपराधियों ने एक युवक को मौत के घाट उतार दिया. अपराधियों ने युवक पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. मामला पटना के गोपालपुर थाना क्षेत्र के अजीम चौक का है. मृतक का नाम विकास कुमार बताया जा रहा है. मृतक सुबह सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए निकाला था. इसी दौरान अपराधियों ने उसपर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी. जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई.

सास और देवर ने महिला को मारी गोली, मौत

मुजफ्फरपुर । जिले के रामपुर हरी थाना क्षेत्र के भवानीपुर गांव में एक महिला की हत्या कर दी गई. गोली मारने वाला महिला की सास और देवर थे. गोली लगने के बाद महिला की मौत हो गई. हत्या के बाद महिला का सास और देवर घर से फरार हैं. मृतक के पति रामेश्वर सहनी ने अपने मां और भाई पर अपनी पत्नी की हत्या का आरोप लगाया है. मृतक महिला की पहचान रामपुर हरी थाना क्षेत्र के भवानीपुर निवासी राम ईश्वर सहनी की पत्नी गीता देवी के रुप में हुई है. हत्या की सूचना प्राप्त होते ही रामपुर हरी थाना प्रभारी सुजीत मिश्रा दल बल के साथ मौके पर पहुंचे.

पुलिस ने डोडा लदा स्कॉर्पियो जब्त किया

गया । वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस इमामगंज थाना क्षेत्र के बड़का करासन गांव के पास डोडा लदा एक स्कोर्पियो को जब्त किया. शनिवार की देर रात गंगटी बाजार के पास पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी तभी एक स्कार्पियो पुलिस को देख कर भागने लगी. शक होने पर पुलिस ने पीछा किया तो स्कॉर्पियो को चालक बड़का करासन गांव में छोड़कर भाग गया. पुलिस स्कोर्पियो की तलाशी ली तो उसमें डोडा मिला. पुलिस दो लाइनर को भी पुलिस पकड़ कर पूछताछ कर रही है. गिरफ्तार व्यक्ति कोठी थाना क्षेत्र का दानिश बताया जा रहा है जो पेशे से बाइक मिस्त्री है.

चुनाव में संविधान और आरक्षण का मुद्दा एनडीए और इंडिया गठबंधन की ओर से उठाया जा रहा है

संविधान खत्म करने का इनका बयान झूठ है: चिराग

संवाददाता ।पटना

प्रदेश के युवा नेताओं में जुबानी जंग तेज होती जा रही है. एक तरफ लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान हैं तो दूसरी ओर राजद के तेजस्वी यादव हैं. चिराग ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को कानूनी कार्रवाई के चेतावनी दी है. उन्होंने कहा है कि राजद नेता बेवजह बदनाम करते हैं कि एनडीए की सरकार बनी तो आरक्षण को खत्म कर दिया जाएगा. एलजेपीआर सुप्रीमो ने कहा कि अगर उन्होंने यह बोलना बंद नहीं किया तो मजबूरन कानूनी कार्रवाई के लिए कदम आगे बढ़ना पड़ेगा. चिराग पासवान ने लालू यादव के पुत्र तेजस्वी यादव समेत विपक्ष के नेताओं पर झूठ बोलने का आरोप लगाया. मीडिया से बात करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि विपक्षी गठबंधन के पास कोई मुद्दा नहीं है. जनता को बताने के लिए कोई बात नहीं है तो फालतू की बातों को उठाकर ये लोगों की भावनाओं को भड़काने का काम करते रहते हैं. संविधान और आरक्षण खत्म करने का इनका बयान सरासर झूठ है. कोई ऐसा कर ही नहीं सकता. अगर उनलोगों ने मुझे बदनाम किया है तो बहुत गलत बात है. अगर ये लोग अपने बयान को मेरे साथ जोड़कर कुछ कहते हैं तो हमारी पार्टी की ओर से कानूनी कार्रवाई की जाएगी. चिराग पासवान ने कहा कि विपक्ष के लोग सिर्फ झूठ फैला रहे हैं और गलत बयानी करके लोगों का वोट हासिल करने की फिराक में हैं. चिराग पासवान ने दावा किया कि बिहार की सभी चालीस लोकसभा सीटों पर एनडीए के उम्मीदवार जीत दर्ज करेंगे.

दरअसल लोकसभा चुनाव 2024 में संविधान और आरक्षण का मुद्दा एनडीए और इंडिया गठबंधन की ओर से जोर-जोर से उठाया जा रहा है. इंडिया गठबंधन एक आरोप लगाती है कि अगर नरेंद्र मोदी की सरकार फिर से दिल्ली में बन गयी तो ये लोग संविधान और आरक्षण खत्म कर देंगे. राहुल गांधी, लालू यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव समेत आरजेडी और कांग्रेस के नेता यह अक्सर करते रहते हैं कि एनडीए में शामिल दलों के साथ मिलकर बीजेपी वाले संविधान को खत्म करना चाहती है और गरीबों का आरक्षण भी छीन लेना चाहती है. उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके सहयोगी जनसभा में भाषण देते हैं कि कांग्रेस और राजद मिलकर संविधान में छेड़छाड़ करते हुए ओबीसी और दलितों का आरक्षण छीनकर धर्म के आधार पर मुसलमान को देना चाहती है. रविवार को बिहार और झारखंड की चुनावी रैलियों में पीएम मोदी ने यह मुद्दा उठाया.

बयानों के तीर

- ये लोगों की भावनाओं को भड़काने का काम करते हैं
- इन लोगों ने मुझे बदनाम किया है, जो बहुत ही गलत बात है
- गलत बयानी कर वोट हासिल करने की फिराक में जुटे हैं

चुनाव सामने है, तो इसका क्रेडिट लेने की होड़ मची है: आनंद मोहन

दूसरी ओर सरकारी नौकरी, आरक्षण और संविधान बिहार में लोकसभा चुनाव के ज्वलंत चुनावी मुद्दे हैं. खासकर नीतीश कुमार की जेडीयू और तेजस्वी यादव की आरजेडी बीच बिहार में सरकारी नौकरी का क्रेडिट लेने की होड़ मची है. तेजस्वी यादव यह दावा करते फिरते हैं कि चाचा नीतीश कुमार 17 सालों में जो नहीं कर पाए उसे 17 महीनों तक सरकार में रहते हुए आरजेडी ने कर दिखाया. इस पर तेजस्वी लोगों से वोट भी मांग रहे हैं.

तेजस्वी के इस दावे पर बाहुबली नेता और पूर्व सांसद आनंद मोहन ने करारा प्रहार किया है. उन्होंने कहा है कि पिताजी के राज में एक भी नहीं और काका जी के शासन काल में तेजस्वी यादव नौकरी बांटने लगे. आनंद मोहन की पत्नी लवली आनंद शिवहर लोकसभा सीट से जेडीयू की उम्मीदवार हैं. उन्होंने लवली आनंद

की भारी मतों के अंतर से जीत का दावा किया और लालू परिवार पर जमकर निशाना साधा. बिहार में पिछले दिनों शिक्षा विभाग और अन्य विभागों को कुल मिलाकर लगभग पांच लाख लोगों को नौकरी देने का दावा सरकार करती है. अब चुनाव सामने है तो इसका क्रेडिट लेने की होड़ मची है. तेजस्वी यादव कहते हैं कि उनकी वजह से बिहार में नौकरियां दी गईं. क्रेडिट लेने पर पलटवार करते हुए पूर्व सांसद आनंद मोहन ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि हमने रोजी दी तो उन्हें बताना चाहिए कि पिताजी के राज में कितने लोगों को रोजी दी गई. तंज करते हुए कहा कि पिताजी के राज में कोई रोजगार नहीं दिया और काका जी के राज में नौकरी बांटने लगे. कहा कि यह सब चुनावी लफ्फाजी है. इसका कोई मतलब नहीं है. उन्होंने कहा कि ये लोग कायर हैं जो जाति और बाहरी-भीतरी का राग अलापते रहते हैं. यह उनके हार की निशानी है. तेजस्वी के बयान को लेकर उन्होंने कहा कि खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे. वहीं राजद ने आनंद मोहन के इस बयान पर पार्टी के प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि आनंद मोहन क्या बोलेंगे, उनका कैसा अतीत रहा है यह किसी से छुपा नहीं है. शक्ति सिंह यादव ने कहा कि तेजस्वी ने लाखों बेरोजगारों को नौकरी दी है तो डंके की चोट पर क्रेडिट लेंगे. 17 सालों तक सोए रहे और बिहार के युवाओं को मूर्ख बना रहे थे.

रोहिणी का पता पटना है, छपरा नहीं: राजीव

चुनावी हलफनामे

संवाददाता ।पटना

बिहार में लोकसभा की पूर्णिया की तरह ही छपरा भी हॉट सीट बन गई है. यहां पर पहले से ही भाजपा के राजीव प्रताप रूडी चुनाव लड़ते आ रहे हैं. वहीं इस बार राजद ने रोहिणी आचार्य को उतारा है. रोहिणी शुरू से ही रूडी के खिलाफ आक्रामक हैं. इस बीच चुनावी अखाड़े में उतरी रोहिणी आचार्य ने बिना नाम लिए अपने प्रतिद्वंद्वी और भाजपा नेता राजीव प्रताप रूडी पर हमला बोला है. रोहिणी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि पराजित होने की प्रबल संभावना से ग्रसित लोग ही झूठे-भ्रामक प्रचार और प्रॉपगेंडा की आड़ में अपना कायरपन छिपाते हैं. गलत नहीं कहा- माना और जाना गया है कि खोखले बर्तन- खोखली चीजें- खोखले लोग शोर ज्यादा मचाते हैं. लड़ना है तो सामने से लड़ो, कब तक लड़ोगे डरे-छिपे. ये पोस्ट रोहिणी ने उस बयान पर किया है, जिसमें राजीव ने कहा था कि चुनावी हलफनामे के अनुसार रोहिणी का पता पटना है छपरा नहीं. जीत गईं तो उनसे मिलने के लिए अंतरिक्ष या सिंगापुर जाना होगा. बता दें कि जब से रोहिणी ने नामांकन किया है, उसी दिन से बीजेपी ये आरोप लगा रही है कि उनके नामांकन में दी गई जानकारी सही नहीं है. ये सवाल उठने लगे कि क्या रोहिणी आचार्य का नामांकन रद्द हो जाएगा? हालांकि आरजेडी के राष्ट्रीय प्रवक्ता नवल किशोर ने पोस्ट कर दावा किया है कि रोहिणी का नामांकन मंजूर हो गया है, उन्होंने कहा कि बीजेपी केवल भ्रम फैला रही है. राजीव ने कहा था कि रोहिणी आचार्य चुनाव जीतने के लिए इस बात का मुद्दा बना रही हैं कि वह छपरा की बेटी हैं. नामांकन में जो एफिडेविट दाखिल किया गया है, उसमें रोहिणी का पता पटना का है. छपरा से उनका कोई लेना देना नहीं है. उन्होंने कहा कि मेरा और मेरी पार्टी के कार्यकर्ताओं का मानना है कि जो छपरा का निवासी नहीं है, उसे वोट मांगने का कोई अधिकार नहीं है. बता दें कि 20 मई को पांचवें चरण में सारण में वोटिंग होगी, जहां रूडी का मुकाबला आरजेडी प्रत्याशी रोहिणी आचार्य से है.

छठुधनामा गांव के पास मिला किसान का शव

जमुई । जिले में एक किसान की पीट-पीटकर कर हत्या कर दी गई. घटना रविवार की सदर थाना के छठुधुनमा गांव की है. मृतक की पहचान कुदरी गांव निवासी किसान शंकर सिंह के रूप में हुई है. रविवार की सुबह किसान का शव छठुधनामा गांव के समीप पड़ा मिला. पुलिस ने छानबीन करते हुए शव को कब्जे में ले लिया. एसडीपीओ सतीश सुमन ने बताया कि हत्या के एंगल से मामले की जांच की जा रही है. उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही हत्या को लेकर खुलासा किया जाएगा. पुलिस परिवार वालों से पूरी जानकारी लेकर कार्रवाई करेगी. इस घटना से गांव के लोग दहशत में पड़ गए हैं क्योंकि किसान शंकर सिंह की किसी से कभी दुश्मनी नहीं थी.

मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह 15 दिनों की पैरोल पर रिहा

पटना । बिहार के मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह 15 दिनों की पैरोल पर जेल से रिहा हो गये हैं. जानकारी के अनुसार, अनंत सिंह पुश्तैनी जमीन से जुड़े काम के लिए जेल से बाहर आये हैं. उन्होंने 15 दिनों की पेरोल के लिए आवेदन दिया था. जिस पर गृह विभाग की अनुशंसा के बाद नीतीश सरकार ने बाहुबली नेता को पेरोल पर रिहा करने का आदेश दिया.

अनंत सिंह पैरोल पर रिहा होने के बाद सीधा बड़हिया बाला त्रिपुर सुंदरी मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे. इसके बाद मोकामा परशुराम स्थान पर मत्था टेकेंगे. फिर मोर में माता भगवती की पूजा कर अपने पैतृक आवास जायेंगे. बता दें कि मुंगेर

लोकसभा सीट पर 13 मई को चुनाव होना है. मतदान से ठीक पहले अनंत सिंह जेल से बाहर आने पर बिहार में राजनीतिक चर्चाओं का बाजार गर्म है. क्योंकि मोकामा मुंगेर लोकसभा के अंदर ही आता है. जहां से अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी विधायक है. बता दें कि अनंत सिंह के घर से करीब पांच साल पहले एके-47 राइफल और हैंड ग्रेनेड बरामद हुआ था. जिसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था.

कारोबार

इस साल जारी हो सकती है बिजनेस रेडी रिपोर्ट

नयी दिल्ली । विश्व बैंक अपनी पहली बिजनेस रेडी (कारोबार के लिए तैयार) रिपोर्ट इसी साल सितंबर में जारी करने की योजना बना रहा है. इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय ने भारत की रैंकिंग बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय कारोबार विषय पर काम शुरू कर दिया है. बिजनेस रेडी (बी-रेडी) विश्व बैंक की नई प्रमुख रिपोर्ट है जो दुनियाभर की अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं में कारोबारी माहौल और निवेश माहौल का मापन करती है.

प्रवेग ने प्रशिक्षुओं को साथ जुड़ने का दिया गया न्योता

नयी दिल्ली । बेंगलुरु की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) स्टार्टअप कंपनी प्रवेग डायनमिक्स ने वैश्विक ईवी कंपनी टेस्ला के उन प्रशिक्षुओं को प्रस्ताव भेजा है, जिनकी नौकरी के प्रस्ताव (ऑफर) को काम शुरू करने की तारीख से पहले रद्द कर दिया गया है. स्टार्टअप कंपनी ने इन प्रशिक्षुओं को 'भारत की सिलिकन वैली' से जुड़ने का प्रस्ताव दिया है, जो उनकी प्रतिभा को स्वीकार करेगी.

विमान रहित गो फर्स्ट की स्थिति है काफी खराब

मुंबई/ नयी दिल्ली । गो फर्स्ट की परेशानी पिछले साल मई में सिर्फ तीन दिन के लिए उड़ान निलंबन से शुरू हुई थी. उसके बाद उसने स्वैच्छिक रूप से दिवाला समाधान विकल्प को अपनाने का दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय लिया. अब एक साल बीतने के बाद भी विमान रहित गो फर्स्ट का भविष्य अनिश्चित बना हुआ है. जून में समाधान प्रक्रिया के लिए विस्तारित समयसीमा समाप्त हो रही है, हालांकि पुनरुद्धार की उम्मीद बहुत कम हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि एयरलाइन को परिसमापन की प्रक्रिया में भी लाया जा सकता है. एयरलाइन के पूर्व प्रमुख कौशिक खोना ने कहा कि यह देखना बेहद दुखद है कि एक साल बाद भी एयरलाइन परिचालन शुरू नहीं कर पाई है.

मोदी सरकार के कार्यकाल में रिकॉर्ड संख्या में रोजगार का सृजन : भल्ला

नयी दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत के पूर्व कार्यकारी निदेशक सुरजीत भल्ला ने कहा है कि नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल में औसत आधार पर रिकॉर्ड संख्या में रोजगार का सृजन हो रहा है. उन्होंने दावा किया कि पिछले सात-आठ साल में यह आंकड़ा करीब एक करोड़ तक पहुंच गया है. भल्ला ने कहा कि 2004-13 (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के कार्यकाल) के दौरान सबसे कम नौकरियां पैदा हुईं और तभी 'रोजगार रहित वृद्धि' शब्द आया. उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के तहत रोजगार सृजन ऊंचे स्तर पर रहा है. उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास में पहले कभी औसत आधार पर इतनी अधिक नौकरियां पैदा नहीं हुईं. पिछले 7-8 वर्षों में लगभग एक करोड़ नौकरियां पैदा हुईं. प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के पूर्व सदस्य भल्ला ने जोर देकर कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी और मोदी के कार्यकाल के दौरान सबसे अधिक नौकरियां पैदा हुईं. वह अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की हालिया रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे थे. इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022 में भारत की कुल बेरोजगार आबादी में बेरोजगार युवाओं की हिस्सेदारी लगभग 83 प्रतिशत थी.

महिंद्रा को 2023-24 में मिलीं रिकॉर्ड पेटेंट मंजूरियां

नयी दिल्ली । वाहन विनिर्माण क्षेत्र की प्रमुख घरेलू कंपनियों- महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) और टाटा मोटर्स को पिछले वित्त वर्ष में उत्पाद और प्रक्रिया नवोन्मेषण से संबंधित रिकॉर्ड संख्या में पेटेंट मंजूरियां मिली हैं. एमएंडएम को 674 मंजूरियां मिलीं, जो उसका किसी एक साल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. वहीं, टाटा मोटर्स को भी वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 333 पेटेंट मंजूरियां मिली हैं. एमएंडएम ने कहा कि उसे पिछले वित्त वर्ष में रिकॉर्ड 674 पेटेंट मिले हैं. एमएंडएम के कार्यकारी निदेशक राजेश जेजुरिकर ने कहा कि हम भविष्य के लिए तैयार रहने के महत्व को समझते हैं, इसलिए हमने प्रौद्योगिकी और प्रतिभा के मामले में आगे रहने के लिए शोध एवं विकास में व्यापक निवेश सुनिश्चित किया है.

प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटा

भाषा ।नयी दिल्ली

खाद्य सामग्री को लेकर केंद्र सरकार कुछ ऐसे फैसले ले रही है, जिससे आनेवाले दिनों में इसकी कीमतों में बदलाव होने की संभावना है. इसका असर सीधे जनमानस पर पड़ेगा. किसानों को इससे लाभ होने की उम्मीद है. इसमें प्याज और दाल जैसी सामग्री है. दरअसल पिछले साल 8 दिसंबर को प्याज निर्यात पर लगाया गया प्रतिबंध केंद्र सरकार ने हटा लिया है. 550 डॉलर प्रति टन की मिनिमम एक्सपोर्ट प्राइस तय की गई है. इस पर 40% की एक्सपोर्ट ड्यूटी भी लगेगी.

इस तरह 770 डॉलर प्रति क्विंटल से ज्यादा भाव पर ही निर्यात होगा. इस फैसले से किसानों को अच्छा भाव मिलने की संभावना है. वहीं उपभोक्ताओं के लिए रिटेल प्राइस भी बढ़ेगा. कंज्यूमर अफेयर्स सेक्रेटरी निधि खरे ने शनिवार को कहा कि प्याज निर्यात से रोक आज से हटा ली गई है. 2023-24 के रबी सीजन के उत्पादन और खरीफ सीजन में अच्छे उत्पादन की संभावना के साथ यह भी देखा गया कि मंडी और रिटेल स्तर पर मार्केट में स्टेबिलिटी है. अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्याज की उपलब्धता और कीमतों को भी ध्यान में रखा गया. चूंकि प्याज को लंबे समय तक स्टोर करने में मुश्किल होती है, इसलिए भी निर्यात खोलने की जरूरत महसूस की गई.

खरे ने कहा कि 8 दिसंबर 2023 को निर्यात पर रोक लगाई गई थी. क्योंकि खरीफ सीजन का उत्पादन ज्यादा घटने का अनुमान था. निर्यात रोकने से रबी सीजन की उपज आने तक प्राइस स्टेबल रखने में मदद मिली. रिटेल प्राइस उछल सकने के सवाल पर खरे ने कहा कि 2023-24 रबी सीजन में 191 लाख टन प्याज उत्पादन का अनुमान है. बेहतर मॉनसून फोरकास्ट को देखते हुए खरीफ प्रोडक्शन भी अच्छा होने की संभावना है. देश में खपत लगभग 17 लाख टन प्रति महीने की है. इस लिहाज से रिटेल प्राइस बहुत उछलने का रिस्क नहीं है. इस बार 5 लाख टन का बफर स्टॉक बनाने की तैयारी है. किसानों से खरीदारी जल्द शुरू होगी. रिटेल प्राइस में बहुत अधिक उछाल से निपटने में बफर स्टॉक मददगार होगा. पिछले साल बफर स्टॉक के लिए पहली जून से किसानों से प्याज खरीद शुरू हुई थी. उसमें किसानों से खरीद भाव औसतन 17 रुपये प्रति किलो था.

कृषि मंत्रालय के मुताबिक, पिछले साल रबी सीजन में 237 लाख टन प्याज उत्पादन हुआ था. इस बार उत्पादन करीब 20% कम रह सकता है. देश में सालभर प्याज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रबी सीजन काफी अहम होता है. सालाना उत्पादन में इसकी करीब 75% हिस्सेदारी होती है. मार्च में जारी किए गए कृषि मंत्रालय के पहले एडवांस्ड एस्टिमेट के मुताबिक, 2023-24 में 254.73 लाख टन प्याज उत्पादन का अनुमान है. पिछले साल 302.08 लाख टन उत्पादन हुआ था.दूसरी तरफ अरहर की दाल की बढ़ी कीमतों से लोगों को अब राहत मिलने वाली है. कारोबारियों के मुताबिक, अफ्रीका से अरहर की दाल की सप्लाई शुरू हो गई है. इस वजह से थोक मंडी में इसकी कीमत में 4 से 5 रुपये की गिरावट आई है. साथ ही चना दाल के भी दाम कम होने के आसार हैं. बीते कुछ महीनों से अरहर दाल की कीमत तेजी से बढ़ रही थी. थोक मंडी में इसकी कीमत 170 रुपये किलोग्राम तक पहुंच गई थी. दाल कारोबारी गौरव ने बताया कि अरहर दाल की कीमत में हो रही बढ़ोतरी के पीछे का कारण सप्लाई का कम होना है.

अफ्रीका से सप्लाई आ नहीं रही थी, लेकिन अब सप्लाई शुरू हो गई है. जिसके बाद थोक मंडी में अरहर की दाल की कीमतों में प्रतिकिलो 4 से 5 रुपये की गिरावट आई है. इसके अलावा चने की दाल पर लगने वाली इंपोर्ट ड्यूटी को सरकार ने हटाने का फैसला लिया है. जिससे आने वाले दिनों में चने की दाल की कीमत में भी गिरावट आएगी. इस बीच केंद्र सरकार भी दालों की महंगाई से राहत दिलाने के लिए सक्रिय हो गई है. एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने दालों के स्टॉक पर सख्त निगरानी रखने की कवायद शुरू कर दी है. अधिकारियों को मंडियों में दालों के स्टॉक की जानकारी लेने और जांच करने के लिए भेजा गया है.

होगा फायदा

- 2023-24 रबी सीजन में 191 लाख टन प्याज उत्पादन का अनुमान है

गो की 120 से 150 नये स्टोर खोलने की योजना

चेन्नई । गो फैशन (इंडिया) लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) में 120-150 नए स्टोर खोलने की योजना बनाई है. कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौतम सरावगी ने यह जानकारी दी. गो फैशन के पास महिलाओं के लोकप्रिय ब्रांड 'गो कलर्स' का स्वामित्व है. सरावगी ने कहा कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में कुल 94 स्टोर जोड़े, जिससे हमारे कुल स्टोर की संख्या संख्या 714 हो गई है. गो विभिन्न शहरों में उपभोक्ताओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रही है.

वॉन्ग के नेतृत्व में बढ़ते रहेंगे भारत-सिंगापुर संबंध

सिंगापुर । सिंगापुर इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसआईसीसीआई) ने कहा है कि जल्द पद संभालने वाले देश के नए प्रधानमंत्री लॉरेंस वॉन्ग के नेतृत्व में भारत के साथ सिंगापुर के संबंध फलते-फूलते रहेंगे. सिंगापुर के नए प्रधानमंत्री 15 मई को शपथ लेंगे. एसआईसीसीआई के अध्यक्ष नील पारेख ने शनिवार को कहा कि जैसा कि प्रधानमंत्री ली सीन लूंग अपने उत्तराधिकारी, उपप्रधान मंत्री लॉरेंस वॉन्ग को नेतृत्व सौंपने की तैयारी कर रहे हैं, हमें विश्वास है कि सिंगापुर-भारत संबंध फलते-फूलते रहेंगे.

शेयर बाजार कंपनियों के नतीजे इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे

पीएमआई आंकड़ों से गतिविधियां होंगी प्रभावित

एजेंसियां। नयी दिल्ली

कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजे, वैश्विक रुझान और वृहद आर्थिक आंकड़े इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे. विश्लेषकों ने यह राय जताई है. विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा बाजार विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों, रुपये-डॉलर के रुख और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों से भी संकेत लेगा. स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लि. के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौड़ ने कहा कि घरेलू स्तर पर कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों से शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिलेंगी. हीरो मोटोकॉर्प, लार्सन एंड टुब्रो, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल), भारतीय स्टेट बैंक, आयशर मोटर्स और टाटा मोटर्स जैसी कुछ बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आने हैं. सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़ों से भी शेयर बाजार की गतिविधियां प्रभावित होंगी. मार्च के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े शुक्रवार को आने हैं. मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि सोमवार को बाजार अमेरिका के रोजगार के आंकड़ों तथा डीमार्ट और कोटक बैंक जैसी कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों पर प्रतिक्रिया देगा. जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि आगे चलकर तिमाही नतीजों का सीजन निवेशकों द्वारा अपने पोर्टफोलियो को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. बाजार की निगाह बैंक ऑफ इंग्लैंड की नीतिगत समीक्षा और यूरो क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों पर भी रहेगी. उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि ऊंचे मूल्यांकन और चुनाव से जुड़े घटनाक्रम की वजह से बाजार में कुछ गिरावट आ सकती है. पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 147.99 अंक या 0.20 प्रतिशत के लाभ में रहा. वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 55.9 अंक या 0.24 प्रतिशत चढ़ा. रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा कि आगे चलकर निवेशकों की निगाह कंपनियों के तिमाही नतीजों और वैश्विक बाजार विशेषरूप से अमेरिकी बाजार के प्रदर्शन पर रहेगी.

शेयर समीक्षा

- निवेशकों की निगाह कंपनियों के तिमाही नतीजों व वैश्विक बाजार विशेष रूप से अमेरिकी बाजार के प्रदर्शन पर रहेगी

देखो व इंतजार करो की नीति पर विदेशी निवेशक

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारत में आम चुनाव की वजह से विदेशी निवेशक 'देखो और इंतजार करो' की नीति अपना रहे हैं. चालू महीने के पहले दो कारोबारी सत्रों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजारों में सिर्फ 1,156 करोड़ रुपये का निवेश किया है. इससे पहले मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि की चिंताओं के कारण अप्रैल में एफपीआई ने 8,700 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे. वहीं मार्च में एफपीआई ने शेयरों में शुद्ध रूप से 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का निवेश किया था. डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, मई में पहले दो कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने शेयरों में 1,156 करोड़ रुपये का निवेश किया है और ऋण या बॉन्ड बाजार से 1,727 करोड़ रुपये निकाले हैं. मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक व प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि भारत

वजह- आम चुनाव

में आम चुनाव पूरे जोरों पर हैं. विदेशी निवेशकों ने चुनाव नतीजे आने तक 'देखो और इंतजार करो' का रुख अपनाया है. जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि अमेरिका में नौकरियों के ताजा आंकड़े अर्थव्यवस्था में सुस्ती का संकेत देते हैं. वेतन बढ़ोतरी चार प्रतिशत से कम है, जो श्रम बाजार की कमजोरी का संकेत हैं. शेयर बाजार की दृष्टि से यह अच्छी खबर है. यही वजह है कि शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में जोरदार उछाल आया. आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने मई के पहले दो कारोबारी सत्रों में ऋण या बॉन्ड बाजार से 1,727 करोड़ रुपये निकाले हैं. इससे पहले विदेशी निवेशकों ने मार्च में बॉन्ड बाजार में 13,602 करोड़ रुपये, फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये और जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये का निवेश किया था. भारत सरकार के बॉन्ड को जेपी मॉर्गन सूचकांक में शामिल करने की घोषणा से यह निवेश आया था. कुल मिलाकर 2024 में अबतक शेयरों में एफपीआई ने 3,378 करोड़ रुपये का निवेश किया है. बॉन्ड बाजार में उनका निवेश 43,182 करोड़ रुपये रहा है.

ब्रीफ खबरें

'व्हाइट हाउस' के द्वार से टकराया वाहन

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के एक द्वार से शनिवार रात एक वाहन के टकरा जाने के कारण चालक की मौत हो गई. कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने बताया कि इस मामले की जांच 'केवल एक यातायात दुर्घटना के रूप में' की जा रही है और राष्ट्रपति के आवास को कोई खतरा नहीं है. खुफिया सेवा ने एक बयान में बताया कि 'व्हाइट हाउस' परिसर की बाहरी परिधि के एक द्वार से रात लगभग साढ़े दस बजे वाहन टकरा गया.

हादसे में कार सवार परिवार के छह की मौत

जयपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में रविवार को एक अज्ञात वाहन ने कार को टक्कर मार दी, जिससे कार में सवार एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए. पुलिस ने बताया कि यह हादसा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बनास नदी पुल के पास उस समय हुआ जब अज्ञात वाहन ने एक कार को टक्कर मार दी. उसने बताया कि कार में सवार लोग सवाई माधोपुर के गणेश मंदिर में पूजा करने जा रहे थे.

पुलिस के समन को नजरअंदाज करें : बोस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने रविवार को राजभवन के सभी कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे उनके खिलाफ एक महिला कर्मचारी की छेड़छाड़ की शिकायत के संबंध में कोलकाता पुलिस के किसी भी पत्राचार को नजरअंदाज करें. यह निर्देश कोलकाता पुलिस द्वारा राज्यपाल के खिलाफ महिला के आरोप की जांच के लिए एक जांच दल गठित करने के बाद आया है. कहा, "कार्यकाल के दौरान गिरफ्तारी या कारवाई की कोई प्रक्रिया शुरू नहीं की जाएगी."

ईवीएम एक चोर मशीन है : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने रविवार को कश्मीर के मतदाताओं से लोकसभा चुनाव के लिए मत डालते समय ईवीएम में हेरफेर की आशंका के प्रति सतर्क रहने को कहा. अब्दुल्ला ने कहा, "सभी मतदाताओं के लिए यह जानना जरूरी है कि ईवीएम एक चोर मशीन है. मतदान के दिन, आप पहचान की प्रक्रिया से गुजरेंगे और फिर आपकी उंगली पर स्याही लगाई जाएगी. जब आप ईवीएम बूथ पर जाएं तो उस पर लगी लाइट की जांच कर लें."

कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा ने पार्टी छोड़ी

रायपुर। कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा ने रविवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया. उन्होंने दावा किया कि अयोध्या में रामलला के दर्शन करने को लेकर उनकी आलोचना इस स्तर तक पहुंच गयी कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस कार्यालय में उनके साथ हुई घटना में उन्हें न्याय देने से इंकार कर दिया गया. छत्तीसगढ़ के लिए कांग्रेस की संचार और मीडिया समन्वयक खेड़ा ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को संबोधित अपना इस्तीफा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया.

भारतीय-अमेरिकी के साथ अन्य देशों की महिलाओं ने भिन्न शैलियों की साड़ियों का किया प्रदर्शन

न्यूयॉर्क के 'टाइम्स स्क्वायर' पर लगा साड़ियों का मेला

एजेंसी। न्यूयॉर्क

न्यूयॉर्क का प्रतिष्ठित 'टाइम्स स्क्वायर' पर सैकड़ों महिलाओं की भिन्न प्रकार और शैलियों की साड़ियों से सजा दिखाई दिया तथा भारतीय-अमेरिकी समुदाय के साथ ही अन्य देशों की सैकड़ों महिलाओं ने यहां एक विशेष कार्यक्रम में साड़ियों की शाश्वत सुंदरता, विरासत और सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन किया. 'टाइम्स स्क्वायर' में शनिवार को आयोजित 'साड़ी गोज ग्लोबल' कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के साथ ही कम से कम उन नौ देशों की 500 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया जहां नौ गज

का यह परिधान लोकप्रिय है तथा उसे पसंद किया जाता है.

इन देशों में बांग्लादेश, नेपाल, ब्रिटेन, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, युगांडा, त्रिनिदाद और गुयाना शामिल हैं. खादी सहित

- 'साड़ी गोज ग्लोबल' कार्यक्रम में महिलाओं ने गर्व से अपने संग्रह का प्रदर्शन किया, राष्ट्रीय ध्वज लहराए, एक साथ नृत्य किया, तस्वीरें लीं और अपनी साड़ियों, संस्कृति और विरासत के बारे में कहानियां साझा कीं

विभिन्न प्रकार के कपड़ों पर उत्कृष्ट कढ़ाई एवं शैलियों वाली रंग-बिरंगी साड़ियां पहनी हुई महिलाओं ने गर्व से अपने संग्रह का प्रदर्शन किया, राष्ट्रीय ध्वज लहराए, एक साथ नृत्य किया, तस्वीरें लीं और अपनी साड़ियों, संस्कृति तथा विरासत के बारे में कहानियां साझा कीं. यह कार्यक्रम 'ब्रिटिश वुमेन इन साड़ी' ने उमा संगठन के साथ मिलकर आयोजित किया जिसमें संगीत, नृत्य और साड़ी 'वॉकथन' के जरिए साड़ी की शाश्वत सुंदरता का प्रदर्शन किया गया. इसका उद्देश्य दुनियाभर में कार्यक्रम आयोजित कर भारत में हथकरघा कलाकारों की मदद करते हुए साड़ी के बारे में जागरूकता बढ़ाना है.

उमा ग्लोबल की अध्यक्ष डॉ. रीता ककाती-शाह और 'ब्रिटेन वुमेन इन साड़ी' की चेयरपर्सन डॉ. दीप्ति जैन ने दुनियाभर में एकता और महिला सशक्तिकरण के प्रतीक के तौर पर साड़ी की महत्ता पर जोर दिया.

मप्र में अवैध बालू लदे ट्रैक्टर ट्रॉली ने पुलिसकर्मी को कुचला

एजेंसी। शहडोल (मप्र)

मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में अवैध खनन के जरिए निकाली गई रेत की ढुलाई में इस्तेमाल की जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली ने पुलिस के एक सहायक उपनिरीक्षक को कथित तौर पर कुचल दिया जिससे उनकी मौत हो गई है. पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक ने बताया कि जिला मुख्यालय से 90 किलोमीटर दूर ब्यौहारी थाना क्षेत्र के अंतर्गत बडोली गांव में शनिवार एवं रविवार की मध्यरात्रि को हुई इस घटना के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है. ब्यौहारी थाने में तैनात सहायक उपनिरीक्षक महेंद्र बागरी अपने दो सहकर्मियों के साथ किसी मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने जा रहे थे. अधिकारी ने बताया कि रास्ते में उन्होंने रेत से

खास बातें

- शहडोल जिले में हुई घटना के सिलसिले में दो गिरफ्तार
- पिछले साल इसी तरह राजस्व अधिकारी की हुई थी मौत

भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को अपनी ओर आते देखा और उसे रोकने की कोशिश की. लेकिन वह नहीं रुका और वाहन एएसआई के ऊपर चढ़ गया. इससे पहले, पिछले साल नवंबर में भी शहडोल जिले के गोपालपुर क्षेत्र में सोन नदी से अवैध खनन के जरिए निकाली गई रेत की ढुलाई में इस्तेमाल की जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली ने राजस्व विभाग के एक अधिकारी को कुचल दिया था.

कांग्रेस ने रायबरेली से बड़ी जीत व अमेठी में विजय का लिया संकल्प

प्रियंका रायबरेली, अमेठी में संभालेंगी प्रचार की कमान

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा रायबरेली और अमेठी में लोकसभा चुनाव प्रचार का नेतृत्व करेंगी तथा दोनों सीट पर पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए सोमवार से उत्तर प्रदेश के इन संसदीय क्षेत्रों में डेरा डालेंगी. सूत्रों ने यह जानकारी दी. कई दिनों से जारी असमंजस को खत्म करते हुए कांग्रेस ने शुक्रवार को घोषणा की कि राहुल गांधी रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे, जो पिछले दो दशकों से उनकी मां सोनिया गांधी का निर्वाचन क्षेत्र रहा है. वहीं, गांधी परिवार के करीबी सहयोगी किशोरी लाल शर्मा अमेठी से चुनाव लड़ेंगे. प्रियंका गांधी ने पहले ही प्रचार अभियान की कमान संभाल ली है और सोमवार से चुनाव खत्म होने तक वह रायबरेली तथा अमेठी में डेरा डाले रहेंगी.

सैकड़ों नुक्कड़ सभाएं, बैठकें और घर-घर कैंपेन : सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि

प्रियंका अपने भाई राहुल गांधी और शर्मा की जीत सुनिश्चित करने के लिए आक्रामक तरीके से प्रचार करेंगी. राहुल गांधी के पूरे भारत में प्रचार करने के साथ, प्रियंका गांधी ने परिवार के दोनों गढ़ में प्रचार अभियान की कमान संभालने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने रायबरेली से बड़े अंतर से जीत सुनिश्चित करने और अमेठी में फिर से पार्टी को विजय

300 गांवों को कवर करेंगी, दोनों को बराबर समय

प्रियंका गांधी कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट जैसे शीर्ष नेताओं के प्रचार अभियानों की योजना और कार्यक्रम का भी ध्यान रखेंगी. सूत्रों ने कहा कि वह लगभग 250-300 गांवों को कवर करेंगी और दोनों निर्वाचन क्षेत्रों को बराबर समय देंगी. फिरोज गांधी ने रायबरेली में जो मजबूत नींव रखी, उसे बाद में उनकी पत्नी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने और मजबूत किया. इंदिरा गांधी ने 1967, 1971 और 1980 में इस सीट से जीत दर्ज की. उनके बाद गांधी परिवार के दोस्तों और सदस्यों ने इस सीट पर पार्टी का परचम लहराया. ईरानी ने 2019 में अमेठी में राहुल गांधी को हराया था.

दिलाने का संकल्प लिया है. अमेठी में भाजपा की नेता स्मृति ईरानी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को हराया था. सूत्र ने कहा, 'प्रियंका गांधी अमेठी और रायबरेली में प्रचार अभियान की अगुवाई करेंगी. वह दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव होने तक वहीं रहेंगी.' सूत्रों ने कहा कि प्रियंका गांधी सैकड़ों नुक्कड़ सभाएं, बैठकें करने के साथ घर-घर जाकर प्रचार करेंगी. उन्होंने कहा, 'केंद्र रायबरेली होगा, जहां वह एक अतिथि गृह में ठहरेंगी. बूथ प्रबंधन से लेकर संपर्क तक, सबकुछ वही संभालेंगी.' सूत्रों ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों और दशकों से गांधी परिवार के साथ पारिवारिक संबंध रखने वाले लोगों तक पहुंचने की कवायद शुरू हो चुकी है. प्रियंका दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में डिजिटल और सोशल मीडिया प्रचार अभियान की भी निगरानी करेंगी.

बेअदबी के आरोप में युवक की हत्या

एजेंसी। फिरोजपुर (पंजाब)

फिरोजपुर में शनिवार को एक गुरुद्वारे में हुई कथित बेअदबी की घटना के बाद 19 वर्षीय युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई. पुलिस ने यह जानकारी दी.पुलिस ने बताया कि तल्ली गुलाम गांव के निवासी बख्शीश सिंह ने बंडाला गांव में स्थित गुरुद्वारे के परिसर में प्रवेश करने के बाद सिखों की पवित्र पुस्तक गुरु ग्रंथ साहिब के कुछ पन्ने कथित तौर पर फाड़ दिए थे. युवक के पिता लखविंदर सिंह ने बताया कि बख्शीश मानसिक रूप से अस्वस्थ था और उसका इलाज किया जा रहा था. पुलिस ने बेअदबी के आरोप में युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है. हालांकि, बख्शीश के पिता ने पुलिस से उनके बेटे की हत्या करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की. पुलिस के मुताबिक, बख्शीश ने गुरु ग्रंथ साहिब के कुछ पन्ने कथित तौर पर फाड़ दिए और फिर भागने की कोशिश की. उसने कहा कि कुछ लोगों ने उसे पकड़ लिया और कथित घटना की खबर फैलते ही गांववाले गुरुद्वारे में इकट्ठा हो गए, जिसके बाद युवक की पिटाई की गई. पुलिस ने बताया कि बाद में युवक की मौत हो गई. पुलिस ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार समिति के अध्यक्ष लखबीर सिंह की शिकायत पर आरोपी के खाने में भारतीय दंड संहिता की धारा

खास बातें

- गुरु ग्रंथ साहिब के कुछ पन्ने फाड़ने का था आरोप
- पिता बोले, मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक था इलाजरत

295ए (धार्मिक मान्यताओं का दुर्भावनापूर्ण अपमान करने) के तहत बख्शीश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की. पुलिस ने बख्शीश के पिता की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की है.

अकाल तख्त ने दोषियों को दंड देने में विफलता की प्रतिक्रिया बताया

सिखों की सर्वोच्च पीठ अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने बेअदबी की घटना पर दुख व्यक्त किया. उन्होंने बख्शीश की मौत को "दोषियों को कानून द्वारा अनुकरणीय दंड देने में विफलता" की प्रतिक्रिया बताया. इसके अलावा, जत्थेदार ने सिख 'संगत' से युवक के परिवार का सामाजिक और धार्मिक बहिष्कार करने और किसी भी गुरुद्वारे में उसका अंतिम संस्कार नहीं करने देने को भी कहा है. सिंह ने एक बयान में कहा कि लंबे समय से एक 'सुनियोजित साजिश' के तहत गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी की घटनाएं हो रही हैं. उन्होंने कहा कि सरकार का कानून न तो बेअदबी की घटनाओं को रोकने में सफल साबित हो रहा है और न ही दोषियों को सजा दिलाने में. उन्होंने कहा, "सिखों के लिए श्री गुरु ग्रंथ साहिब से ऊपर कुछ भी नहीं है और बेअदबी की घटनाएं सिखों की आत्मा व मन को बुरी तरह ठेस पहुंचाती हैं." अकाल तख्त के जत्थेदार ने कहा कि जब कानून का शासन "अपना कर्तव्य निभाने में बुरी तरह विफल" हो जाता है, तो लोग अपने तरीके से न्याय मांगने के लिए मजबूर हो जाते हैं.

दुष्कर्म पीड़िताओं को वित्तीय सहायता देगी कांग्रेस सरकार

एजेंसी। बेलगावी (कर्नाटक)

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार जद (एस) नेता प्रज्वल रेवन्ना द्वारा कथित तौर पर यौन उत्पीड़न की शिकार बनाई गई महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी. कांग्रेस महासचिव और पार्टी के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की मौजूदगी में यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मांग की थी कि आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए. सुरजेवाला ने कहा, "मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने सैकड़ों की संख्या में दुष्कर्म पीड़िताओं को वित्तीय सहायता की घोषणा की है." हासन लोकसभा क्षेत्र से जद (एस)-भाजपा गठबंधन के उम्मीदवार प्रज्वल पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी के भतीजे हैं.

मोदी-शाह पर प्रज्वल को बचाने का लगाया आरोप

सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ सुरजेवाला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर उनके गठबंधन सहयोगी जद (एस) उम्मीदवार को बचाने का आरोप लगाया. उन्होंने पूछा, "प्रज्वल के बारे में जानकारी होने के बावजूद भाजपा ने जद (एस) के साथ गठबंधन क्यों किया?" सिद्धरमैया ने यह भी जानना चाहा कि विदेश मंत्रालय ने प्रज्वल को विदेश भागने से क्यों नहीं रोका. वहीं कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने रविवार को कहा कि अनेक महिलाओं के यौन उत्पीड़न के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है. भारत वापस लाने के लिए इंटरपोल की मदद ली जा रही है.

आरक्षण खत्म नहीं होने देगी भाजपा : अमित शाह

हैदराबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि संसद में जब तक भाजपा का एक भी सांसद है एससी, एसटी, ओबीसी का आरक्षण खत्म नहीं होगा. तेलंगाना के कागजनगर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने आरोप लगाया कि राज्य के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भी भाजपा के शीर्ष नेता का एक फर्जी वीडियो साझा किया था. शाह ने उनका एक फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर फैलाये जाने के मामले के संदर्भ में यह कहा. शाह ने भरोसा जताया कि भाजपा तेलंगाना में लोकसभा की कुल 17 सीट में से 10 से अधिक पर जीत दर्ज करेगी. भाजपा के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के नेता राहुल गांधी अपने वोट बैंक के डर से राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हुए, जबकि उन्हें निमंत्रण भेजा गया था. कांग्रेस और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का वोट बैंक एक ही है.

पुंछ हमले में शामिल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए व्यापक तलाशी अभियान

'आतंकवाद-निरोधक ग्रिड को करेंगे मजबूत'

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने रविवार को कहा कि पुंछ में वायुसेना के काफिले पर हुआ हमला क्षेत्र में आतंकी हमलों की चिंताजनक प्रवृत्ति का हिस्सा है और लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद पार्टी और 'इंडिया' गठबंधन के उसके सहयोगी दल जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-विरोधी ग्रिड को मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे.

अधिकारियों ने बताया कि पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में शाहसितार के पास शनिवार शाम हुए हमले में वायुसेना के पांच कर्मी घायल हो गए थे जिनमें से एक ने सैन्य अस्पताल में दम तोड़ दिया. उन्होंने कहा कि आतंकवादियों का सफाया करने के लिए शाहसितार, गुरसाई, सनाई और शीनदारा टॉप समेत कई इलाकों में सेना व पुलिस का संयुक्त अभियान जारी है. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने

"एक्स" पर एक पोस्ट में कहा, 'हम इस कायरतापूर्ण आतंकी हमले की कड़ी और स्पष्ट रूप से निंदा करते हैं और आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्र के साथ एकजुट होकर खड़े हैं.' वहीं उक्त हमले में शामिल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए व्यापक तलाशी अभियान रविवार को दूसरे दिन भी जारी रहा और कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी.

2007 व 2014 के बीच इस क्षेत्र कोई बड़ी घटना नहीं

रमेश ने दावा किया कि 2007 और 2014 के बीच इस क्षेत्र में आतंकवाद की कोई बड़ी घटना नहीं हुई. उन्होंने कहा कि सुरनकोट आतंकवादी हमला, नियंत्रण रेखा के पास स्थित पहाड़ी राजौरी-पुंछ क्षेत्रों में विशेष रूप से सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ आतंकवादी हमलों की चिंताजनक प्रवृत्ति का हिस्सा है. कांग्रेस महासचिव ने कहा, 'यह गंभीर चिंता का विषय है कि एक जनवरी 2023 से अब तक राजौरी-पुंछ क्षेत्र में हमारे 25 बहादुर सुरक्षाकर्मी और आठ निर्दोष नागरिक अपनी जान गंवा चुके हैं. इसके विपरीत, 2007 से 2014 के बीच इस क्षेत्र में आतंकवाद की कोई बड़ी घटना नहीं हुई थी.' रमेश ने कहा कि चार जून के बाद, कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के उसके सहयोगी दल जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-विरोधी ग्रिड को मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे. उन्होंने कहा, 'हमारा दृष्टिकोण धार्मिक और जातीय संबंधों से परे राजनीतिक वर्ग और नागरिक समाज को लगातार सशक्त बनाना होगा.' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार रात 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि कांग्रेस इस कायरतापूर्ण आतंकी हमले की कड़ी और स्पष्ट रूप से निंदा करती है तथा आतंकवाद के खिलाफ देश के साथ एकजुट होकर खड़ी है. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सुरक्षाकर्मियों के काफिले पर कायरतापूर्ण आतंकवादी हमला बेहद शर्मनाक और दुखद है.

बयान निज्जर हत्याकांड में भारतीयों की गिरफ्तारी के बाद प्रधानमंत्री ने कहा

कानून का शासनवाला देश है कनाडा : जस्टिन ट्रूडो

एजेंसी। टोरंटो

प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तान अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोप में तीन भारतीय नागरिकों की गिरफ्तारी के एक दिन बाद कहा कि कनाडा "कानून के शासन वाला देश" है और यहां एक मजबूत व स्वतंत्र न्याय प्रणाली और अपने सभी नागरिकों की सुरक्षा के लिए मौलिक प्रतिबद्धता है. कनाडा के नागरिक निज्जर की 18 जून, 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. एडमॉंटन में रहने वाले भारतीय नागरिकों करण बरार (22), कमलप्रीत सिंह (22) और करनप्रीत सिंह (28) को हत्या और हत्या की साजिश के आरोप में शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया था. ट्रूडो ने गिरफ्तारी के बारे में शनिवार को टोरंटो में सिख विरासत

एवं संस्कृति समारोह में कहा, "यह महत्वपूर्ण है क्योंकि कनाडा एक मजबूत व स्वतंत्र न्याय प्रणाली और अपने सभी नागरिकों की सुरक्षा के लिए मौलिक प्रतिबद्धता वाला कानून-सम्मत देश है." कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (सीबीसी) ने ट्रूडो के हवाले से कहा, "जैसा कि (रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस) आरसीएमपी ने कहा है कि जांच जारी है. एक अलग और विशिष्ट जांच का दायरा कल गिरफ्तार किए गए तीन

क्या-क्या कहा

- सभी नागरिकों की सुरक्षा के लिए मौलिक प्रतिबद्धता है
- निज्जर की हत्या के बाद कई लोग असुरक्षित महसूस कर रहे
- सबको भेदभाव, हिंसा के खतरों से मुक्त रहने का है अधिकार

लोगों की संलिप्तता तक सीमित नहीं है." उन्होंने कहा कि निज्जर की हत्या के बाद कनाडा के सिख समुदाय के कई लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं. उन्होंने कहा, "प्रत्येक कनाडाई को सुरक्षित रूप से रहने तथा कनाडा में भेदभाव व हिंसा के खतरों से मुक्त रहने का मौलिक अधिकार है." पिछले साल सितंबर में खालिस्तान अलगाववादी निज्जर (45) की हत्या में भारतीय एजेंट की

भारत अलगाववादी समूहों की मौजूदगी से चिंतित

भारत कनाडा में सिख अलगाववादी समूहों की मौजूदगी से लंबे समय से चिंतित है. भारत ने निज्जर को "आतंकवादी" घोषित किया था. हत्या के सिलसिले में तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किए जाने के बाद, कनाडा में पुलिस ने अतिरिक्त विवरण दिए बिना कहा कि उन्होंने अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर गिरफ्तारी की है. पुलिस ने और गिरफ्तारियां होने के संकेत दिए हैं. रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के सहायक आयुक्त और प्रशांत क्षेत्र के बल के कमांडर डेविड टेबौल ने शुक्रवार को कहा कि वह गिरफ्तार किए गए तीन लोगों और भारतीय अधिकारियों के बीच कथित संबंधों पर टिप्पणी नहीं करेंगे. लेकिन उन्होंने कहा कि बल "भारत सरकार से जुड़े होने की जांच कर रहा है." इस बीच, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि निज्जर की हत्या को लेकर कनाडा में जो कुछ हो रहा है, वह मुख्य तौर पर उनकी आंतरिक राजनीति के कारण है और इसका भारत से कोई लेना-देना नहीं है. उन्होंने कहा कि खालिस्तान समर्थक लोगों का एक वर्ग कनाडा के लोकतंत्र का उपयोग करके एक लॉबी बना रहा है और वोट बैंक बन गया है.

"संभावित" संलिप्तता के ट्रूडो के आरोपों के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंधों में काफी तनाव आ गया था. भारत ने ट्रूडो के आरोपों को "बेतुका" और "प्रेरित" बताकर खारिज कर दिया है.

कई शहर तबाह हो गए, हजारों लोग अपना घर छोड़ने को हुए मजबूर

ब्राजील में बाढ़ ने मचाई तबाही, 39 की मौत

एजेंसी। साओ पाउलो

ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल राज्य में भारी बारिश के कारण कम से कम 39 लोगों की मौत हो गई और 68 अन्य लोग लापता हो गए, राज्य की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी.

ब्राजील में आई इस भीषण बाढ़ के कारण कई शहर तबाह हो गए और हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा. यह एक साल में चौथी ऐसी पर्यावरणीय आपदा है. इससे पहले 2023 में जुलाई, सितंबर और नवंबर में भी बाढ़ आई थी जिनमें कुल 75 लोग मारे गए थे. ब्राजीलियाई भूवैज्ञानिक सेवा के अनुसार, राज्य में आई बाढ़ 1941 की ऐतिहासिक बाढ़ से भी भीषण है. एजेंसी ने कहा कि कुछ शहरों में जल स्तर तब तक के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है जब से इसे दर्ज करना शुरू किया गया है. जलस्तर लगभग 150 साल

खास बातें

- रियो ग्रांडे डो सुल राज्य में 68 अन्य लोग लापता हैं
- एजेंसी ने कहा, कुछ शहरों में जलस्तर उच्चतम स्तर पर

पहले से दर्ज करना शुरू किया गया था. रक्षा एजेंसी के अनुसार, बाढ़ में कम से कम 39 लोगों की मौत हो गई और 68 अन्य लोग अब भी लापता हैं तथा 24,000 से अधिक लोगों को अपना घर छोड़कर जाना पड़ा है. उसने बताया कि बाढ़ के कारण पूरे राज्य में विद्युत आपूर्ति, संचार सेवा और जल आपूर्ति बाधित हो गई है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)